राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 71 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शनिवार ,11 सितम्बर 2021 , मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ परशुराम का निधन

सागर, एजेंसी। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व मंत्री डॉ. परशुराम साहू का शुक्रवार को निधन हो गया। वे लगभग 90 वर्ष के थे। अपने पीछे वे चार पुत्र और दो पुत्रियां छोड़ गए। डॉ साहू 1967 में पहली बार विधायक बने और उसी दौरान बनी संविद सरकार में मंत्री बनाए गए। दूसरी बार 1977 की जनता पार्टी सरकार में भी मंत्री रहे। डॉ साहू देवरी विधानसभा क्षेत्र से चार बार विधायक चुने गए थे। डॉ साहू को पिछले दिनों गिरने से सिर में आई चोट के बाद यहां अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने पूर्व मंत्री डॉ. साहू के निधन पर दुख व्यक्त किया है।

श्रद्धालु ने चढ़ाया छह करोड़ का स्वर्ण मुकुट

पुणे, (एजेंसी)। महाराष्ट्र में पुणे के दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर में एक श्रद्धालु ने हाल ही में छह करोड़ रुपए के पांच किलो सोने का मुकुट दान किया। मंदिर में गणेश चतुर्थी के अवसर पर शुक्रवार को मूर्ति को नए कपड़ों और गहनों से सजाया गया था, जिसमें पांच किलो सोने का मुकुट भी शामिल था। मुकुट की कीमत छह करोड़ रुपए बताई गई है। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब महाराष्ट्र में सबसे लोकप्रिय और प्रतीक्षित धार्मिक आयोजन कोविड महामारी और तीसरी लहर के संभावित खतरे को देखते हुए सरल तरीके से मनाया जा रहा है। मंदिर के कोविड के नियमों का पालन किया जा रहा है।

एएमयू में जिन्ना की तस्वीर पर फिर विवाद

अलीगढ़ (एजेंसी)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में एक बार फिर मोहम्मद अली जिन्ना की तस्वीर लौट आई है। अलीगढ़ में भाजपा इकाई ने अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने खून से पत्र लिखकर परिसर से जिन्ना की तस्वीर हटाने को सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। अलीगढ़ में भाजपा प्रवक्ता शिवांग तिवारी ने चेतावनी दी कि अगर एएमयू अधिकारियों ने इसे खुद नहीं हटाया तो वे अधिकारियों को तस्वीर हटाने के लिए मजबूर करेंगे। 2018 में पार्टी सांसद सतीश गौतम द्वारा भी इसी तरह की मांग की गई थी और विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ झड़प हुई थी।

तीसरी लहर की आशंका के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की समीक्षा

समीक्षा बैठक में जीनोम सिक्वेंसिंग पर प्रधानमंत्री ने ध्यान केंद्रित किया

राज्यों को दवाओं के बफर स्टॉक का निर्देश

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश में कोरोना की तीसरी लहर के आने की चिंता के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को देश में कोविड-19 स्थिति की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। स्वास्थ्य मंत्रालय पहले ही कह चुका है कि देश में अभी भी दूसरी लहर कायम है।

बैठक में प्रधानमंत्री मोदी को स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे में वृद्धि के बारे में जानकारी दी गई। पीएम मोदी ने बैठक के दौरान देश में कोविड-19 टीकाकरण अभियान की भी समीक्षा की। इस दौरान पीएम मोदी ने राज्यों को हर जिले में दवाओं का बफर स्टॉक रखने को कहा। प्रधानमंत्री ने अगले कुछ महीनों के लिए वैक्सीन के उत्पादन, आपूर्ति और पाइपलाइन की समीक्षा की। पीएम मोदी ने म्यूटेंट के उद्भव की निगरानी के लिए निरंतर जीनोम अनुक्रमण की आवश्यकता के बारे में बात की।

35 जिलों में 10 फीसदी से अधिक की साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट: इससे पहले केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण कह चुके हैं कि भारत में कोरोना वायरस की दूसरी लहर अभी खत्म नहीं हुई है। स्वास्थ्य सचिव ने कहा था कि 35 जिलों में अभी भी 10 प्रतिशत से अधिक की साप्ताहिक कोविड पॉजिटिविटी रेट की रिपोर्ट कर रहे हैं, जबकि 30 जिलों में यह पांच से 10 प्रतिशत के बीच है।

इस बीच वैक्सीनेशन के मोर्चे पर, केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि भारत की आधी से अधिक व्यस्क आबादी को कोविड-19 वैक्सीन की कम से कम एक खुराक मिल चुकी है, जबकि 18 प्रतिशत को दोनों डोज लग चुके हैं। देश में अब तक कुल 72 करोड़ वैक्सीन के डोज दिए जा चुके हैं। पिछले महीने, केंद्र सरकार द्वारा गठित एक पैनल ने अपनी नई रिपोर्ट में चेतावनी दी थी कि कोरोना की तीसरी लहर अक्टूबर के आसपास चरम पर हो सकती है। यह भी कहा गया कि सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में उन बच्चों के लिए बेहतर चिकित्सा तैयारी होनी चाहिए जो व्यस्कों के समान जोखिम में हो सकते हैं।

टीका लगाने के बाद भी पांच एमबीबीएस छात्र संक्रमित

नागपुर, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के वानाडोंगरी में दत्ता मेघे मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस प्रथम वर्ष के पांच अन्य छात्र कोरोना संक्रमित पाए गए, जबकि उन्हें कोरोना के दोनों टीके लग चुके है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार एमबीबीएस प्रथम वर्ष के संक्रमित पांचों छात्रों में से चार छात्राएं और एक छात्र है। सूत्रों ने बताया लड़कियां छात्रावास में हैं और उन्हें वानडोंगरी में उसी परिसर में कॉलेज के शालिनिताई मेघे अस्पताल और अनुसंधान केंद्र (एसएमएचआरसी) में स्थानांतरित किया गया है।

देश में कोरोना के 37 हजार नए मामले

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस के 37 हजार नए मामले दर्ज किए गए, जबकि 36,250 से ज्यादा लोगों ने इस महामारी को मात दी। गुरुवार को 67,58,491 लोगों को टीके लगाए गए और अब तक 72,37,84, 586 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। 24 घंटों में कोरोना के 37,780 नए मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 3,32,00,787 हो गया है। इस दौरान 37,681 मरीजों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी को मात देने वालों की कुल संख्या बढ़कर 3,23,42,299 हो गई है। सक्रिय मामले 3,87,721 रह गए हैं। इस दौरान 307 मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 4,42,347 पहुंच गया है।

मेरे परिवार का जम्मू-कश्मीर से पुराना रिश्ता: राहुल गांधी

जम्मू, (एजेंसी)। दो दिवसीय दौरे पर जम्मू पहुंचे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि जब भी मैं जम्मू-कश्मीर आता हूं, मुझे लगता है कि मैं घर आ गया हूं। मेरे परिवार का जम्मू-कश्मीर से पुराना रिश्ता है। राहुल गांधी ने जय माता दी के जयघोष से पार्टी कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। इसके बाद मीडियो को मित्रों शब्द से संबोधित किया, फिर तंज कसते हुए कहा कि मैंने मित्रों शब्द से संबोधित तो कर दिया, लेकिन ये मित्रों जैसा काम नहीं करते। ये हमारे मित्रों का काम न करके उनके मित्रों का काम करते हैं।

इस सरकार ने जम्मू-कश्मीर के भाईचारे पर आक्रमण किया

राहुल गांधी ने कहा कि मैं एक महीने में दो बार जम्मू-कश्मीर आया हूं और जल्द ही लद्दाख भी जाना चाहता हूं। मैंने श्रीनगर में कहा था कि जम्मू-कश्मीर में आते ही मुझे लगता है कि मैं घर आया हूं। ये प्रदेश(यूटी) पहले राज्य था, इसका मेरे परिवार से पुराना रिश्ता है। यहां आकार मुझे बहुत खुशी होती है, लेकिन दुख इस बात का है कि जो आपकी संस्कृति है, उसे भाजपा और आरएसएस तोड़ने का काम कर रही है। इस सरकार ने जम्मू-कश्मीर के भाईचारे पर आक्रमण किया है।

देवी के तीन रूपों का राहुल ने इस तरह किया वर्णन

राहुल गांधी ने कहा कि माता वैष्णो देवी के धाम में दुर्गा जी, लक्ष्मी जी और सरस्वती जी विराजमान हैं। दुर्गा वो शक्ति हैं जो रक्षा करती हैं। लक्ष्मी जी लक्ष्य को पूरा करती हैं और सरस्वती जी ज्ञान देती हैं। ये तीनों शक्तियां जब घर और देश में होती हैं तो तरक्की होती है। जीएसटी, नोटबंदी और किसानों के लिए लाए गए कानूनों से भारत में माता लक्ष्मी की शक्ति घटी है। हिंदुस्तान के हर संस्थान में आरएसएस के लोग बैठाए गए हैं, जिससे माता सरस्वती की शक्ति घटी है। लोगों को भाजपा से सवाल पूछना चाहिए कि माता की शक्तियों को आप क्यों नष्ट कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को मैंने अपने कश्मीरी पंडित भाइयों से बात की।

भारतीय सेना प्रमुख ने किया पश्चिमी कमान का दौरा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने शुक्रवार को चंडी मंदिर में पश्चिमी कमान मुख्यालय का दौरा किया और इस अवसर पर परिचालन तैयारियों की समीक्षा की।

पश्चिमी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल आरपी सिंह द्वारा सेना प्रमुख को विभिन्न परिचालन और प्रशिक्षण संबंधी मुद्दों पर अपडेट किया गया। जनरल नरवणे ने पश्चिमी कमान के अधिकारियों को भी संबोधित किया, जिसके दौरान उन्होंने उन्हें गर्व के साथ सेवा करने और सैन्य लोकाचार और भारतीय सेना की समृद्ध संस्कृति को बनाए रखने का आह्वान किया।

विभिन्न बल आधुनिकीकरण उपायों पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सैनिकों को सूचना प्रौद्योगिकी, उभरते साइबर खतरों और प्रति-उपायों में नवीनतम रुझानों के साथ खुद को भी अपडेट रखना चाहिए। बाद में जनरल नरवणे ने सैनिकों के साथ बातचीत की।

भवानीपुर उपचुनाव में ममता ने भरा पर्चा

कोलकाता ■ एजेंसी

भाजपा ने प्रियंका टिबरेवाल को बनाया उम्मीदवार

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को भवानीपुर उपचुनाव के लिए पर्चा भर दिया है। ममता अलीपुर में पर्चा दाखिल करने पहुंची थीं।

बंगाल की भवानीपुर विधानसभा सीट पर 30 सितंबर को उपचुनाव होगा। बीजेपी ने इस सीट से प्रियंका टिबरेवाल को उम्मीदवार बनाया है। वहीं कांग्रेस इस सीट से कैंडिडेट नहीं उतारेगी।भवानीपुर सीट के लिए उपचुनाव 30 सितंबर (गुरुवार) को होगा। इसी दिन पश्चिम बंगाल के समसेरगंज और जंगीपुर सीटों के साथ-साथ ओडिशा के पिपली निर्वाचन क्षेत्र में भी उपचुनाव होंगे। वोटों की गिनती तीन अक्टूबर को होगी। भवानीपुर सीट से ममता के खिलाफ कौन लड़ेगा, भाजपा ने शुक्रवार को ही इसका फैसला किया है। भाजपा की तरफ से प्रियंका टिबरेवाल को उम्मीदवार बनाया गया है। वही भवानीपुर उपचुनाव में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ कांग्रेस उम्मीदवार नहीं उतारेगी। पहले कांग्रेस ने उम्मीदवार उतारने का वादा किया था, लेकिन बाद में उसे यू-टर्न ले लिया था। आठ सितंबर को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने कहा था कि एआईसीसी के निर्देश के अनुसार, कांग्रेस 30 सितंबर को होने वाले उपचुनाव से पहले न तो बनर्जी के खिलाफ कोई उम्मीदवार उतारेगी और न ही उनके खिलाफ प्रचार करेगी।वहीं वाम मोर्चा ने भवानीपुर विधानसभा से माकपा नेता श्रीजीब विश्वास को उम्मीदवार बनाया है। ममता बनर्जी की इस पारंपरिक सीट को टीएमसी विधायक सोवन्देब चट्टोपाध्याय ने खुद खाली कर दिया था।

वापस ली जौहर विवि की 70 हेक्टेयर भूमि

रामपुर, (एजेंसी)। सपा के दिग्गज नेता और यूपी सरकार में मंत्री रहे आजम खान द्वारा बनाई गई जौहर यूनिवर्सिटी की जमीन पर अब यूपी सरकार ने कब्जा वापस ले लिया है। यूपी सरकार द्वारा यूनिवर्सिटी की 70 हेक्टेयर जमीन वापस लेने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। ये तब हुआ है जब यूपी सरकार के एक्शन के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका खारिज कर दी गई। तहसीलदार प्रमोद कुमार के मुताबिक, हाईकोर्ट ने जमीन वापस लेने की प्रक्रिया से जुड़ी याचिका खारिज कर दी है, ऐसे में अब हम जमीन पर कब्जा ले रहे हैं। बता दें कि सपा सरकार में आजम खान ने रामपुर में मो. अली जौहर यूनिवर्सिटी का निर्माण किया। लेकिन उनके इस सपने को सत्ता परिवर्तन होते ही नजर लग गई।

घाटी में आतंकियों ने फिर दिखाए नापाक मंसूबे, श्रीनगर के चनापोरा में सुरक्षा बलों पर ग्रेनेड फेंका

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में आतंकी हमले की खबर सामने आई है. बताया जा रहा है कि आतंकियों ने चनापोरा में सुरक्षाबलों पर ग्रेनेड फेंका है. हमले की ये खबर ऐसे समय में सामने आई है जब अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे से जम्मू-कश्मीर पर भी इसका असर पड़ने की बात कही जा रही है. जानकारी के मुताबिक श्रीनगर के चनापोरा थाने के बाहर सुरक्षा बल के नाके पर ग्रेनेड हमला किया गया है. इस हमले में सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया है. इसके अलावा हमले में एक महिला के भी घायल होने की खबर है. जेके पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीमों ने इलाके की घेराबंदी कर ली है. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि चनापोरा में आतंकवादियों ने सीआरपीएफ बीएन 29 पर ग्रेनेड फेंका. इस घटना में सीआरपीएफ के एक जवान और एक नागरिक (महिला) को मामूली चोट आई हैं.

पहले भी हुआ था ग्रेनेड अटैक- इससे पहले अनंतनाग जिले के शेरबाग में एक पुलिस पोस्ट पर भी आतंकियों ने ग्रेनेड से हमला किया था. वहीं दूसरी ओर हाल ही में पाकिस्तान की एक बड़ी और नापाक साजिश का खुलासा हुआ है. एक खुफिया रिपोर्ट से मिली जानकारी के मुताबिक, पाकिस्तान कश्मीर में लोगों को अफगानिस्तान का वीडियो दिखाकर उन्हें भड़काने की साजिश कर रहा है. इतना ही नहीं, पाकिस्तान की हिमाकत देखिए कि वो कश्मीर को इस्लामिक स्टेट बता रहा है. खुफिया रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पाक कश्मीर के चुने हुए पंचायत के नुमाइंदों को इस्तीफा दिलाने के नापाक मंसूबों को भी अंजाम देने की फिराक में है.

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने नुमाइंदों को पंचायत से इस्तीफा न देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी है. इस धमकी से डरकर अभी तक एक सदस्य ने इस्तीफा दे दिया है. इस मामले को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गंभीरता से लिया है. मंत्रालय द्वारा ऐसी ताकतों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए गए हैं.

इकबाल सिंह ने संभाला राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष पद का कार्यभार, नकवी बोले- पीएम मोदी के संकल्प को बढ़ाएंगे आगे

नई दिल्ली ।। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा ने शुक्रवार को कार्यभार संभाल लिया. केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी और आयोग के वरिष्ठ पदाधिकारियों की मौजूदगी में लालपुरा ने कार्यभार ग्रहण किया. इस मौके पर नकवी ने उम्मीद जताई कि लालपुरा सम्मान के साथ सशक्तिकरण से जुड़े प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को आगे बढ़ाएंगे.

उन्होंने कहा, 'मोदी जी ने समाज के सभी वर्गों के सशक्तिकरण के लिए जो फैसले किए, उसका असर दिखाई दे रहा है. सरकार बनने के बाद 1984 के दंगों के पीड़ितों के न्याय के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया गया. पीड़ितों को पांच-पांच लाख रुपये की सहायता राशि दी गई. गुनाहगारों को सजा मिलना भी शुरू हुई.

उन्होंने बताया कि सरकार 'गुरुद्वारा सर्किट ट्रेन' आरंभ करने जा रही है जिसके तहत लोग महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों की यात्रा कर सकेंगे. लालपुरा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जो उन पर विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरने का वह पूरा प्रयास करेंगे. भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी लालपुरा सिख समुदाय से दूसरे ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें 1992 में अल्पसंख्यक आयोग को वैधानिक शक्ति मिलने के बाद अध्यक्ष बनाया गया है.

2003 में तरलोचन सिंह बने थे अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष

लालपुरा 1992 में अल्पसंख्यक आयोग को विधायी शक्ति मिलने के बाद से इसके अध्यक्ष बनने वाले वाले दूसरे सिख हैं. इससे पहले 2003 में तरलोचन सिंह अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष बने थे. ज्यादातर मुस्लिम समुदाय के व्यक्ति ही आयोग के अध्यक्ष रहे हैं. लालपुरा से पहले गैयुरूल हसन रिजवी आयोग के अध्यक्ष थे जिनका कार्यकाल पिछले साल मई में पूरा हो गया था.

आयोग की वेबसाइट के मुताबिक, फिलहाल आयोग में एकमात्र सदस्य आतिफ रशीद हैं जो उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे हैं. पांच सदस्यों के पद खाली हैं. आयोग में अध्यक्ष समेत कुल सात सदस्य होते हैं. पिछले महीने दिल्ली हाईकोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया था कि 30 सितंबर तक अल्पसंख्यक आयोग में सदस्यों के खाली पदों को भरा जाए.

नहीं थम रहा डेंगू का प्रसार, यूपी-मप्र में हालात खराब, रोज मिल रहे हैं औसतन सौ मरीज

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में आज भी कोरोना के प्रसार से जनता पीड़ित है। कोविड के आए दिन 40 हजार की चपेट हर रोज नए मामले आ रहे हैं। उस बीच देश के कई हिस्सों में डेंगू बुखार के कारण चिंता बढ़ गई है। यूपी में किसी संदिग्ध बुखार व डेंगू बुखार की चपेट में आकर 100 से ऊपर लोगों ने दम तोड़ दिया है। वहीं, आसपास के राज्यों में भी बुखार के काफी मामले अचानक से बढ़ गए हैं। इनमें मध्य प्रदेश भी एक है। इन बुखार में बच्चों व बड़े दोनों प्रभावित दिख रहे हैं। वहीं, अस्पतालों में बच्चों के बेड्स ज्यादातर भरे हुए हैं। नए मरीजों को इलाज के लिए जगह मिलने में परेशानी हो रही है।

यूपी के ब्रज क्षेत्र से यह बुखार शुरू हुआ अब राज्य के ज्यादातर जिलों में अपना रंग दिखा रहा है। मथुरा, फिरोजाबाद सहित कानपुर, लखनऊ और मेरठ की तरफ भी आए दिन कई मामले सामने आ रहे हैं, जिनसे अस्पताल भरे हुए हैं। बता दें उत्तर प्रदेश के लोगों को लम्बे समय तक भय के माहौल में रखने वाले कोरोना वायरस संक्रमण के बाद अब बारिश के मौसम में फैलने वाली बीमारी ने घेर लिया है। मेरठ में डेंगू के तेजी से मामले बढ़ रहे हैं। अब तक 52 मरीजों में बीमारी की पहचान की जा चुकी है।

वहीं, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के महानिदेशक डा. बलराम भार्गव ने गुरुवार को दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि उत्तर प्रदेश के फीरोजाबाद और मथुरा ही नहीं, आगरा जिले में भी डेंगू का प्रकोप है। तीनों जिलों में डेंगू का खतरनाक डी-2 स्ट्रेन पाया गया है। उन्होंने बताया कि अधिकांश मौतें डी-2 स्ट्रेन के कारण ही हुई हैं। वहीं, पूरे ब्रज में डेंगू का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। पिछले 24 घंटे में चार जिलों में 14 लोगों की मृत्यु हो गई। अब तक कुल 171 लोगों की जान जा चुकी है।

मध्य प्रदेश में हर रोज 100 मरीज

एक से आठ सितंबर के बीच प्रदेश में डेंगू बुखार के 788 मरीज मिले हैं। यानी रोज औसतन 100 मरीज मिल रहे हैं। सावधानी रखकर इस बीमारी से बच सकते हैं। डेंगू के वायरस से संक्रमित होने के बाद भी 95 फीसद मरीजों में बीमारी साधारण बुखार के बाद पांच से सात दिन में ठीक हो जाती है। डेंगू के चार तरह के वायरस होते हैं। पिछले साल तक हुई जांच में सभी तरह के वायरस प्रदेश में मिलने की पुष्टि हो चुकी है।

खतरा | तालिबान के आने से बढ़ सकते हैं 9/11 जैसे आतंकी हमले

यूके के जासूस प्रमुख ने किया आगाह

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार बनने के बाद से पूरी दुनिया पर फिर बड़े आतंकी हमलों का खतरा मंडराने लगा है।

20 साल बाद फिर अफगानिस्तान आतंकियों का मजबूत गढ़ बन सकता है। इसी कड़ी में अब यूके के जासूस प्रमुख ने बड़ा बयान दिया है। उनके मुताबिक पश्चिमी देशों में तालिबान के आने के बाद अलकायदा स्टाइल आतंकी हमले यानी 9/11 जैसे हमले बढ़ सकते हैं। वहीं जनरल कैन मेकलम ने बड़ी जानकारी देते हुए बताया कि असल में 9/11 के 20 साल बाद यूके में आतंकी हमले ज्यादा बढ़े हैं, सिर्फ फर्क इतना है कि अब छोटे स्तर पर ऐसे हमले हो रहे हैं। लेकिन चाकू,बंदूक के दम पर सतत कई मासूमों की जान ली जा रही है। अब यूके को तालिबान राज से भी डर लगने लगा है। अलर्ट सिर्फ पश्चिमी देशों के लिए जारी की गई है, लेकिन जैसी रणनीति तालिबान अपना रहा है, उसे देखते हुए पूरी दुनिया के सामने कई गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

अलकायदा आतंकी हमले का खतरा बढ़ा

एमआई 5 के डायरेक्टर जनरल कैन मेकलम ने कहा कि तालिबान के आने के बाद यूके को ज्यादा खतरा हो सकता है क्योंकि अब नाटो की सेना भी अफगानिस्तान से जा चुकी है और वहां पर अब कोई लोकतांत्रिक सरकार भी नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा है कि आतंकवादी खतरे रातों रात कभी नहीं बदलते हैं। ट्रेनिंग कैंप और उसके लिए इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा करने में पूरा समय लगता है।

ब्रिटेन की चिंता बढ़ी

कैन मेकलम के मुताबिक पिछले 10 सालों में कई मौकों पर यूके में ऐसे आतंकी हमले होते देखे गए हैं जहां पर आतंकी किसी ना किसी विचारधारा से प्रेरित होते हैं। ऐसे में उनकी माने तो सावधानी बरतने की जरूरत है क्योंकि एक बार फिर अलकायदा स्टाइल के आतंकी हमले होते दिख सकते हैं। जानकारी के लिए बता दें कि साल 2005 में ब्रिटेन में सबसे बड़ा आतंकी हमला हुआ था।

भारत की मुश्किलें बढ़ा सकता है तालिबान

ऑस्ट्रेलियाई रक्षामंत्री के साथ बातचीत में राजनाथ सिंह ने जताई चिंता

नई दिल्ली ■ एजेंसी

तालिबान का उभार भारत के लिए सुरक्षा के लिहाज से बहुत चिंता की बात है। भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियाई रक्षामंत्री पीटर दुतों से यह बात कही। राजनाथ सिंह ने कहा कि तालिबान की मदद से अफगानिस्तान में बेस बनाकर कई अन्य आतंकी संगठन क्षेत्र में शांति के लिए खतरा बन सकते हैं।

आधिकारिक सूत्रों ने इस बात का दावा किया है। रक्षामंत्री ने यह भी कहा कि अफगान क्षेत्र का इस्तेमाल किसी अन्य देश पर हमले या किसी को धमकाने के लिए नहीं होना चाहिए। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से गुहार लगाई कि वह सुनिश्चित करे कि अफगानिस्तान पर यूएन सिक्योरिटी काउंसिल रिजॉल्यूशन 2593 लागू हो।

जम्मू-कश्मीर के हालात पर भी हुई चर्चा: इस दौरान भारतीय डेलीगेशन ने इस बात पर भी चिंता जताई कि तालिबान की बढ़ती ताकत जम्मू-कश्मीर में हालात के लिए खतरा बन सकती है। इस बात की आशंका है कि अफगान की धरती से उठा तालिबानी आतंक का खतरा यहां तक पहुंच सकता है। इससे पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री मारिस पैने और रक्षा मंत्री दुतों तीन दिवसीय यात्रा पर शुक्रवार को यहां पर पहुंचे।

अफगानिस्तान में यूएप का काम करना हुआ मुश्किल, आफिस में तालिबानियों ने की लूटपाट और स्टाफ से मारपीट

संयुक्त राष्ट्र। अफगानिस्तान स्थित संयुक्त राष्ट्र कार्यालय में काम करने वाले अफगान नागरिकों को लगातार तालिबान की तरफ से धमकियां मिल रही है। इसकी जानकारी अफगानिस्तान के लिए नियुक्त संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत डेबोराह लियोंस ने सुरक्षा परिषद को दी है। उन्होंने बताया है कि 10 से 25 अगस्त के दौरान इस तरह की घटनाएं काफी बढ़ी हैं। लियोंस ने सुरक्षा परिषद को बताया कि यूएन के अफगान कर्मचारी बेहद मुश्किल हालातों में अपने काम को अंजाम देने में जुटे हैं। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र को अपने काम को अंजाम देने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। निजी तौर पर यदि कहा जाए तो वहां पर काम करने वाले अफगानियों के जीवन पर संकट है।

उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को बताया कि तालिबान के काबुल में आने से कुछ दिन पहले और कुछ दिनों के बाद हालातों में काफी बदलाव आया है। कर्मचारियों को धमकाने और उनके साथ अभद्रता करने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। तालिबान के कब्जे के बाद संयुक्त राष्ट्र कार्यालय में लूटपाट तक की गई और वहां मौजूद कर्मचारियों के साथ मारपीट तक की गई थी। उनका जान से मारने की धमकी दी गई। लियोंस ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र कर्मचारी स्वतंत्र रूप से कहीं भी आजा नहीं सकते हैं।

अमेरिका: ओहायो एयरफोर्स बेस पर लगाया गया लाकडाउन, शूटर के दाखिल होने की सूचना

ओहायो। अमेरिका के ओहायो स्थित राइट-पैटरसन एयर फोर्स बेस पर लाकडाउन लगा दिया गया है। एयरबेस के अनुसार, परिसर में एक हमलावर को लेकर रिपोर्ट सामने आई है, जिसकी जांच के लिए एयर फोर्स बेस को गुरुवार रात से लाकडाउन के तहत रखा गया है। बेस के प्रवक्ता स्टेसी गीगर ने कहा कि एक सक्रिय शूटर की रिपोर्ट आधी रात से कुछ समय पहले लगभग 9:25 बजे आई। गीगर ने कहा कि आपातकालीन स्थिति के लिए तैयारी चालू है। बताया गया कि एयरबेस पर अतिरिक्त सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है और स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।मामले पर मीडिया ब्रीफिंग की भी उम्मीद है। बता दें कि 88वें एयरबेस विंग ने रात करीब 10 बजे ट्वीट किया कि सुरक्षाकर्मी एक इमारत की तलाशी ले रही हैं। आपातकालीन दल भी राष्ट्रीय वायु और अंतरिक्ष खुफिया केंद्र में मिली रिपोर्टों की सतर्कता से जांच चल रही है।

एयरबेस ने एक अन्य ट्वीट में कहा, 'हमारे सभी सैन्य और असैन्य कर्मचारियों को स्थिति का तुरंत आकलन करने और उचित कार्रवाई करने के लिए बता दिया गया है।' बेस पर लाउडस्पीकरों पर लाकडाउन की घोषणा की गई है, जो ओहियो के डेटन के ठीक पूर्व में स्थित है। एयरबेस ने कहा कि यह अन्य जानकारी उपलब्ध होने पर अपडेट करेगा।

संयुक्त राष्ट्र से भारत का तालिबान को संदेश, कहा- जो वादे किए उनका सम्मान किया जाए

संयुक्त राष्ट्र। अफगानिस्तान के मौजूदा हालात को लेकर भारत ने एक बार फिर से चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने कहा है कि अफगानिस्तान की स्थिति अभी भी नाजुक बनी हुई है और एक पड़ोसी होने के नाते हमें अफगानिस्तान के मौजूदा हालातों को लेकर चिंता है। उन्होंने कहा, हमने पिछले महीने के दौरान अफगानिस्तान की स्थिति में बदलाव को देखा है। सुरक्षा परिषद ने अगस्त में तीन बार बैठक की और मौजूदा स्थिति पर सामूहिक रूप से चर्चा की। तिरुमूर्ति ने कहा कि जैसा कि पिछले महीने काबुल हवाई अड्डे पर हुए निंदनीय आतंकवादी हमले से देखा गया है कि आतंकवाद अफगानिस्तान के लिए एक गंभीर खतरा बना हुआ है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि इस संबंध में की गई प्रतिबद्धताओं का सम्मान किया जाए और उनका पालन हो।उन्होंने कहा कि अफगान बच्चों के सपनों को साकार करना और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करनी है। उन्होंने कहा कि हम तुरंत मानवीय सहायता प्रदान करने का आह्वान करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत अफगानिस्तान में एक ऐसी व्यवस्था का आह्वान करता है, जिसमें सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व है। एक ऐसी सरकार हो जिसे अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता और वैधता मिले।

अफगानिस्तान पर यूएन की चेतावनी:सामाजिक-आर्थिक व्यवस्थाएं पूरी तरह चरमरा सकती हैं; दुनिया से अपील- तालिबानी चिंताओं के बावजूद फंडिंग नहीं रोकें

संयुक्त राष्ट। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि अफगानिस्तान में सामाजिक व्यवस्थाएं और अर्थव्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतरने का खतरा बना हुआ है। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र की राजदूत देबोराह लेयॉन्स ने दुनिया से अपील की है कि तालिबान से जुड़ी चिंताओं के बावजूद अफगानिस्तान में पैसे का फ्लो बनाए रखें नहीं तो पहले से ही गरीब इस के हालात बेकाबू हो सकते हैं।

सरकारी संस्थानों के पास सैलेरी देने तक के पैसे नहीं

बता दें तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान के सेंट्रल बैंक की करीब 10 अरब डॉलर की संपत्तियां विदेशों में फ्रीज कर दी गई हैं। वहीं इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ने भी 44 करोड़ डॉलर का इमरजेंसी फंड ब्लॉक कर दिया है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि अफगानिस्तान इस वक्त करंसी की वैल्यू में गिरावट, खाने-पीने की चीजों, पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी इजाफा और प्राइवेट बैंकों में नकदी की कमी जैसे संकटों का सामना कर रहा है। यहां तक कि संस्थाओं के पास

सेंट्रल बैंक की 10 अरब डॉलर की संपत्तियां विदेशों में फ्रीज | IMF ने 44 करोड़ डॉलर का इमरजेंसी फंड ब्लॉक किया | सरकारी संस्थानों के पास वेतन देने के पैसे नहीं

स्टाफ का वेतन देने तक के पैसे नहीं हैं। इन हालातों में इकोनॉमी को चलाने के लिए कुछ महीने का वक्त दिया जाना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र की राजदूत लेयॉन्स ने कहा है कि तालिबान को ये साबित करने के लिए एक मौका देना चाहिए कि वो इस बार वाकई मानवाधिकारों की रक्षा और आतंकवाद विरोधी सोच के साथ काम सरकार चलाना चाहता है। लेयॉन्स ने ये भी कहा है कि अफगानिस्तान के लिए दिए जाने वाले फंड का दुरुपयोग नहीं हो, ये भी सुनिश्चित करना होगा।

विदेशों से मिलने वाली फंडिंग भी बंद

बता दें अफगानिस्तान सरकार को खर्च चलाने के लिए अमेरिका समेत दूसरे देशों से 75फीसदी से भी ज्यादा फंड मिलता था, लेकिन 20 साल बाद अमेरिका के अफगानिस्तान से अपनी सेना वापस बुलाने के फैसले के बाद फंडिंग की व्यवस्था चरमरा गई है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि मानवीय आधार पर आर्थिक मदद दे सकते हैं, लेकिन सीधे तौर पर कोई इकोनॉमिक सपोर्ट या सेंट्रल बैंक के असेट्स को डीफ्रीज करने का फैसला तालिबान के रवैए पर निर्भर होगा। संयुक्त राष्ट्र ने पिछले हफ्ते चेतावनी दी थी कि अफगानिस्तान में एक महीने के अंदर खाने का संकट पैदा हो सकता है।

जो बाइडेन और शी जिनपिंग के बीच बातचीत

7 महीने में पहली बार दोनों नेताओं ने फोन पर की चर्चा, कॉम्पटीशन को संघर्ष में बदलने से रोकने पर सहमति बनी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सात महीने में पहली बार चीनी प्रेसिडेंट शी जिनपिंग से बातचीत की। व्हाइट हाउस की ओर से बताया गया कि दोनों देशों के बीच का कॉन्पटीशन संघर्ष में न बदले, इसे लेकर चर्चा हुई। भविष्य में ऐसी कोई स्थिति न पैदा हो कि यूएस और चीन के बीच अनचाहा संघर्ष शुरू हो, इसे लेकर भी बातें हुईं। चीनी मीडिया के मुताबिक, जिनपिंग ने बाइडेन से बातचीत में बताया कि उनकी नीतियों के चलते चीन के सामने किस तरह की मुश्किलें खड़ी हुई हैं। व्हाइट हाउस की ओर से जारी बयान के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच व्यापक तौर पर रणनीतिक चर्चा हुई। इस दौरान उन मसलों पर बातचीत हुई, जहां दोनों देशों के हित टकरा रहे हैं। ऐसे मामलों का हल निकालने की कोशिश की गई। हालांकि, इस

दौरान कोई अहम फैसला नहीं हुआ। बयान में कहा गया कि यह बातचीत अमेरिका और चीन के बीच प्रतिस्पर्धा में जिम्मेदारी लाने के प्रयास का हिस्सा है।

दोनों देशों के रिश्ते को पटरी पर लाने की कोशिश

व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि इस फोन कॉल का लक्ष्य दोनों देशों के बीच एक पटरी तैयार करना था, ताकि रिश्ते में जिम्मेदारी लाई जा सके। यह बातचीत ऐसे वक्त में हुई है, जब चीन की ओर से किए जा रहे साइबर सुरक्षा उल्लंघन, कोरोना वायरस महामारी से निपटने के तरीके से अमेरिका नाराज बताया जाता है। हाल ही में व्हाइट हाउस ने चीनी व्यापार नियमों को जबरदस्ती थोपने वाला और गलत करार दिया था।

बतौर राष्ट्रपति बाइडेन की जिनपिंग से दूसरी बार बातचीत

मालूम हो कि राष्ट्रपति बनने के बाद बाइडेन ने जिनपिंग से दूसरी बार बातचीत हुई है। इससे पहले उन्होंने फरवरी में चीनी राष्ट्रपति को कॉल किया था, उस वक्त दोनों नेताओं के बीच 2 घंटे तक बातें हुई थीं। इस बीच नीचले स्तर पर अब तक यूएस और चीन के बीच बातचीत की जो कोशिशें हुईं, उनके रिजल्ट पॉजिटिव नहीं रहे। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में चीन से अमेरिका के रिश्ते बहुत अच्छे नहीं रहे।

चीन की सरकार अपने की लोगों की निजी जीवन शैली को बदलने पर तुली, कई तरह की होंगी पाबंदियां

बीजिंग। चीन अब अपने नागरिकों के निजी जीवन में भी दखल देने की कवायद कर रहा है। इस कवायद को उसने बेहतर जीवनशैली का नाम दिया है। इसके जरिए चीन की कम्यूनिस्ट पार्टी लोगों को खासतौर पर छात्रों को ये बता रही है कि वो लोगों से किस तरह से पेश आएं और कैसे उनसे बात करें। साथ ही अपने जीवन को वो कैसे जीएं। सरकार की तरफ से बताए जा रहे इन नियम कायदों में कम्यूनिस्ट पार्टी आफ चाइना ये भी बता रही है कि बच्चे कितनी देर तक वीडियो गेम्स खेल सकते हैं। साथ ही स्कूल के बाद छात्र कैसे, कब और कहां क्लासेस ले सकते हैं। सीएनएन की खबर के हवाले से एएनआइ ने बताया है कि सरकार की तरफ से ये भी बताया जा रहा है कि किस व्यक्ति को टीवी पर क्या देखना चाहिए और उसको किस तरह का दिखना चाहिए। इतना ही नहीं वो अपने पसंदीदा सेलिब्रिटी या अपने आदर्श माने जाने वाले व्यक्ति की किस तरह की एक्टिविटी में हिस्सा ले सकते हैं, ये सब कुछ अब सरकार लोगों को सिखाने में लगी है।

यूनिवर्सिटी आफ शिकागो के राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर डली यांग का कहना है कि सरकार इसके जरिए मनोरंजन पर भी लगाम लगाने की कोशिश कर रही है। इसका अर्थ ये भी है कि अब लोगों पास विकल्प काफी कम होंगे। बच्चों के लिए वीडियो गेम्स के समय की सीमा तय होने से उन्हें इसके लिए कम समय मिलेगा। इतना ही नहीं सरकार टीवी और मनोरंजन प्रोग्राम में भी सिलेब्स के प्रदर्शन पर लगाम लगाना चाहती है। इसकी वजह से सरकार की आलोचना भी हो रही है। जानाकारों का कहना है कि चीन की कम्यूनिस्ट पार्टी का लोगों के निजी जीवन में दखल देना एक पुरानी परंपरा रही है।

काबुल से 200 लोग एयरलिफ्ट कर दोहा पहुंचाए गए, काबुल एयरपोर्ट पर तालिबानी कब्जे के बाद पहली अंतरराष्ट्रीय उड़ान

कतर। काबुल एयरपोर्ट से अमेरिकी सैनिकों के हटने और तालिबान के कब्जे के बाद पहली इंटरनेशनल फ्लाइट ने उड़ान भरी। कतर एयरवेज की इस फ्लाइट से 200 लोगों को कतर की राजधानी दोहा पहुंचाया गया। इन लोगों में अमेरिकी भी शामिल थे। बता दें 31 अगस्त को अमेरिका ने काबुल एयरपोर्ट तालिबान के हवाले कर दिया था। इसके बाद काबुल एयरपोर्ट से उड़ानों पर रोक लगा दी गई थी, लेकिन अब फिर से शुरू कर दी गई हैं।

तालिबानी सोच- महिलाओं का काम सिर्फ बच्चे पैदा करना, वे मंत्री नहीं बन सकतीं:अफगानिस्तान में अपने अधिकारों और नई सरकार में अपनी भागीदारी के लिए तालिबान से लड़ रहीं महिलाओं का प्रदर्शन तेज हो गया है। महिलाओं का प्रदर्शन काबुल से बढ़कर उत्तर-पूर्वी प्रांत बदख्शां पहुंच गया है। वहां भी कई अफगानिस्तान की सभी महिलाओं का प्रतिनिधित्व नहीं

महिलाओं के हकों पर तालिबानी सोच भारी

महिलाएं सड़कों पर उतर आई हैं। इस बीच तालिबान ने महिलाओं को लेकर बेतुका बयान दिया है। तालिबानी प्रवक्ता सैयद जकीरूल्लाह हाशमी ने कहा- 'एक महिला मंत्री नहीं बन सकती है। महिलाओं के लिए कैबिनेट में होना जरूरी नहीं है। उन्हें बच्चे पैदा करना चाहिए। उनका यही काम है। महिला प्रदर्शनकारी कर रही हैं।' तालिबान ने पंजशीर की राजधानी बाजारख में उत्पात मचाते हुए अफगानिस्तान के हीरो अहमद शाह मसूद के मकबरे में तोड़फोड़ कर दी। बता दें गुरुवार को ही मसूद की 20वीं बरसी थी। अमेरिका में 9/11 हमले के ठीक दो दिन पहले यानी 9 सितंबर 2001 को अलकायदा ने मसूद की हत्या की थी।

नॉर्थ कोरिया में मिलिट्री परेड:आधी रात को देश की स्थापना दिवस परेड हुई

लंबे वक्त बाद तानाशाह किम जोंग भी नजर आए

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया में दरमियानी रात स्थापना दिवस परेड हुई। तानाशाह किम जोंग भी इसमें शामिल हुए। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, हर साल आयोजित की जाने वाली इस परेड को 'पैरामिलिट्री एंड पब्लिक सिक्योरिटी' परेड कहा जाता है।

राजधानी में आयोजन

परेड का आयोजन राजधानी प्योंगयांग में में किया गया। किम की मौजूदगी में फाइटर जेट्स करतब दिखाते नजर आए। किम एक बालकनी से लोगों का अभिवादन करते दिखे। सैनिकों ने मार्च पास्ट किया। डॉग स्क्वॉड भी परेड का हिस्सा बनी। दो साल पहले तक इस परेड में भारी और खतरनाक हथियार देखे जाते रहे, लेकिन पिछले और इस साल ऐसा नहीं हुआ। इस साल की यह तीसरी परेड थी। सरकारी टीवी चैनलों पर इसका लाइव

टेलिकास्ट हुआ।

नॉर्थ कोरिया के एटमी प्रोग्राम को लेकर दुनिया के कई देश परेशान हैं। अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र ने उस पर सख्त प्रतिबंध लगाए हैं। पिछले साल अक्टूबर में एक परेड के दौरान बैलेस्टिक मिसाइल के प्रोटोटाइप भी नजर आए थे। जनवरी में भी इसी तरह की एक परेड आयोजित की गई थी। खास बात यह है कि यह परेड जो बाइडेन के शपथ ग्रहण के कुछ दिन पहले आयोजित की गई थी। इसके मायने ये निकाले गए कि ट्रम्प के बाद किम बाइडेन को भी अपनी ताकत दिखाना चाहते हैं। गुरुवार को निकाली गई परेड स्थापना दिवस की 73वीं परेड थी।

अफगान मसले पर यूएस एक्टिव:नई दिल्ली से इस्लामाबाद पहुंचे सीआईए डायरेक्टर बर्न्स, पाक आर्मी चीफ और आईएसआई सुप्रीमो से लंबी मुलाकात

इस्लामाबाद। अमेरिका की सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी के डायरेक्टर विलियम बर्न्स इस्लामाबाद पहुंचे। यहां उन्होंने पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा और खुफिया एजेंसी ISI के डायरेक्टर लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद से लंबी बातचीत की। इस मामले में दो बातें गौर करने लायक हैं। पहली- बर्न्स ने इमरान के करीबी और पाकिस्तान के NSA मोईद यूसुफ से मुलाकात नहीं की। दूसरी- बर्न्स सीक्रेट विजिट पर नई दिल्ली में थे। यहां से वे सीधे इस्लामाबाद पहुंचे।

पाकिस्तानी सेना ने खुद जानकारी दी

भारत यात्रा के दौरान बर्न्स ने हमारे एनएसए अजीत डोभाल के साथ लंबी बातचीत की थी। बुधवार को रूस के एनएसए भी दिल्ली में ही थे। डोभाल और रूसी

पाकिस्तान के NSA मोईद यूसुफ से मुलाकात नहीं | इमरान के किसी मंत्री से भी बर्न्स की बातचीत नहीं | पिछले दिनों काबुल में मुल्ला बरादर से सीक्रेट मीटिंग

एनएसए के बीच मुलाकात की तस्वीरें सामने आईं, लेकिन बर्न्स का दौरा गुप्त रखने की कोशिश हुई। बर्न्स जब पाकिस्तान पहुंचे तो पाकिस्तान सेना के मीडिया विंग ने खुद बयान के जरिए जानकारी साझा की। इसमें कहा गया- सीआईए डायरेक्टर ने बाजवा और हमीद से अफगानिस्तान में अमन बहाली और नई सरकार को लेकर बातचीत की। इस दौरान पाकिस्तान की भूमिका को सराहा गया। अमेरिका और ब्रिटेन समेत कई देशों में पाकिस्तान की अफगानिस्तान में भूमिका पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। लंदन, वॉशिंगटन और काबुल में पाकिस्तान के खिलाफ कई दिन से विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं।

मुल्ला बरादर से भी मिले थे बर्न्स

पाकिस्तान के अखबार 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' के मुताबिक, सीआईए डायरेक्टर कुछ दिन पहले अचानक काबुल पहुंचे थे और उन्होंने वहां तालिबान के नंबर दो नेता मुल्ला अब्दुल गनी बरादर से सीक्रेट मीटिंग की थी। तालिबान के अफगानिस्तान की हुकूमत पर कब्जे के बाद किसी टॉप अमेरिकी अफसर की काबुल की यह पहली यात्रा थी।

सरकार से दूरी

दो महीने से यह देखा जा रहा है कि अमेरिकी एडमिनिस्ट्रेशन और इंटेलिजेंस अफसर पाकिस्तान की सेना और आईएसआई से ही संपर्क कर रहे हैं। पिछले दिनों डिफेंस सेक्रेटरी लॉयड ऑस्टिन और सेक्रेटरी ऑफ स्टेट एंटनी ब्लिंकन ने भी बाजवा और हमीद से ही फोन पर बातचीत की थी। पाकिस्तान के एनएसए को भी इसमें शामिल नहीं किया गया था। अमेरिका इमरान खान सरकार के किसी मंत्री से भी बातचीत नहीं कर रहा।

इसकी बड़ी वजह यह है कि पाकिस्तान में फौज और आईएसआई ही पर्दे के पीछे से सरकार चलाते हैं। जो बाइडेन दुनिया के ज्यादातर बड़े नेताओं से फोन पर बातचीत कर चुके हैं, लेकिन इमरान खान को उन्होंने अब तक फोन नहीं किया।

दुनिया के 37 बेहतरीन शहरों की सूची जारी

खान-पान, संस्कृति और अच्छी नाइटलाइफ के मामले में सैन फ्रांसिस्को दुनिया का सबसे अच्छा शहर, न्यूयॉर्क 5वें पर, भारत का एक भी शहर नहीं

वाशिंगटन। लाल रंग के पुलों, अपनी ओर खींचने वाले रेस्तरां और टेक इंडस्ट्री के लिए विख्यात अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को के ताज में एक और नगीना जड़ गया है। इसे खान-पान, संस्कृति और अच्छी नाइटलाइफ के मामले में दुनिया का सबसे अच्छा शहर माना गया है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थान टाइम आउट की सूची में इसे पहला स्थान मिला है। उसके बाद नीदरलैंड्स की राजधानी एम्सटर्डम है।

कोरोना काल में सामुदायिक भावना, शहरी माहौल, पर्यावरण और लोगों से दोस्ताना व्यवहार जैसे मानकों पर 27 हजार लोगों से राय लेने के बाद यह सूची तैयार की गई है। सूची में भारत का एक भी शहर नहीं है। संस्थान के मुताबिक प्रगतिशीलता, स्वीकार्यता और स्थिरता के बेजोड़ मेल के चलते सैन फ्रांसिस्को का दूसरा कोई शहर मुकाबला नहीं कर सका।

राय देने वाले 73फीसदी ने कहा कि यहां महामारी में सख्त लॉकडाउन और उसके बाद उठाए गए कदमों को नागरिकों ने लागू करने में पूरी तरह साथ दिया। खूबसूरती से तैयार किए गए पार्कलेट इस शहर को किसी विशाल स्ट्रीट पार्टी स्थल में बदल देते हैं। दूसरे नंबर पर मौजूद एम्सटर्डम का 27फीसदी क्षेत्र हराभरा है। इससे पर्यटक खिंचे चले

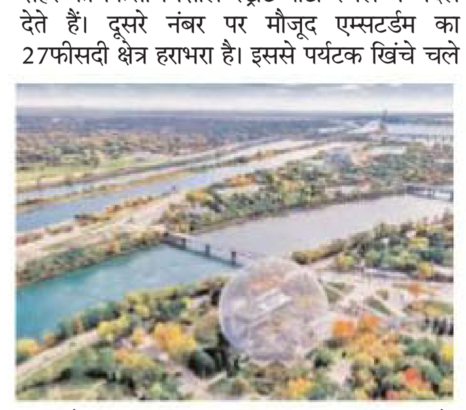

आते हैं। यहां के लोग आधुनिक, पर्यावरणप्रेमी हैं। तीसरे नंबर के मैनचेस्टर को 71फीसदी लोग रचनात्मक मानते हैं। कोपेनहेगन को सर्वे में शामिल 66त्न लोगों ने आरामदायक बताया। टोक्यो को 82त्न लोग नई चीजों की खोज करने वाला मानते हैं। स्वच्छता के साथ शहर के हर कोने में देश की कला झलकती है।

स्कूल खुलने के साथ ही अमेरिका में ढाई लाख से ज्यादा बच्चे हुए कोरोना पॉजिटिव

वाशिंगटन। अमेरिका में स्कूलों के खुलने के साथ ही बच्चों में कोरोना संक्रमण में तेजी से उछाल आया है। अमेरिका में कोरोना पॉजिटिव बच्चों का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले सप्ताह करीब ढाई लाख से ज्यादा बच्चे कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। कोरोना के ये आंकड़े बेहद डराने वाले हैं। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स एंड द चिल्ड्रन हॉस्पिटल एसोसिएशन की ताजा वीकली रिपोर्ट में बताया गया कि बच्चों में पिछले हफ्ते सबसे ज्यादा कोरोना महामारी का असर देखा गया है।इस रिपोर्ट के अनुसार पिछले हफ्ते करीब 252,000 बच्चे कोरोना संक्रमित पाए गए। अगर बात की जाए तो जब से कोरोना महामारी आई है तब से अब तक 50 लाख से ज्यादा बच्चे कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। अगर केवल पिछले महीने की बात की जाए तो 750,000 से भी ज्यादा बच्चों में कोरोना संक्रमण देखा गया है। कोरोना का ये साप्ताहिक आंकड़ा अब जून की तुलना में लगभग 300 गुना अधिक है, जब एक सप्ताह की अवधि में सिर्फ 8,400 बच्चे ही कोरोना संक्रमित पाए गए थे।

बता दें कि अमेरिका में कोरोना संक्रमण के चलते वहां के हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। बच्चों के अलावा अन्य आयु वर्ग के लोगों में यह संक्रमण तेजी से फैल रहा है। द न्यूयार्क टाइम्स की रिपोर्ट के

मुताबिक अमेरिका में बीते दिन सात सितंबर को एक दिन में कोरोना के 152,393 मामले दर्ज किए गए जबकि महामारी से 1,499 लोगों की मौत हो गई। वहीं, जोंस हापकिंस यूनिवर्सिटी के अनुसार अमेरिका में रोजाना आने वाले मरीजों का सात दिन का औसत सोमवार को 137270 था। इसी समय पिछले साल यह औसत संख्या 39000 थी। इस तरह पिछले साल की तुलना में रोजाना का औसत तीन गुना ज्यादा हो गया है। अमेरिका में अब तक 53 फीसद लोग वैक्सीन लगवा चुके हैं। इनमें से 62 फीसद लोगों को वैक्सीन की एक खुराक ही लग पाई है।

मनीष सिसोदिया ने राज्य कौशल प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित,कहा

विजेताओं को हर तरह की मदद देगी सरकार

प्रफुल्ल राय(शिवालिक)

नई दिल्ली । केजरीवाल सरकार शंघाई वर्ल्ड स्किल्स में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी प्रतिभागियों को विश्वस्तरीय ट्रेनिंग दिलाएगी। चाहे वो प्रतिभागी किसी भी राज्य का रहने वाला हो। अगर वो नेशनल लेवल पर आयोजित होने वाली इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता में जीत दर्ज करता है तो उसे केजरीवाल सरकार ट्रेनिंग दिलाएगी ताकि वो 2022 में शंघाई में आयोजित होने वाली वर्ल्ड स्किल प्रतियोगिता में जीत दर्ज करे और देश का नाम रौशन कर सके। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को दिल्ली स्किल एंड एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी डीएसईयू द्वारा दिल्ली में पहली बार आयोजित राज्य कौशल प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते हुए ये बातें कहीं। राज्य स्तर पर विजेता प्रतिभागी इसके बाद रिजनल लेवल फिर नेशनल लेवल की स्किल प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। नेशनल में जीतने वाले प्रतिभागी 2022 में शंघाई में

आयोजित होने वाली वर्ल्ड स्किल प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इस अवसर पर

शंघाई वर्ल्ड स्किल्स 2022 में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी प्रतिभागियों को दिलाएगी विश्वस्तरीय ट्रेनिंग : मनीष सिसोदिया

अलग स्किल श्रेणियों में 55 विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इन

उपमुख्यमंत्री ने सभी विजेताओं से संवाद किया और उन्हें आगे की प्रतियोगिताओं के लिए हर तरह की मदद देने का भरोसा दिलाया। वर्ल्ड स्किल्स कम्पटीशन के लिए पहली बार दिल्ली में आयोजित राज्य कौशल प्रतियोगिता में 30 अलग- प्रतियोगिताओं में 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया था। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जीते सभी प्रतिभागियों को रीजनल, नेशनल और इंटरनेशनल कंपटीशन के लिए जो भी ट्रेनिंग चाहिए केजरीवाल सरकार कराएगी। साथ ही जो प्रतिभागी शंघाई में हिस्सा लेने जाएंगे उनको भी विश्वस्तरीय ट्रेनिंग कराएगी। चाहे वो किसी भी राज्य के हों। हम भारत को शंघाई में जीतते हुए देखना चाहते हैं।

हम दिल्ली सरकार के हैं आभारी : नेहारिका वोहरा

दिल्ली स्किल एंड एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी की वाईस चांसलर प्रो.नेहारिका वोहरा ने कहा, हम दिल्ली सरकार के आभारी हैं कि उन्होंने हमें पहली बार वर्ल्ड स्किल्स के लिए दिल्ली राज्य कौशल प्रतियोगिताएं को आयोजित करने का अवसर दिया। इन प्रतियोगिताओं और युवाओं की प्रतिभा को देखना हमारे लिए उत्साहजनक था। मुझे खुशी है कि युवा कौशल के महत्व को समझते हैं और आगे के उज्वल भविष्य के लिए उन्हें विकसित करने का प्रयास करते हैं। हम अगले साल कौशल के और भी बड़े उत्सव का की आयोजन करने की योजना बना रहे हैं और प्रतियोगिताएं के लिए श्रेणियों में विस्तार करेंगे। दिल्ली विधानसभा की शिक्षा समिति की अध्यक्ष और कालकाजी विधायक आतिशी ने कहा की पिछली बार 2018 में इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, जिसमें 20 राज्यों ने कई कौशल में भाग लिया था। हालांकि, दुर्भाग्य से, दिल्ली ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन नहीं किया। इस वर्ष, हमने पहली राज्य प्रतियोगिताओं के संचालन की पहल की है। मेरा मानना है कि पहला कदम उठाना सबसे बड़ी चुनौती थी। मुझे खुशी है कि हमने छात्रों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया।

दिल्ली सरकार करेगी गणेश पूजा, सीएम केजरीवाल बोले- घरों में रहकर करें आराधना, शंकर महादेवन देंगे प्रस्तुति

नई दिल्ली। गणेशोत्सव की धूम के बीच आज दिल्ली सरकार भी भगवान गणेश की पूजा करेगी. मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज इसका बाकायदा ऐलान किया. उन्होंने इसे देशभक्ति के साथ जोड़ते हुए लोगों को गणेश चतुर्थी का महत्व और उसे मनाए जाने के इतिहास के बारे में बताया. महाराष्ट्र में बाल गंगाधर तिलक द्वारा गणेश चतुर्थी मनाने की शुरुआत की कहानी बताते हुए सीएम केजरीवाल ने बताया कि देशभक्ति और आध्यात्मकिता का पाठ हमें अपने बच्चों को पढ़ाना चाहिए. इसी कारण आज दिल्ली सरकार गणेश पूजन का भव्य आयोजन करने जा रही है. दिल्ली में रहने वाले लोग शाम 7 बजे इसे टीवी पर लाइव देख सकेंगे.

केजरीवाल ने कहा कि किसी भी काम को शुरू करने से पहले भगवान गणेश की पूजा करने की परंपरा है. आज हम अपने घरों में भगवान श्रीगणेश की पूजा-अर्चना कर रहे हैं. सीएम ने कहा कि मेरी अपील है आप अपने बच्चों को भारत में गणेश चतुर्थी के गौरव भरे इतिहास के बारे में जरूर बताएं. बाल गंगाधर तिलक ने पुणे में पहली बार ब्रिटिश काल में सार्वजनिक जगह पर गणेश उत्सव मनाया था. उनकी यह कोशिश एक आंदोलन बनी और स्वतंत्रता आंदोलन में गणेश उत्सव ने लोगों को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई. इस आयोजन ने लोगों में देशभक्ति जगाने का काम किया. हम सभी को अपने बच्चों में आध्यात्मिकता और देशभक्ति की भावना डालनी चाहिए.

सीएम केजरीवाल ने कहा कि कोरोना के खिलाफ देश इस वक्त सदी की सबसे बड़ी लड़ाई लड़ रहा है. हम यह गणेश पूजन कार्यक्रम करा रहे हैं, ताकि लोग घर बैठे ही टीवी के माध्यम से अपने परिवार के साथ इस पूजन में जुड़कर भगवान श्री गणेश की वंदना कर सकें. उन्होंने बताया कि शाम 7 बजे से यह कार्यक्रम सभी चैनलों पर लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा. आप पूरे परिवार खासकर के बच्चों के साथ इस कार्यक्रम में जुड़ें.

शंकर महादेवन और सुरेश वाडेकर भी होंगे

गणेश पूजन के बारे में जानकारी देने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे सीएम केजरीवाल ने बताया कि जाने-माने संगीतकार और गायक शंकर महादेवन और सुरेश वाडेकर भी दिल्ली सरकार के इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे. दिल्ली के सभी दो करोड़ लोग मिलकर एक साथ भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना करेंगे. मुख्यमंत्री केजरीवाल ने यह भी कहा कि जब देश के सभी लोग एक साथ मिलकर गणेश वंदना करेंगे, तो जल्द ही गणपति सारे विघ्न भी हर लेंगे.

संक्षिप्त खबर

उत्तरी निगम ने ई-कचरे के निपटान के लिए ई-कचरा प्रबंधन वेब एप्लिकेशन का किया शुभारंभ

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली नगर निगम के आयुक्त संजय गोयल ने बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने ई-कचरे के प्रबंधन के लिए वेब एप्लिकेशन का शुभारंभ किया है। जो उत्तरी दिल्ली नगर निगम की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयुक्त संजय गोयल ने बताया कि यह एप्लिकेशन नागरिकों और विक्रेताओं को उत्तरी दिल्ली नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में ई-कचरे के संग्रह, परिवहन, प्रसंस्करण और निपटान की सुविधा प्रदान करेगी। अब कोई भी नागरिक उत्तरी दिल्ली नगर निगम की इस ई-अपशिष्ट प्रबंधन वेब एप्लिकेशन के माध्यम से विभिन्न पुराने, अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का सीधे ऑनलाइन निपटान कर सकता है। इस एप्लिकेशन में नागरिकों के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध हैं जैसे की विक्रेताओं का चयन, विभिन्न वस्तुओं के लिए मूल्य विनिर्देश, विक्रेता द्वारा निरीक्षण का समय निर्धारण, नागरिकों को ई-कचरे का भुगतान जो ई-कचरे को बेचने के इच्छुक हैं। आयुक्त संजय गोयल ने बताया कि ई-कचरे में अत्यधिक जहरीले पदार्थों के जटिल संयोजन होते हैं जो स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए खतरा पैदा करते हैं।

पूर्वी निगम में भ्रष्टाचार चरम पर : मनोज

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली नगर निगम के नेता विपक्ष मनोज कुमार त्यागी ने पूर्वी निगम में भ्रष्टाचार होने का अरोप लगाया है। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्वी निगम में भ्रष्टाचार की हवा सी बह चली है जिसमें नए-नए भ्रष्टाचार निकलकर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार की फेहरिस्त में पूर्वी निगम का क्वालिटी कंट्रोल विभाग भी शामिल है। नेता विपक्ष ने कहा कि निगम पॉलिसी के अनुसार सेवानिवृत अधिकारी से निगम में अनुबंध के आधार पर सेवाएं ली जाती हैं तो उन्हें किसी विशेष योजना में सलाहकार के पद पर नियुक्ति की जाती है। परन्तु, अनुबंध आधार पर निगम में कार्यरत् सहायक अभियन्ता ए एच खान की सेवा निवृत्ति के बाद पुनः क्वालिटी कंट्रोल विभाग जैसे संवेदनशील विभाग में लगाया गया है जहां सड़कों, भवनों एवं गलियों के निर्माण के क्वालिटी की जांच की जिम्मेदारी होती है। ऐसे संवेदनशील विभाग में ए.एच.खान की ड्यूटी लगाई गई है जिसमें आम नागरिकों की सुरक्षा से जुड़ा मामला होता है अगर कोई भवन खराब सामग्री की वजह से गिरती है जिसमें जानमाल का काफी नुकसन होता है ऐसे संवेदनशील विभाग में ए एच खान को क्वालिटी कंट्रोल विभाग में तैनाती पूर्वी दिल्ली की जनता के साथ खिलवाड़ के समान है।

बर्नार्ड वैन लीर फाउंडेशन ने साफ हवा के महत्व पर सम्मेलन का आयोजन किया

नई दिल्ली। शुरुआती बचपन में विकास की दिशा में काम करने वाले स्वतंत्र फाउंडेशन, बर्नार्ड वैन लीर फाउंडेशन ने साफ हवा के महत्व पर एक सम्मेलन का आयोजन किया ताकि शुरुआती बचपन के स्वस्थ विकास का समर्थन किया जा सके। भारत में यह आयोजन फाउंडेशन के अर्बन 95 ग्लोबल कनवेनिंग का विस्तार था। इसमें भिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले लोग एकजुट होते हैं जो शुरुआती बचपन और उसके बाद के क्षेत्र में काम करने वाले होते हैं ताकि नए कनेक्शन बनाए जा सकें और व्यावहारिक आईडिया तैयार किए जा सकें। अर्बन 95 ग्लोबल कनवेनिंग के भारत के सत्रों का आयोजन क्लीन एयर फंड और वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट इंडिया के साथ मिलकर किया गया।

अब बर्थडे, एनिवर्सरी और खास दिनों में मिलेगी दिल्ली पुलिसकर्मियों को छुट्टी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की तरफ से रेलवे डिपार्टमेंट में जो पुलिस पर्सनल को उनके जन्मदिन और परिवार में पत्नी और बच्चों के जन्मदिन पर अवकाश देने की पहल की गई है. डीसीपी रेलवे ने उनके बर्थडे, पत्नी के बर्थडे या कोई ऐसा दिन जो पुलिस पर्सनल के इमोशनल जुड़ाव से संबंध रखता हो, उस दिन उन्हें छुट्टी देंगे. इस पहल की तारीफ दिल्ली पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना ने की है. उन्होंने इस कदम को एक उदाहरण बताया है. उन्होंने कहा कि पुलिस पर्सनल भी इंसान हैं, ऐसे दिन उन्हें छुट्टी मिले, थोड़ा रिलीफ मिले ताकि वो खुश रहें और इससे उनका काम और बेहतरीन होगा.

दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने लेटर लिखकर ये उदाहरण दिया है. जिससे साफ है अब दिल्ली पुलिस की हर यूनिट्स में पुलिस पर्सनल्स को ये फायदा होगा. साथ ही दिल्ली पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना इस और ध्यान दे रहे हैं कि ओपन हाउस खोलकर जो पुलिसकर्मी किसी भी रैंक का हो अपनी परेशानी उनसे शेयर कर सकता है.

एडिशनल डीसीपी रैंक के अधिकारी करीब 20 रोज कमिश्नर से मिल रहे है. एक बेहतर सिस्टम दिल्ली पुलिस में बनाया जा रहा है. पुलिस कमिश्नर के दफ्तर की टीम रोमिल बानिया और केपीएस मल्होत्रा इसमें अहम योगदान निभा रहे है. इस पहल का मकसद है पुलिसकमियों के इमोशनल दिन जैसे जन्मदिन, परिवार का जन्मदिन या कोई ऐसा दिन जो उनके दिल के करीब हो उन्हें कन्सर्न डीसीपी छुट्टी दें. इससे पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ेगा. जब वो खुश रहेंगे तो काम अपने आपमे बेहतर होगा.

आपकी समस्याओं को सुनने और उसे जानने के लिए आपके बीच पहुंचेंगे एनडीएमसी के अधिकारी

नई दिल्ली । नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) में वाइस चेयरमैन समेत चार गैर आधिकारिक सदस्यों की नियुक्ति के बाद इसे अब सक्रिय करने के प्रयास शुरू हो गए हैं। कोरोना के बाद उत्पन्न स्थिति के बीच लोगों की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए अधिकारी खुद लोगों के बीच जाएंगे। इसके लिए लोगों की समस्याओं को सुना जाएगा और वहीं पर उनका समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए चरणबद्ध तरीके से एनडीएमसी के नागरिकों की जन सुनवाई होगी। साथ ही केंद्र सरकार की ओर से विभिन्न वर्गो के लोगों के लिए शुरू की गई योजनाओं के प्रति भी लोगों को जागरूक किया जाएगा। एनडीएमसी की कोशिश होगी कि विभिन्न योजनाओं के लिए जो भी पात्र लोग हैं उन्हें उनका लाभ दिलाया जाए।दरअसल, कोरोना के बाद स्थिति बदली है। अब लोग अपनी शिकायतों के लिए दफ्तर आने से बच रहे हैं। वे ई-मेल पत्रों के माध्यम से शिकायतें कर रहे हैं। इसमें लोगों की समस्याएं काफी समय से लंबित है। ऐसे में उनकी समस्याओं के समाधान के लिए एनडीएमसी के अधिकारियों को कालोनी स्तर पर भेजने की सुविधाएं हैं, जहां पर सप्ताह में एक दिन एनडीएमसी के विभिन्न विभागों के अधिकारी जन सुनवाई करेंगे। इनमें जो भी समस्याएं सामने आएंगी उनका वहीं निदान करने का प्रयास किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि लोगों की शिकायत थी कि उनकी समस्याओं का निदान नहीं हो पा रहा है। इसको लेकर एक याचिका भी हाई कोर्ट में दाखिल हुई थी। याचिकाकर्ता गंगाराम एवं पवन थपलियाल ने चार गैर आधिकारिक सदस्यों की नियुक्ति न होने को लेकर कहा था कि एनडीएमसी की ओर से कार्य निष्पादित न होने को लेकर वे दुखी हैं। इस याचिका की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केंद्र व दिल्ली सरकार से जवाब मांगा था। इसके बाद ही केंद्रीय गृहमंत्रालय ने वाइस चेयरमैन के रूप में सतीश उपाध्याय, सदस्य कुलजीत चहल, गिरीश सचदेवा और विशाखा सैलानी की नियुक्ति की थी। औचक निरीक्षण में व्यवस्थाओं से असंतुष्ट एनडीएमसी के वाइस चेयरमैन सतीश उपाध्याय व अन्य सदस्य विभिन्न स्थानों का औचक निरीक्षण कर रहे हैं। इसमें सदस्य एनडीएमसी की व्यवस्थाओं से असंतुष्ट नजर आ रहे हैं। लगातार हो रहे दौरों से एनडीएमसी के अधिकारियों में हड़कंप मचा हुआ है। बृहस्पतिवार को सतीश उपाध्याय ने कनाट प्लेस के प्राचीन हनुमान मंदिर और मोहनचंद मार्केट का निरीक्षण किया।

11 सीईटीपी पर डीपीसीसी के जुर्माने का मामला केंद्रीय पर्यावरण मंत्री के दरबार में पहुंचा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की सभी 11 कामन इफ्यूलेंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) सोसाटियों को दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति द्वारा भेजे गए मोटे जुर्माने के नोटिस का मामला अब केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के दरबार में पहुंच गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य डा. अनिल गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली की 30 औद्योगिक एसोसिएशनों के प्रतिनिधिमंडल ने पर्यावरण मंत्री को ज्ञापन देकर उनसे इस संबंध में हस्तक्षेप करने की मांग भी की है। इस मुलाकात में सभी एसोसिएशनों के पदाधिकारियों द्वारा दिल्ली- एनसीआर के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग गठित करने और आनंद विहार में दिल्ली का दूसरा स्माग टावर लगाने के लिए पर्यावरण मंत्री का आभार भी जताया गया। इस दौरान डीपीसीसी की ओर से जारी किए गए कुछ अन्य आदेशों पर भी पर्यावरण मंत्री से चर्चा की गई।

इसके अलावा दिल्ली- एनसीआर को प्रदूषण से मुक्त रखने के लिए कई सुझावों पर भी चर्चा की गई।पर्यावरण मंत्री ने सभी मुददों पर उद्यमियों की बातों को गंभीरता से सुना और उन्हें यथासंभव सहयोग का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में झिलमिल फ्रेंड्स कालोनी इंडस्ट्रियल एरिया से अनिल गुप्ता, राकेश बंसल, नरेंद्र छाबड़ा, विनीत जैन, पटपड़गंज से संजय गौड़, मनमोहन मेहरा, ओखला से एस के टंडन, कुलदीप खन्ना सहित अन्य औद्योगिक क्षेत्रों से रामानंद गुप्ता, रामनाथ शर्मा, सुशील कुमार गुप्ता, राकेश अरोड़ा, दिलीप सिंह, हितेश शर्मा, राजेंद्र मित्तल, विजय ग्रोवर, रविंद्र गुप्ता, सुनील महाजन, एसपी जैन, देवाशीष चक्रवर्ती व सतीश चोपड़ा शामिल रहे।

मेयर मुकेश सुर्यान के खिलाफ डीएम को दी शिकायत

(रविशंकर तिवारी)

नई दिल्ली । द्वारका से आम आदमी पार्टी के विधायक विनय मिश्रा ने कोविड प्रोटोकाल का उल्लंघन करने पर भाजपा शासित दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के मेयर मुकेश सुर्यान के खिलाफ जिलाधिकारी को शिकायत दी है। विधायक का कहना है कि मेयर मुकेश सुर्यान, दयाल पार्क स्थित प्राइमरी स्कूल में कोविड प्रोटोकाल का उल्लंघन करते हुए वैक्सीन लगवाने के लिए लोगों को पर्चियां बांट रहे हैं। पर्ची बांटने का काम मेयर का नहीं है, फिर भी मुकेश सुर्यान ने डरा-धमका कर कर्मचारियों से पर्ची ले ली और लोगों में बांटी। उन्होंने कहा कि मेयर मुकेश सूर्यान कोरोना को फैलने से रोकने की बजाय फैलाने का काम कर रहे है। मैंने डीएम से

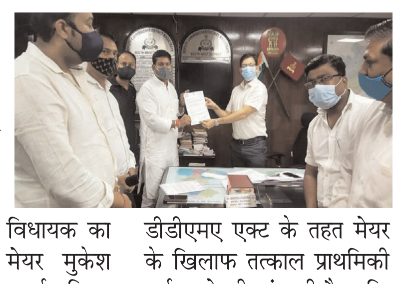

डीडीएमए एक्ट के तहत मेयर के खिलाफ तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है, ताकि दूसरे लोगों को भी सबक मिल सके। आम आदमी पार्टी के द्वारका से विधायक विनय मिश्रा का कहना है कि दक्षिणी दिल्ली नगर निगम एसडीएमसी के दयाल पार्क स्थित प्राइमरी स्कूल में वैक्सीनेशन सेंटर है। यहां पर चार साइट है और प्रतिदिन करीब 800 लोगों को वैक्सीन लगाई जाती है।

यहां वैक्सीन लगवाने के लिए कुछ लोग ऑनलाइन अपाइंटमेंट लेकर आते हैं, जबकि कुछ लोगों को पर्चियां बांट कर वैक्सीन लगाई जाती है। कोरोना की वैक्सीन लगवाने के लिए लोगों को पर्ची बांटना मेयर का काम नहीं है, यह काम सरकारी कर्मचारियों का है, लेकिन भाजपा शासित एसडीएमसी के मेयर मुकेश सुर्यान कर्मचारियों को डरा-धमका कर पर्ची ले ली।

कोरोना फैलने का कर रहे हैं काम : विनय

आप विधायक विनय मिश्रा ने कहा कि मेयर मुकेश सूर्यान डीडीएमए द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करते हुए कोरोना को फैलने से रोकने की बजाय फैलाने का काम कर रहे हैं। मैंने मेयर द्वारा कोविड प्रोटोकाल का उल्लंघन करने के खिलाफ जिलाधिकारी को शिकायत दी है और साथ ही पर्ची बांटने की वीडियो भी सौंपी है। मैंने जिलाधिकारी से मांग की है कि एसीडीएमसी के मेयर मुकेश सूर्यान के खिलाफ डीडीएमए एक्ट के तहत कार्रवाई की जाए। साथ ही, मेयर के खिलाफ तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध भी किया किया है, ताकि दूसरे लोगों को सबक मिल सके।

एमसीडी चुनाव 2022 से पहले एमसीडी का बड़ा ऐलान, लाखों लोगों का प्रॉपर्टी टैक्स किया माफ

नई दिल्ली। दिल्ली में अगले साल 2022 में नगर निगम चुनाव होने जा रहे हैं. इसको लेकर दिल्ली की तीनों एमसीडी की ओर से आये दिन कोई ने कोई नई घोषणा की जा रही है. नॉर्थ दिल्ली नगर निगम ने अब प्रॉपर्टी टैक्स में लाखों लोगों को बड़ी राहत

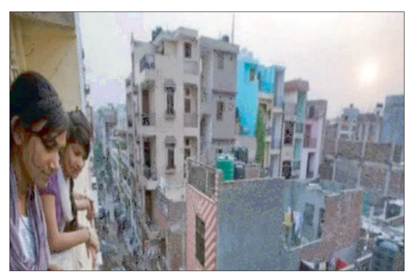

देने का फैसला किया है. इतना ही नहीं इसका बड़ा फायदा यहां रह रहे कश्मीरी प्रवासियों को भी मिलने जा रहा है.

नॉर्थ दिल्ली नगर निगम लाल डोरा, विस्तारित लाल डोरा, गांव की विस्तारित आबादी और 544 अनधिकृत नियमित कालोनियों व अनधिकृत कॉलोनियों और कश्मीरी प्रवासियों को आवंटित प्रॉपर्टी को राहत देने के लिए नई आम माफी योजना लेकर आई है.

इन दो सालों के लिये आम माफी योजना का ऐलान

इस आम माफी योजना के अनुसार, लाल डोरा, विस्तारित लाल डोरा, गाँव की विस्तारित आबादी और 544 अनधिकृत नियमित कॉलोनियों और अनधिकृत कॉलोनियों में प्रॉपर्टी टैक्स और नॉर्थ एमसीडी के अधिकार क्षेत्र में सरकार द्वारा कश्मीरी प्रवासियों को आवंटित प्रॉपर्टीज का वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021-22 से पहले का प्रॉपर्टी टैक्स और गैर-आवासीय प्रॉपर्टीज का वित्तीय वर्ष 2019-20 से पहले का प्रॉपर्टी टैक्स माफ कर दिया गया है.

अब 31 अक्टूबर तक उठा सकते हैं इस योजना का लाभ- इस आम माफी योजना के अनुसार, इन कॉलोनियों में आवासीय प्रॉपर्टीज के करदाताओं को वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021-22 के संपत्ति कर (केवल मूल राशि) का ही भुगतान करना होगा और इससे पहले का सभी बकाया संपत्ति कर माफ होगा.

इसी तरह, गैर-आवासीय संपत्तियों के संबंध में, करदाताओं को पिछले दो वर्षों और चालू वर्ष यानी वित्तीय वर्ष 2019-20 व 2020-21 और वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021-22 के बकाया संपत्ति कर (केवल मूल राशि) का भुगतान करना होगा. वहीं, इन अवधि से पहले का बकाया संपत्ति कर माफ होगा. वर्तमान माफी योजना 09 सतिंबर से 31 अक्टूबर 2021 तक प्रभावी रहेगी है.

आईजीआई एयरपोर्ट पहुंचते वक्त नहीं लगेगा अब जाम, 5,000 करोड़ की लागत से तैयार होगा एलिवेटेड रोड

नई दिल्ली। दिल्ली में जाम की समस्या को कम करने के लिए दिल्ली सरकार की ओर से कई नए फ्लाईओवर और एलिवेटेड रोड का निर्माण किया जा रहा है. वहीं, अब केंद्र सरकार ने भी एक बड़ी योजना तैयार की है जो कि पूर्वी, मध्य और दक्षिणी दिल्ली से लेकर उन तमाम जगहों से एयरपोर्ट तक जाने वाले रास्ते पर लगने वाले जाम से छुटकारा दिलाएगी. केंद्रीय लोक निर्माण विभाग ने करीब 14 किलोमीटर का ऐसा एलिवेटेड रोड का निर्माण करने की योजना बनाई है जोकि एयरपोर्ट पहुंचने में चंद मिनट लगाएगी. इस योजना को सीपीडब्ल्यूडीऔर नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन ने मिलकर तैयार किया है. इस योजना पर कुल 5,000 करोड रुपए आने का अनुमान लगाया गया है. जानकारी के मुताबिक केंद्रीय लोक निर्माण विभाग और नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन की ओर से तैयार की गई इस योजना को मंजूरी के लिए प्रस्ताव केंद्रीय मंत्रालय को भेजा गया है. मंत्रालय से प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद इस योजना पर काम किया जा सकेगा.

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक करीब 14 किलोमीटर के एलिवेटेड रोड का निर्माण 8 जीपीआरए कॉलोनियों के साथ-साथ करने की योजना भी सीपीडब्ल्यूडी और एनबीसीसी ने तैयार की है. लेकिन अभी इस पर केंद्रीय मंत्रालय से मंजूरी मिलना बाकी है.

बताया जाता है कि सीपीडब्ल्यूडी ने त्यागराज स्टेडियम के पास बारापूला से दक्षिणी दिल्ली में महिपालपुर बाईपास तक 14 किलोमीटर एलिवेटेड रोड की डिटेल योजना तैयार करने पर काम शुरू कर दिया है. इस प्रोजेक्ट का बड़ा उद्देश्य 8 सरकारी आवासीय कॉलोनियों के आसपास के क्षेत्रों के समीप आने वाले दिनों में ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करना है. इन सरकारी कॉलोनियों के पुनर्विकास के कार्य को भी किया जा रहा है. यह कार्य एनबीसीसी की ओर किया जा रहा है.

यूनिफाइड ट्रैफिक एंड ट्रांसपोर्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग एंड इंजीनियरिंग सेंटर (यूटीटीआईपीईसी) की ओर से जुलाई में इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी गई थी. लेकिन 5,000 करोड रुपए के प्रोजेक्ट के लिए अभी प्रस्ताव को अंतिम स्वीकृति केंद्रीय मंत्रालय की ओर से दिया जाना बाकी है.

योजना यह है कि एलिवेटेड रोड आसपास की सड़क और पुनर्विकसित

कॉलोनियों के नजदीक के अन्य मुख्य मार्गों पर ट्रैफिक के बढ़ते दबाव को कम करने में मदद करेगा. यहां इसके साथ ही छह लेन का कॉरिडोर भी तैयार किया जाएगा. इसका फायदा यह होगा कि दक्षिण, मध्य और पूर्वी दिल्ली से आने वाले यात्रियों के लिए इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक आसानी से बिना किसी ट्रैफिक जाम के सीधा रास्ता तैयार हो सकेगा.

क्या है 8 जीपीआरए कॉलोनी

8 जीपीआरए कॉलोनी का मतलब यह है कि 8 सामान्य पूल आवासीय आवास. इन कॉलोनियों में किदवई नगर, नौरोजी नगर, नेताजी नगर, सरोजनी नगर, मोहम्मदपुर, त्याग राज नगर, कस्तूरबा नगर, श्रीनिवासपुरी आदि प्रमुख रूप से शामिल हैं. इन कॉलोनियों में करीब 25,000 से अधिक रेजीडेंसी यूनिट्स तैयार की जाएंगी.

किस तरह से तैयार होगा यह पूरा कॉरिडोर - रजानकारी के मुताबिक कॉरिडोर त्याग राज स्टेडियम के पास बारापूला फ्लाईओवर से शुरू होगा और अरविंदो मार्ग, ब्रिगेडियर होशियार सिंह रोड, अफ्रीका एवेन्यू, विवेकानंद मार्ग, नेल्सन मंडेला रोड, वसंत कुंज रोड और महिपालपुर बाईपास से होकर गुजरेगा और नेशनल हाईवे राजमार्ग 8 पर उतरेगा. इसको लेकर जो डिजाइन तैयार किया गया है. उसके मुताबिक आईएनए, ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग, अफ्रीका एवेन्यू और नेल्सन मंडेला रोड पर कॉरिडोर पर चढ़ने और उतरने के लिए यातायात के लिए रैंप भी तैयार किया जाएगा. बताया जाता है कि इसको लेकर दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग को एक ड्राफ्ट तैयार कर इसे अंतिम रूप देने और इसे यूटीटीआईपीईसी से मंजूरी दिलाने का काम भी सौंपा गया था.

सीपीडब्ल्यूडी के अधिकारी के मुताबिक फिलहाल विभाग की ओर से इस पर डिटेलिंग का काम किया जा रहा है जिसमें स्वीकृत एलाइनमेंट के आधार पर कोरिडोर की ड्राइंग तैयार करना भी शामिल है. यह निर्माण के लिए टेंडर जारी करने से पहले किया जाता है. बताया जाता है कि डिटेलिंग का काम करने में कम से कम 2 से 3 माह का वक्त लगेगा.

केंद्र सरकार ने भी एक बड़ी योजना तैयार की है जो कि पूर्वी, मध्य और दक्षिणी दिल्ली से लेकर उन तमाम जगहों से एयरपोर्ट तक जाने वाले रास्ते पर लगने वाले जाम से छुटकारा दिलाएगी.

घर लौट रहे गांधी नगर के व्यापारी को बदमाशों ने बंदूक की नोक पर लूटा, नकदी-लैपटॉप लूटकर फरार

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस के उत्तर पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में बाइक सवार बदमाशों ने बंदूक की नोक पर कारोबारी के साथ लूट की वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गए. पुलिस ने पीड़ित कारोबारी की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है.

शालीमार गार्डन के रहने वाले अरुण जैन गांधीनगर के सुभाष मोहल्ला में कपड़े की दुकान चलाते हैं. बताया जाता है कि वह बीती रात गुरुवार को दुकान बंद करने के बाद अपनी कार से घर लौट रहे थे. इसी दौरान शास्त्री पार्क इलाके में चार बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें घेर लिया और उनकी कार का पहले हथौड़े से शीशा तोड़ा. उसके बाद उन्हें पिस्टल दिखाकर रुपयों से भरा बैग लूट लिया और फरार हो गए.

अरुण जैन का कहना है कि बैग में पचास हजार नकद, लैपटॉप और जरूरी कागजात के अलावा दुकान की चाबी भी थी. फिलहाल इस पूरे मामले में शास्त्री पार्क थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर लूट का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है.

संपादकीय

खेल के अखाड़े में हम कहां

कोरिया के गोगुरियो राजवंश के संस्थापक राजा डोंगम्योंग के बारे में कई लोककथाएं प्रचलित हैं। 57 ईसा पूर्व से लेकर 668 ईस्वी तक कोरिया पर शासन करने वाले तीन साम्राज्यों में गोगुरियो भी एक था। इन लोककथाओं के कई पहलू हैं, देवताओं के बीच विवाह, बहलाना-फुसलाना और निष्कलंक गर्भधारण। मगर मूल कहानियों में एक बात सामान्य है कि जन्म के समय डोंगम्योंग का नाम जुमोंग रखा गया था, जिसका अर्थ होता है- अच्छा तीरंदाज। और वह तीरंदाजी में इतने निपुण थे कि एक तीर से पांच मक्खियों को भेद सकते थे। कोरिया और तीरंदाजी तब भी आपस में गुंथे हुए रहे, जब इतिहास में दर्ज मिथक का पता चल गया। यह तीर और धनुष में ही महारत थी, जिसने तीन साम्राज्यों (इसका पूरे कोरियाई द्वीप और मंचूरिया के आधे हिस्से पर शासन था) का निर्माण किया, फिर उन्हें छठी शताब्दी में एकजुट किया और अंतत 1500 के आखिरी दशकों में जापानी समुराई के हमलों से उन्हें बचाया। इतिहास, संस्कृति और खेल का रिश्ता अटूट होता है। यह इससे भी जाहिर होता है कि क्यों कुछ देश ओलंपिक की हर विधा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं करते, बल्कि कुछ खेल विशेष में मजबूत दावेदारी पेश करते हैं। जैसे कि चीन व अमेरिका के खिलाड़ी अब करते हैं और कभी रूसी व जर्मनों ने किया था। ब्राजील और वॉलीबॉल; जापान और जूडो; क्यूबा और मुक्केबाजी; हंगरी और वाटर पोलो; ऑस्ट्रेलिया और तैराकी; जमैका और स्प्रिटिंग (कम दूरी में तेज दौड़ना); केन्या व इथियोपिया और मध्यम दूरी की दौड़ जैसे तमाम उदाहरण हमारे सामने पसरे हैं, लेकिन परंपरा और खेल उत्कृष्टता के संगम का बेहतरीन नजारा दक्षिण कोरियाई तीरंदाज पेश करते हैं।

1972 के म्यूनिख खेलों से आधुनिक तीरंदाजी की शुरुआत हुई। उसके बाद से 45 स्वर्ण पदकों में से 27 दक्षिण कोरिया ने जीते हैं, जिनमें से नौ पदक महिला टीम ने, नौ पदक महिलाओं ने व्यक्तिगत तौर पर, दो पुरुष टीम, छह पुरुष व्यक्तिगत ने और टोक्यो में पहली बार मिश्र टीम ने भी हासिल किया। यह रिकॉर्ड केवल मिथक या इतिहास की देन नहीं है। तमाम ओलंपिक पदकों की तरह इसमें भी कोई ईश्वरीय कृपा नहीं बरसी। यह उपलब्धि तो एक ऐसी संस्कृति की देन है, जिसमें शामिल हैं- प्राथमिक स्कूलों से ही तीरंदाजी पर जोर, स्थानीय क्लबों में मनोरंजन के रूप में इसका प्रोत्साहन, टैलेंट हंट्स द्वारा किया जाने वाला उत्साहवर्द्धन, बेहतरीन शोध-कार्यों को अपनाने वाली कंपनियों द्वारा मिलने वाला बढ़ावा और कठोर अभ्यास व दिमागी ताकत से खिलाड़ियों का कौशल विकास। प्राचीन विद्या और आधुनिक प्रशिक्षण के मेल से दक्षिण कोरिया विश्व विजेताओं की पंक्ति बनाने में कामयाब रहा है। यह देश आज तीरंदाजी में उतना ही बेहतर है, जितना कोई अन्य राष्ट्र किसी अन्य विधा में।

अगर भारत में कोई एक खेल, जो इस उदाहरण से सीख सकता है या इसकी तरह आगे बढ़ सकता है, तो वह है कुश्ती। वर्ष 2016 में आई किताब इंटर द दंगल; ट्रैवल्स थ्रू इंडियाज रेसलिंग लैंडस्केप में हिन्दुस्तान टाइम्स के राष्ट्रीय खेल संपादक रुद्रनील सेनगुप्ता ने बताया है कि कुश्ती की जड़ तो 1,000 ईस्वी तक जाती है। अखाड़ा संस्कृति आंशिक तौर पर मनोरंजन के रूप में शाही संरक्षण में फली-फूली। और सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि राजाओं और स्थानीय क्षत्रपों ने चूंकि किसान समाज से जवानों को लेकर सेनाएं बनाई थीं, इसलिए किसी जंग के वास्ते तैयार होने के लिए वे कुश्ती लड़ा करते थे। तब पहलवान कर्तव्य, बंधुत्व व वैराग्य के कायदे-कानून अपनाते, और समाज में पूजे जाते थे।

अखाड़ा संस्कृति अपनी गति से आगे बढ़ती रही। यहां तक कि जब योद्धाओं के तौर पर पहलवानों की जरूरत नहीं रह बची, तब भी कुछ इलाकों में यह परंपरा कायम थी, खासकर हरियाणा, पंजाब और महाराष्ट्र में। इसलिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं कि ओलंपिक में भारत के लिए पहला व्यक्तिगत पदक (जिस रिकॉर्ड को बरसों बाद 1996 में लिएंडर पेस ने तोड़ा) सन 1952 में हेलसिंकी में सतारा के निवासी पहलवान खाशाबा जाधव ने जीता था।

आखिर भारत एक प्रमुख कुश्ती देश के रूप में क्यों नहीं उभर सका? इसकी दो प्रमुख वजहें रहीं- पहली, यहां ऐसे तंत्र और संसाधनों का अभाव रहा, जो अपनी परंपरा का इस्तेमाल आधुनिक खेल में कर सके, और दूसरी वजह है, मिट्टी में लड़ी जाने वाली भारतीय कुश्ती और मैट पर होने वाली पहलवानी के बीच की खाई। फिर भी पहलवान उभरते चले गए। करतार सिंह ने 1978 और 1986 के एशियाई खेलों में स्वर्ण जीता, सतपाल सिंह ने 1982 में एशियाड, घर-घर में पहचाने जाने वाले चंदगी राम ने 1970 के एशियाई खेलों में 100 किलोग्राम वर्ग में सोना जीता, और दारा सिंह तो सुपरस्टार ही बने रहे। पिछले 15 वर्षों में, जब क्रिकेट के इतर खेलों को भी सरकार, गैर-सरकारी संस्थाओं और कॉरपोरेट घरानों से समर्थन मिलने लगा, तब पहलवानों की दबी प्रतिभा निखरकर सामने आ गई। सुशील कुमार ने 2008 व 2012 ओलंपिक में पदक जीते, तो योगेश्वर दत्त ने 2012 के ओलंपिक में, और साक्षी मलिक ने 2016 के रियो ओलंपिक में। बीते बुधवार को सोनीपत के 23 वर्षीय रवि दहिया ने चार अंकों से पिछड़ने के बावजूद अपने प्रतिद्वंद्वी को पटखनी देकर यह सुनिश्चित कर दिया कि भारतीय पहलवान टोक्यो से खाली हाथ नहीं लौटेंगे और वह रजत पदक जीतने में कामयाब रहे। मगर सफलता अक्सर दरारों की लीपापोती कर देती है। ऐसा कुश्ती के साथ नहीं होना चाहिए। जीत पर खुशी मनाते समय यह सवाल जरूर जेहन में होना चाहिए कि भारत अपनी समृद्ध संस्कृति से क्या कुछ हासिल करने को इच्छुक है? क्या हमारी उड़ान उसी तरह होगी, जिस तरह दक्षिण कोरिया ने तीरंदाजी में भरी है, या फिर एक ओलंपिक से दूसरे ओलंपिक में अपनी पारंपरिक महारत को जीवित रखने के लिए हमें संघर्ष करना होगा?

प्रवीण कुमार सिंह

जब तक सस्ता विदेशी माल मिलता रहेगा तब तक लोग नहीं खरीदेंगे घरेलू माल

> दुर्भाग्य से जैसे पाकिस्तान तालिबान के पीछे खड़ा है वैसे ही चीन भी। चीन की मंशा बेल्ट एंड रोड योजना अफगानिस्तान तक ले जाने की है। वह पैसे के दम पर तालिबान को साधने की कोशिश में है। यदि तालिबान पर पाकिस्तान के साथ चीन का प्रभाव बढ़ा तो मध्य एशिया में भारत के लिए चिंताजनक स्थिति बन सकती है। अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण में योगदान देने और वहां बुनियादी ढांचे में करीब तीन अरब डालर खर्च करने वाला भारत तालिबान को लेकर तत्काल किसी पहल से बच रहा है। यह उचित भी है, क्योंकि अभी अफगानिस्तान में सरकार का गठन होना और उसकी रीति-नीति तय होना शेष है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोनों ने घरेलू उत्पादन को बढ़ाने का नारा दिया है। इसे अर्थशास्त्र में संरक्षणवाद कहा जाता है। इस दिशा में सरकार रक्षा क्षेत्र की तमाम वस्तुओं का आयात प्रतिबंधित करने की तैयारी कर रही है। कई चीनी एप बंद कर दिए गए हैं। जैकेट इत्यादि वस्तुओं पर आयात कर में वृद्धि की गई है। इसके पीछे यही सोच है कि देश में ही अधिकाधिक वस्तुओं का उत्पादन किया जाए जिससे हम दूसरे देशों पर आश्रित न रहें और हमारी आर्थिक संप्रभुता बनी रहे। संरक्षण के ये लाभ सर्वमान्य हैं, लेकिन संरक्षण के विरोध में कई तर्क भी दिए जाते हैं जिनका निवारण जरूरी है।

पहला तर्क है कि संरक्षणवाद में उत्पादक के हित पर ध्यान दिया जाता है न कि उपभोक्ता के हित पर। जैसे यदि हमने जैकेट पर आयात कर बढ़ाया तो देश में जैकेट का दाम बढ़ जाएगा। देसी जैकेट निर्माता अपने माल को महंगा बेचेंगे और उन्हें अधिक लाभ होगा। वहीं उपभोक्ता को महंगा जैकेट खरीदना पड़ेगा। यह तर्क इस तथ्य को अनदेखा करता है कि उत्पादन से ही क्रयशक्ति बढ़ती है। जैसे यदि हम चीन से जैकेट, बल्ब और कपड़ा इत्यादि सस्ती दरों पर आयात कर लें तो देश के नागरिक क्या बनाएंगे? यदि हम उत्पादन नहीं करेंगे तो अपने लोगों को रोजगार कैसे देंगे? रोजगार नहीं देंगे तो उनके हाथ में क्रयशक्ति नहीं आएगी जिससे कि वे उपभोग बढ़ा सकें। इसलिए उत्पादन और उपभोक्ता का प्रत्यक्ष संबंध है। विषय उत्पादक बनाम उपभोक्ता का नहीं है। यह सही है कि संरक्षणवाद से देश के लोगों को महंगा माल खरीदना होगा, मगर या तो हम आयात करें और घरेलू उत्पादन के अभाव में

नागरिकों को भूखा मरने दें। अथवा संरक्षणवाद को अपनाएं, अपने नागरिक को रोजगार उपलब्ध कराएं और उन्हें महंगा माल खरीदने पर विवश भी करें। कुल मिलाकर भूखे मरने की तुलना में महंगी जैकेट खरीदना कहीं बेहतर दिखता है।

संरक्षणवाद के विरोध में दूसरा तर्क है कि हर देश को वह माल बनाना चाहिए जिसे बनाने में वह कुशल है। जैसे भारत यदि कालीन सस्ता बनाता है और चीन यदि जैकेट सस्ते बनाता है तो भारत को कालीन बनाकर निर्यात करना चाहिए और चीन में बने जैकेट का आयात करना चाहिए। इससे भारत के कालीन निर्माता को अधिक मूल्य मिलेगा और उस बढ़ी हुई आय से वह चीन में निर्मित जैकेट अधिक मात्रा में खरीद सकेगा। यह तर्क भी सही है, लेकिन तीन बातों को नजरअंदाज करता है। पहली बात यह कि आयात पर निर्भरता में जोखिम जुड़ा है। जैसे कोविड संकट में अथवा तालिबान जैसों द्वारा किसी देश पर कब्जा करने के बाद वहां से आवश्यक वस्तुओं का आयात बंद हो जाता है। इस जोखिम से बचाव के लिए हमें कुछ उपाय करने होते हैं। उस उपाय पर आने वाले खर्च को आयातित वस्तु के मूल्य पर जोड़ना चाहिए। जैसे यदि चीन में बना जैकेट हमें 700 रुपये में मिलता है और उस पर 300 रुपये अर्थव्यवस्था के लिए जोखिम का जोड़ लें तो उसकी कीमत 1,000 रुपये हो जाएगी। इस प्रकार वह सस्ता नहीं रह जाएगा।

घरेलू उत्पादन के और भी लाभ हैं। जैसे दीर्घकाल में उत्पादन से ही हमें आवश्यक तकनीक प्राप्त हो पाती हैं। देश अपनी रक्षा के लिए सैन्य सामग्री बनाने लगता है। जैसे यदि हम देश में कार बनाने के लिए स्टील का आयात करने लगें तो स्टील बनाने की तकनीक हमें उपलब्ध नहीं होगी और तब हम अपने रक्षा उपकरणों के निर्माण के लिए भी स्टील का उत्पादन नहीं कर पाएंगे। ब्रिटिश अर्थशास्त्री कींस का एक विख्यात कथन है कि 'व्यापार करना अच्छा है, परंतु जरूरत का माल अपने घर में ही बनाना चाहिए।' वैसे गैर-जरूरी वस्तुओं के आयात में कोई हर्ज नहीं। जैसे स्विस चाकलेट के आयात में छूट दें, मगर स्टील का उत्पादन घर में ही करें। यदि किसी स्थिति में चाकलेट का आयात नहीं हुआ तो हमारी अर्थव्यवस्था नहीं चरमराएगी।

संरक्षणवाद के विरोध में तीसरा तर्क अपनी स्वतंत्रता के बाद के कई वर्षों का हमारा अनुभव बताया जाता है। नेहरू के नेतृत्व में हमने सार्वजनिक इकाइयों को प्रोत्साहन दिया और आयात पर अंकुश लगाए रखा ताकि देश में उत्पादन बढ़े। हालांकि ऐसा करते हुए हमने एक साथ दो गलतियां भी कीं। पहली गलती यही कि सार्वजनिक इकाइयों से जुड़े अधिकारियों और नेताओं की जवाबदेही सुनिश्चित नहीं की गई। इससे वे इकाइयां भ्रष्टाचार एवं भाई-भतीजावाद का अड्डा बनती गईं। दूसरी समानांतर गलती देश में प्रतिस्पर्धा को दबाने की रही। एक समय देश में केवल वालचंद और बिरला ही कार बनाते थे। तब टाटा ने भी कार उत्पादन में हाथ आजमाने का प्रयास किया था, लेकिन उन्हें लाइसेंस नहीं दिया गया। इस प्रकार देखें तो स्वतंत्रता के बाद के दौर में भ्रष्टाचार के प्रसार और प्रतिस्पर्धा पर प्रहार जैसी वजहों से संरक्षणवाद को लेकर कटु अनुभव हुए। सरकार को अतीत के अनुभवों से सबक लेते हुए संरक्षणवाद की राह पर आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए सबसे पहले आयात कर में वृद्धि की जानी चाहिए ताकि घरेलू उत्पादन को संबल मिले। बड़ी कंपनियों पर कर बढ़ाने की कुछ गुंजाइश तलाशी जाए।

छोटे उद्योगों द्वारा विकेंद्रित उत्पादन को भी बढ़ाया जाना चाहिए। स्मरण रहे कि जब तक हमारे नागरिकों को सस्ता विदेशी माल आसानी से उपलब्ध होता रहेगा तब तक वे महंगा घरेलू माल नहीं खरीदेंगे। इससे 'वोकल फोर लोकल' जैसी महत्वाकांक्षी मुहिम परवान नहीं चढ़ पाएगी। नागरिकों को महंगे घरेलू माल खरीदने की ओर उन्मुख करना होगा और समझाना होगा कि ऐसा करना क्यों आवश्यक है। साथ ही साथ घरेलू प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ाना होगा, जिससे कालांतर में उत्पादों के दाम और प्रतिस्पर्धी एवं तार्किक होते जाएंगे। इसी रणनीति से हम चीनी सस्ते माल की सुनामी का भलीभांति सामना कर सकेंगे।

आखिर देश में आयातित वस्तुओं के पक्ष में इतनी आवाजें क्यों उठती हैं? मेरे विचार में इससे बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हित पोषित होते हैं। इन कंपनियों में उच्च वर्ग से जुड़े तमाम भारतीय भी कार्यरत होते हैं। इसीलिए उनकी 'वर्ग चेतना' उन्हें देश को विदेशी व्यापार बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। वे अपने निजी हितों को साधने के लिए ही आयातित माल की वकालत करते हैं। स्पष्ट है कि अगर हम अतीत की गलतियों को न दोहराएं तो संरक्षणवाद मनवांछित परिणाम देने में सक्षम है। इससे भागवत और मोदी की सोच भी फलीभूत हो सकती है।

तीसरी लहर पाकिस्तान की गीदड़ भभकियों जैसे होगी या चीन की पुरानी तिकड़मों की तरह

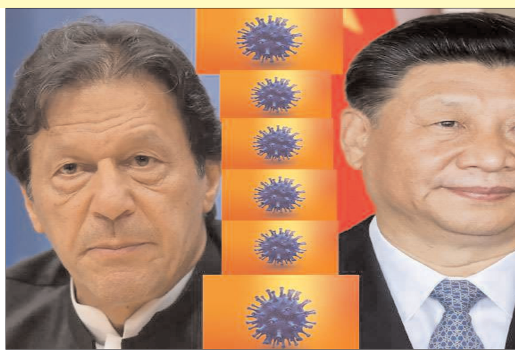

सुना है कोरोना की तीसरी लहर आने वाली है। पहली लहर तो घंटी बजाते, ताली बजाते, दीप जलाते, टेलीविजन पर 'रामायण', 'महाभारत' देखते, नए-नए पकवान बनाते, खाते-पीते बीत गई। दूसरी लहर मौत का विजिटिंग कार्ड लेकर आई। इतने लोग निपट गए कि अपने वजूद पर ही शक होने लगा। सवेरे आंखें खोलते तो पांच मिनट इस भ्रम में रहते कि आंख अपने पलंग पर खुली है या यमलोक में। अंतत जब इत्मीनान हो जाता कि अभी पंचतत्व और आत्मा में तलाक नहीं हुआ है अर्थात जिंदा हैं तो चैन की सांस आती। चैन की सांस अभी जिस्म में ठीक से एडजस्ट भी न हो पाई थी कि तीसरी लहर की दुंदुभी बज गई। अब डेढ़ साल में कोरोना का तीसरा हमला। हे प्रभु, आखिर चाहते क्या हो! छह महीने बाद यूपी और ढाई साल बाद लोकसभा का चुनाव है। उनमें वोट डालने का मौका नहीं दोगे। एक-एक वोट की लड़ाई है। हालांकि हमने तो वैक्सीन की दोनों डोज भी लगवा ली हैं। फिर भी डर है कि मानता ही नहीं।

तीसरी लहर आ रही है, बस इतना सुना है। वह कैसी होगी, पाकिस्तान की गीदड़ भभकियों जैसी या चीन की पुरानी कारस्तानियों की तरह? जैसे-कोई नहीं जानता कि आक्सीजन की खोज होने के पहले आदमी जिंदा कैसे रहता था? दुनिया में पहले मुर्गी आई या अंडा? इसी प्रकार कोई नहीं जानता कि कोरोना कब तक हमारी छाती पर भांगड़ा करेगा! दुनिया भर के डाक्टर और विज्ञानी दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। इधर वे वैक्सीन बनाते हैं, उधर कमबख्त कोरोना अपना रूप बदल लेता है। अलग-अलग नाम से, अलग-अलग महीने में, अलग-अलग लक्षण के भेष में आ जाता है।

हमारे एक पड़ोसी सारे काम छोड़कर आजकल सिर्फ तीसरी लहर से निपटने की तैयारी में लगे हैं। घर का डबल बेड बेचकर अस्पताल वाले दो पलंग खरीद लाए हैं। तर्क यह है कि पाजिटिव होने की स्थिति में घर में ही अस्पताल वाली फीलिंग आएगी। वायरस कन्फ्यूज होगा सो अलग। यही नहीं, उन्होंने अपने एलपीजी सिलेंडरों में भी आक्सीजन भरवाकर रख ली है, ताकि पेड़-पौधे अगर इन्कार कर दें तो भी फेफड़ों को आक्सीजन की कमी न हो। सुना तो यह भी है कि अपनी छत पर एक और पानी की टंकी रखवा रहे हैं। उस टंकी में सैनिटाइजर भर कर रखेंगे। रोज पहले सैनिटाइजर से नहाएंगे, फिर पानी से। एक डाक्टर को अपने पूरे शरीर का ठेका दे दिया है, जो उनके तापक्रम में परिवर्तन की स्थिति में इलाज करेगा।

एक अन्य मित्र इतने खौफजदा हैं कि जल्दी-जल्दी अपने दिल के अरमान पूरे करने में जुट गए हैं। उन्होंने लाकडाउन से पहले एक गरम सूट सिलवाया था। तबसे न कोई शादी-ब्याह पड़ा, न मुंडन-जनेऊ। बेचारे सूट का उद्घाटन तक न हो सका। तीसरी लहर की तैयारी में मोहल्ले का किराना दुकानदार भी पीछे नहीं है। अच्छे किस्म का सामान ऊंचे दामों पर बेचने के लिए उसने अलग स्टाक कर रखा है। हेल्थ इंस्पेक्टर को एडवांस में लिफाफा दे दिया है, ताकि आगामी लाकडाउन में धंधा बिना रोक टोक चल सके। मोहल्ले के ग्वाले ने भी रिहर्सल शुरू कर दी है। उसकी भैंस तक हैरान है कि वह कुल पांच लीटर दूध देती है, पर मालिक आठ लीटर बेचने के बाद भी घर के लिए दो लीटर कैसे बचा लेता है। नशेबाज भी कमर कसकर तैयारी में जुट गए हैं। पहले लाकडाउन में हुई छटपटाहट को वे अभी तक भूले नहीं हैं। हमारे एक परिचित तो तीसरी लहर के प्रति इस कदर संवेदनशील हो गए हैं कि अपने परिवार के साथ-साथ मोहल्ले के कुत्तों को भी जागरूक करना चाहते हैं। सारे कुत्ते चौराहे पर शारीरिक दूरी की धज्जियां उड़ाते हुए एकत्र होते हैं और अपनी भाषा में मंत्रणा करते हैं। परिचित को यह सब नागवार गुजरता है, लेकिन कुत्ते कुछ सीखना ही नहीं चाहते। एक दिन मित्र हाथ-पैर में पट्टियां बांधे, लंगड़ाते हुए मिले। हमने पूछा कि क्या हुआ तो कराहते हुए बोले, 'भलाई का जमाना ही नहीं रहा। कल रात मैं कुत्तों को मास्क पहना रहा था। उसी का नतीजा है।'

कांग्रेसी चक्रवात

पिछले करीब दो वर्षों से पूर्णकालिक अध्यक्ष के बगैर चल रही कांग्रेस की अंदरूनी समस्याएं कम होने का नाम ही नहीं ले रहीं। जैसे-तैसे करके पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री बनाए रखते हुए सिद्धू को प्रदेश अध्यक्ष पद सौंप कर मामले को सेटल किया गया कि इतने में छत्तीसगढ़ से शोर सुनाई देने लगा। वहां भूपेश बघेल के मुख्यमंत्रित्व को उन्हीं के एक मंत्री टीएस सिंह देव चुनौती दे रहे थे। बघेल को दो बार दिल्ली आना पड़ा। उसके बाद दावा किया गया कि वही सीएम रहेंगे और छत्तीसगढ़ में कोई समस्या नहीं है। इसी बीच पंजाब में फिर हालात बेकाबू होने लगे। मुख्यमंत्री के खिलाफ नए सिरे से उठ खड़े हुए कुछ असंतुष्ट मंत्रियों को तो समझा-बुझाकर शांत कर दिया गया, विवादित बयान देने वाले नए प्रदेश अध्यक्ष के सलाहकार का पद से हटना भी सुनिश्चित कर लिया गया, लेकिन इसका क्या किया जाए कि खुद अध्यक्ष ही पार्टी को धमकाने लग जाए। पंजाब में इस पार्टी के सामने यह विचित्र स्थिति हो गई है कि इसके नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने खुला ऐलान कर दिया है कि अगर उन्हें फैसले लेने की आजादी नहीं दी गई तो वह ईंट से ईंट बजा देंगे। पार्टी ने फिलहाल यह कहकर मामले पर लीपापोती की कोशिश की है कि उनके बोलने का ढंग ही कुछ ऐसा है, लेकिन देखना होगा कि ऐसा बोलने वाले अध्यक्ष से पार्टी कितना और कब तक निभा पाती है और कितना नुकसान झेलने के बाद कैसे छुटकारा पाती है। बहरहाल, मामला किसी एक या दो राज्य का नहीं है। कांग्रेस लगभग हर राज्य में किसी न किसी तरह की संगठनात्मक चुनौती का सामना कर रही है। राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच का घोषित विवाद अभी तक पूरी तरह सुलटा नहीं है। पायलट खेमा जहां अपने पुनर्वास का इंतजार कर रहा है और इसमें हो रही देर को लेकर समय-समय पर अपनी बेचैनी प्रकट करता रहता है, वहीं गहलोत खेमा अब भी इस बात पर अड़ा हुआ है कि पार्टी नेतृत्व बीजेपी की सरकार गिराने की साजिश को नाकाम करने वाले वफादारों की कीमत पर %गद्दारों% को बढ़ावा न दे। महाराष्ट्र में प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले के बयान जब-तब पार्टी का सिरदर्द बनते रहते हैं। इस कारण न केवल पार्टी के अंदर बल्कि महाविकास गठबंधन के अन्य घटक दलों के साथ रिश्तों में भी तनाव पैदा होता रहता है। चाहे दक्षिण का केरल और कर्नाटक हो या उत्तर का जम्मू कश्मीर या फिर पूर्वोत्तर का असम- कोई क्षेत्र ऐसा नहीं है जहां पार्टी संगठन असमंजस और अनिश्चितता से उपजी चुनौतियों से न जूझ रहा हो। राष्ट्रीय स्तर पर अपना असंतोष खुलकर प्रकट कर चुका जी-23 नेताओं का ग्रुप तो है ही। इन समस्याओं को टुकड़ों में देखने से काम नहीं चलेगा। यह समझना होगा कि इन सबका मूल पार्टी नेतृत्व के अपने असमंजस, अपनी अनिश्चितता में है।

अफगानिस्तान में जो परिदृश्य बन रहा, वह भारत के लिए काफी खतरनाक

> अच्छी बात यह है कि पहले इस आयोग का बहिष्कार करने वाले नेशनल कांफ्रेंस जैसे दल भी इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेकर इसे समग्र और समावेशी बना रहे हैं। 'एक विधान, एक निशान, सबको समता और सम्मान' न सिर्फ जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में देश के नीति-नियंताओं का पाथेय बने, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष के संदर्भ में इसे अमली जामा पहनाने की आवश्यकता है। गुलाम कश्मीर भी इसका अपवाद नहीं है। पाकिस्तानी फौज द्वारा वहां के लोगों पर ढाए जा रहे जुल्मो-सितम से निकलने वाली करुण-पुकार को लंबे समय तक अनसुना नहीं किया जा सकता है।

अफगानिस्तान को साम्राज्यों की कब्रगाह कहा जाता है। जैसा अमेरिका के साथ हुआ, वैसा ही सोवियत संघ के साथ भी हुआ था। अफगानिस्तान की कम्युनिस्ट सरकार को बचाने के लिए 1979 में सोवियत संघ (अब रूस) ने अपनी सेनाएं भेजीं। पश्चिमी देशों को यह नागवार गुजरा। अमेरिका ने मुजाहिदीन को आधुनिकतम शस्त्रों से लैस कर उन्हें रूस से लड़ने के लिए प्रेरित किया। दस वर्षों तक भारी नुकसान सहने के बाद रूसी फौजें अपने देश वापस चली गईं। 11 सितंबर 2001 को अमेरिका में हुए आतंकी हमले के जवाब में अमेरिका ने अफगानिस्तान पर हमला किया और वहां से तालिबान सरकार को उखाड़ फेंका। अमेरिका और नाटो की फौजें अफगानिस्तान में 20 वर्ष रहीं। एक अनुमान के अनुसार, इस अवधि में 2,443 अमेरिकी सैनिक मारे गए और अमेरिका का लगभग 2.3 टिलियन डालर खर्च हुआ। 14 अप्रैल 2021 को अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने एलान किया कि अफगानिस्तान से अमेरिका की फौजें 11 सितंबर तक वापस चली जाएंगी। जैसे-जैसे उनकी फौजें वापिस जाती रहीं, तालिबान के हमले बढ़ते रहे और करीब दस दिन में उन्होंने काबुल पर भी कब्जा कर लिया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह अमेरिका की बहुत बड़ी पराजय कही जा रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि भविष्य में अब चीन की बारी है। घटनाक्रम कैसे करवट लेगा और किन परिस्थितियों में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के दस्ते पाकिस्तान में आएंगे, यह अभी भविष्य के गर्भ में है।

अफगान सरकार के विरुद्ध तालिबान की विजय तो निश्चित थी, परंतु यह इतनी शीघ्रता और आसानी से होगी, इसकी कल्पना अमेरिकी या भारतीय खुफिया एजेंसियों ने बिल्कुल नहीं की थी। तालिबान की जीत मुख्य रूप से तीन कारणों से हुई। पहला तो यह कि अमेरिकी सेनाओं के यकायक जाने से अफगान सुरक्षा बल हतोत्साहित हो गए। दूसरा कारण यह रहा कि तालिबान को पाकिस्तान की स्पेशल फोर्सेज और आइएसआइ का पूरा समर्थन था। तीसरा बड़ा कारण अफगान सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार से उपजा असंतोष था। कहा जाता है कि अफगान सैनिकों को समय पर वेतन तक नहीं मिलता था।

यदि तालिबान से भारत के संबंधों पर दृष्टि डाली जाए तो स्पष्ट होगा कि दोनों के बीच सदैव असहमति ही नहीं, बल्कि वैमनस्य भी रहा है। 1999 में इंडियन एयरलाइंस के आइसी-814 विमान को आतंकियों ने हाईजैक कर लिया था और उसे कंधार ले गए थे। यहां तालिबान ने आतंकियों को संरक्षण दिया और उनकी मांग पूरी होने के पश्चात ही हवाई जहाज और यात्रियों को वापस भारत जाने दिया। 7 जुलाई 2008 को काबुल में भारतीय दूतावास पर हुए आत्मघाती हमले में 28 लोग मारे गए और 141 घायल हुए। 23 मई 2014 को चार आतंकियों ने हेरात में भारतीय महावाणिज्य दूतावास पर हमला किया। संक्षेप में, गत 20 वर्षों में भारतीय प्रतिष्ठानों या हितों पर तालिबान किसी न किसी प्रकार का आघात पहुंचाते रहे हैं। भारत ने अपनी तरफ से तालिबान को कभी मान्यता नहीं दी, उससे कभी औपचारिक स्तर पर वार्ता भी नहीं की। भारत की दलील थी कि तालिबान एक आतंकी संगठन है, इसलिए वह उससे संवाद नहीं कर सकता।

अफगानिस्तान में जो परिदृश्य बन रहा है, वह भारत के लिए काफी खतरनाक हो सकता है। पाकिस्तान के अलावा चीन, रूस, तुर्की और ईरान अफगानिस्तान में अपनी पकड़ बना रहे हैं। पाकिस्तान में तो जश्न का माहौल है। उसके नेताओं को इसकी प्रसन्नता है कि पूर्वी पाकिस्तान खोने के बाद अब उसे सामरिक पैठ मिली है। चीन ने भी खुलेआम कहा है कि वह तालिबान से दोस्ताना एवं सहयोगात्मक संबंध बनाएगा। चीन की दूरगामी नीति यह भी है कि वह अपनी बेल्ट एंड रोड परियोजना को अफगानिस्तान भी ले जाएगा। इसके अलावा अफगानिस्तान की खनिज संपदा का भी चीन को लोभ है। रूस को यह खुशी है कि अमेरिका ने उनके साथ जैसा किया था, वैसा ही उसके साथ भी हुआ। तुर्की की महत्वाकांक्षा यह है कि वह वैश्विक स्तर पर इस्लामिक देशों का नेतृत्व करे। ईरान का रवैया कुछ सतर्कतापूर्ण है। वहां के शिया नेता सुन्नी शक्तियों के उभार से बहुत खुश नहीं हो सकते।

भारत की दृष्टि से पाकिस्तान, चीन और तुर्की का अफगानिस्तान में प्रभाव बढ़ना खतरे की घंटी है। ये तीनों देश भारत विरोधी हैं और हर प्रकार से भारत का अहित करना चाहेंगे। कुछ विशेषज्ञों के अनुसार सुरक्षा की दृष्टि से भारत की सीमाओं पर आतंकियों का दबाव बढ़ेगा। पूर्व में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के मुजाहिदीन कश्मीर में भेजे थे। क्या इतिहास की पुनरावृत्ति होगी? इसके अलावा, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद के हौसले अब पहले से ज्यादा बुलंद होंगे। ये दोनों संगठन कश्मीर में अपनी आतंकी गतिविधियां और तीव्र कर सकते हैं। इस्लामिक स्टेट फिलहाल अधिक सक्रिय नहीं है, परंतु अफगानिस्तान की जमीन में उसे फिर से पनपने के लिए अनुकूल वातावरण मिलेगा।

अब भारत के सामने क्या विकल्प हैं? एक दूरदर्शी नेतृत्व कठिन परिस्थितियों में भी सफलता का रास्ता खोज लेता है। भारत को भी कुछ ऐसा ही करना होगा। सबसे पहले तालिबान से संपर्क कर यह बताना होगा कि हमारी प्रतिबद्धता और लगाव अफगान जनता के प्रति रहा है और भविष्य में भी रहेगा। विकास के लिए हमने जो करोड़ों रुपये वहां लगाए हैं, वह अफगान जनता की भलाई और प्रगति के लिए थे। हमें अपना दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से रखना पड़ेगा। अफगानिस्तान को बताना होगा कि उसकी भूमि का भारत में आतंक को बढ़ावा देने के लिए इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। यदि ऐसा आश्वासन मिलता है तो अच्छी तरह परखने के बाद भारत अफगानिस्तान की सरकार को मान्यता देने पर विचार कर सकता है। इसके अलावा हमारी खुफिया एजेंसियों को पश्तून राष्ट्रवादी तत्वों से संपर्क कर उन्हें सशक्त करने का प्रयास करना होगा। डूरंड रेखा को लेकर अफगानिस्तान और पाकिस्तान में मतभेद हैं, इसका लाभ उठाया जा सकता है। चीन उइगर मुसलमानों पर जो अत्याचार कर रहा है उसकी सही तस्वीर भी अफगानिस्तान की जनता और सरकार के सामने रखने का प्रयास होना चाहिए। चीन और तालिबान की दोस्ती विशुद्ध अवसरवादी है। वैचारिक स्तर पर दोनों विपरीत ध्रुवों पर हैं। इन दोनों पक्षों का अप्राकृतिक तालमेल जितना बिगड़े, उतना विश्व शांति के हित में होगा।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

ललन सिंह बोले- कलेजे पर हाथ रखकर सोचिए, मजबूत था तो 71 से 43 पर कैसे आए हम

पटना । जनता दल यूनाइडेट (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह ऊर्फ ललन सिंह ने साफ कर दिया कि पसंद और नापसंद के नाम पर किसी कार्यकर्ता की उपेक्षा नहीं होगी। वे गुरुवार को प्रकोष्ठ अध्यक्षों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पार्टी पदाधिकारियों के साथ उनकी पहली औपचारिक बैठक थी। ललन ने पार्टी की मजबूती के दावों पर बिना किसी टिप्पणी के कहा-आज रात सोने से पहले कलेजे पर हाथ रख कर कुछ देर सोचिए। पार्टी मजबूत हो रही थी तो हमारे विधायकों की संख्या 71 से 43 पर कैसे आ गई। उसके बाद सोचिए कि पार्टी को कैसे मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी को ऐसे कैडरों की जरूरत है जो दिन रात इसके बारे में सोच सके। अगर हरेक जिले में ऐसे कैडर दो सौ भी मिल जाएं तो पार्टी को आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता है। ललन ने कहा कि आप पार्टी और नेता (मुख्यमंत्री नीतीश कुमार) के लिए काम कीजिए। गांवों में पार्टी की मजबूती के सवाल पर उन्होंने पूर्व अध्यक्ष आरसीपी सिंह की लाइन को बदले अंदाज में स्वीकार किया। कहा कि पार्टी को मजबूत करने के लिए गांवों में जाइए। सर्किट हाउस में बैठने से पार्टी मजबूत नहीं होगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कैडर की महत्वपूर्ण भूमिका का उदाहरण अपने संसदीय क्षेत्र मुंगेर के एक कार्यकर्ता के हवाले से दिया। उनके मुताबिक उस कार्यकर्ता का मुझसे खास लगाव नहीं है। लेकिन, चुनाव के समय वह पार्टी की जीत के लिए दिन रात काम करता है। हमारी जीत में उसकी बड़ी भूमिका रहती है। हम भी सम्मान करते हैं।

मेरे काम करने का तरीका अलग- मुंगेर के सांसद ललन ने कहा कि हमारे काम करने का तरीका अलग है। पसंद-नापसंद से अलग रहकर काम करते हैं। आरसीपी के कार्यकाल में बनाए गए इफरात प्रकोष्ठ के औचित्य में ललन सिंह ने इशारे में सवाल उठाया-ट्रेडर्स प्रकोष्ठ है। व्यवसायिक प्रकोष्ठ भी है। बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ और कलमजीवी प्रकोष्ठ है। इस तरह के विरोधाभासी संगठन के औचित्य पर भी विचार करने की जरूरत है।

पंचायत चुनाव से पहले बाल्टी के चक्कर में फंसे मुखिया, सारण जिले की दो पंचायतों से आई शिकायत

दरियापुर (सारण)। सारण प्रखंड में पंचायत चुनाव की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। इस बीच दरियापुर प्रखंड की दो पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधि बाल?टी के चक?कर में फंसते दिख रहे हैं। इन दोनों पंचायतों में चुनाव से ऐन पहले बाल्टी बांटने का मामला जांच के घेरे में आ गया है। दोनों पंचायतों के लोगों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को लिखित व मोबाइल से शिकायत दर्ज कराई है। बताया जाता है कि प्रखंड के खानपुर पंचायत तथा ककरहट पंचायत में पंचायत प्रतिनिधियों की ओर से बाल्टी बांटी गई। वितरण करने की खबर आग की तरह फैल गई। बताया जा रहा है कि खानपुर पंचायत के खानपुर, भगवानपुर, रामपुर जैती वहीं ककरहट पंचायत के ठीका वार्ड नं 12 में पंचायत द्वारा प्लास्टिक की बाल्टी बांटी गई है। इन बाल्टियों पर मुखिया के सौजन्य से लिखा कागज का सटा स्टीकर लगाकर प्रत्येक घर में वितरण किया गया है। बात तब खुली जब बाल्टी से वंचित कुछ लोग शोर करने लगे। इसके कारण मामला तूल पकड़ लिया। ककरहट पंचायत के एक युवक द्वारा एक लिखित शिकायत पत्र प्रखंड विकास पदाधिकारी को सौंपा गया है। वहीं खानपुर पंचायत के दर्जनों लोगों ने मोबाइल से प्रखंड विकास पदाधिकारी को संदेश भेजकर पंचायत द्वारा चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के तहत बाल्टी वितरण किये जाने का आरोप लगाया है।

दोनों पंचायतों के लोगों ने मामले में दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग प्रखंड विकास पदाधिकारी से की है। कुछ लोग इसे सोची समझी-साजिश भी बता रहे हैं। इस संदर्भ में प्रखंड विकास पदाधिकारी का कहना है कि ककरहट पंचायत से लिखित शिकायत पत्र जबकि खानपुर पंचायत से स्थानीय लोगों द्वारा बाल्टी वितरण किये जाने की शिकायत मिली है। दोनों मामलों की जांच कराई जा रही है।

कैमूर में रंगदारी मांगने और फायरिंग करने वाला युवक पिस्टल व कारतूस के साथ गिरफ्तार

दुर्गावती (भभुआ)। स्थानीय थाना क्षेत्र के मचखियां गांव से पुलिस ने पिस्टल एवं दो कारतूस व दो खोखा के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि गिरफ्तार युवक मचखिया गांव का रहने वाला राहुल सिंह है। उसके पिता का नाम राजबंश सिंह है। इसके द्वारा धनेछा गांव के पास हाइवे के उत्तरी लेन में स्थित कावेरी पाइप दुकान में घुस कर एक लाख रुपये की मांग करते हुए फायरिंग किए जाने की सूचना पुलिस को मिली थी। इस सूचना पर पुलिस दुकान पर पहुंची तो यूपी के चंदौली क्षेत्र के बबुरी थाना अंतर्गत सलेमपुर गांव निवासी विवेक कुमार सिंह मौजूद थे तथा अगल-बगल के लोग जुट गए थे। दुकान के अंदर से खाली पड़ा एक खोखा बरामद किया गया। इसके बाद पुलिस राहुल सिंह का पता लगाते हुए मचखिया गांव पहुंची। इसी दौरान सूचना मिली कि मचखिया गांव के ही शंकर चौधरी के पुत्र नितेश कुमार के घर में घुसकर राहुल सिंह द्वारा फायर किया जा रहा है। जब पुलिस मचखिया गांव के नितेश कुमार के घर का पता लगाते हुए संध्या करीब चार बजे पहुंची तो नितेश कुमार के घर से एक व्यक्ति बाहर निकल कर हाथ में पिस्टल लिए भागने लगा। जिसे पुलिस ने पकड़ लिया। इसके बाद नितेश कुमार के घर में फायर के बाद गिरे पड़े एक दूसरे खोखे को बरामद किया गया। पकड़े गए व्यक्ति राहुल कुमार सिंह के पास से एक 7.65 बोर का एक देसी पिस्टल बरामद किया गया तथा लोड पिस्टल को अनलोड करने पर एक कारतूस तथा दूसरा जिंदा कारतूस मैगजीन के अंदर से बरामद किया गया। संयोग अच्छा था कि इन दोनों जगहों पर कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। पुलिस द्वारा मामले में आगे की कार्रवाई करते हुए पकड़े गए आरोपित को गुरुवार न्यायिक हिरासत में भभुआ भेज दिया गया। उसके साथियों का पता लगाया जा रहा है।

बसपा मुखिया मायावती ने विधायक मुख्तार अंसारी का टिकट काटा, अब मऊ से भीम राजभर पार्टी के प्रत्याशी

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने दागी या दबंग प्रत्याशियों को विधानसभा चुनाव में टिकट देने वाली पार्टियों के सामने बड़ी नजीर पेश की है। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने मऊ से पार्टी के विधायक माफिया मुख्तार अंसारी का टिकट काट दिया है। मायावती ने यह भी ऐलान किया कि किसी भी माफिया को टिकट नहीं दिया जायेगा।

उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 की तैयारी में जोरदार ढंग से जुटी बहुजन समाज पार्टी ने शुक्रवार को अपना पहला प्रत्याशी भी घोषित कर दिया है। इसके लिए पार्टी ने बड़ा कदम उठाया है। बसपा ने आजमगढ़ मंडल के मऊ से विधायक बाहुबली मुख्तार अंसारी का टिकट काट दिया है। बांदा जेल में बंद मुख्तार अंसारी के स्थान पर भीम राजभर को पार्टी ने मऊ से अपना प्रत्याशी घोषित किया है। भीम राजभर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती ने मौजूदा विधायक मुख्तार अंसारी को फिर टिकट न देने का फैसला करते हुए कहा है कि अबकी पार्टी का प्रयास होगा कि किसी बाहुबली और माफिया को चुनाव न लड़ाया जाए।

मायावती ने शुक्रवार को तीन ट्वीट किया है। मायावती ने कहा कि अगामी यूपी विधानसभा आमचुनाव में हमारा प्रयास होगा कि किसी भी बाहुबली व माफिया आदि को पार्टी से चुनाव न लड़ाया जाए। आजमगढ़ मंडल की मऊ विधानसभा सीट से अब विधायक मुख्तार अंसारी नहीं भीम राजभर चुनाव लड़ेंगे। पार्टी नेतृत्व ने बसपा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष भीम राजभर के नाम को मऊ से फाइनल किया है।

मायावती ने कहा कि जनता की कसौटी व उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने के प्रयासों के तहत ही लिए गए इस निर्णय के फलस्वरूप पार्टी प्रभारियों से अपील है कि वह पार्टी उम्मीदवारों का चयन करते समय इस बात का खास ध्यान रखें ताकि सरकार बनने पर ऐसे तत्वों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करने में कोई भी दिक्कत न हो। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि बीएसपी का संकल्प कानून द्वारा कानून का राज के साथ ही उत्तर प्रदेश की तस्वीर को भी अब बदल देने का है। जिससे प्रदेश व देश ही नहीं बल्कि बच्चा-बच्चा कहे कि सरकार हो तो बहनजी की सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय जैसी तथा बीएसपी जो कहती है वह करके भी दिखाती है यही पार्टी की सही पहचान भी है।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने यूपीसीसी ऑफिस में शुरू किया बैठकों का दौर, तय होंगे प्रत्याशी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 को लेकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की तैयारी पर पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा लखनऊ में अपने दो दिन के प्रवास में गहन मंथन करेंगी। आज लखनऊ में पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री पंडित गोविन्द वल्लभ पंत की जयंती पर उनको नमन किया।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने तीन दिन के लखनऊ प्रवास में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में बैठकों का दौर शुरू कर दिया है। प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ कांग्रेस कार्यालय में चल रही बैठक में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के साथ विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा मोना तथा विधान परिषद के नेता दीपक सिंह भी मौजूद हैं। माना जा रहा है कि लखनऊ में अपने प्रवास के दौरान प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में पार्टी के प्रत्याशियों का नाम भी तय करने पर नेता तथा कार्यकर्ताओं के साथ मंथन भी करेंगे।

प्रियंका गांधी वाड्रा शुक्रवार तथा शनिवार को होने वाली बैठक में विशेष तौर पर हर गांव कांग्रेस अभियान की समीक्षा करेंगी। इसको लेकर हर जोन से जुड़े पदाधिकारियों को जोन पर कार्य की लिखित जानकारी के साथ पहुंचने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही प्रदेश में मौजूदा सियासी और जातीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए मिशन 2022 को लेकर रणनीति भी बनाएंगी।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज सबसे पहले यूपी कांग्रेस की एडवाइजरी एंड स्ट्रेटजी कमेटी के साथ बैठक की। इसके बाद इलेक्शन कमेटी के साथ बैठक के बाद प्रियंका जोनवार बैठक करेंगी। प्रियंका गांधी विधानसभा चुनावों को लेकर उत्तर प्रदेश के सियासी और जातिगत समीकरणों को ध्यान में रखते हुए अपने उम्मीदवारों का चयन और उनके नामों की घोषणा के साथ प्रमुख चुनावी मुद्दों को लेकर अहम रणनीति भी बनाएंगी।

बीकानेर में गणेश चतुर्थी उत्सव के अवसर पर भक्त भगवान गणेश की मूर्ति को अपने घरों में ले जाते हुए।

मुठभेड़ में मारा गया एक लाख का इनामी बदमाश विजय, गोरखपुर की काजल हत्याकाण्ड में था वांछित

गोरखपुर । गोरखपुर पुलिस को गुरुवार रात एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस की संयुक्त टीम ने गगहा के गोबरहिया पुलिया के पास एक लाख के इनामी विजय प्रजापति को मुठभेड़ में मार गिराया। वह गगहा के जगदीशपुर भलुआन निवासी राजीव नयन सिंह की पुत्री काजल की हत्या में मुख्य आरोपित था। मुठभेड़ में विजय का एक साथी भाग निकला है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।

वीडियो बनाते समय काजल को मारी थी गोली- बता दें बीते 20 अगस्त की रात को विजय अपने साथियों के साथ राजीव नयन सिंह की पिटाई कर रहा था। इस दौरान वहां काजल भी पहुंच गई। उसने पिटाई का विरोध किया। लेकिन बदमाश नहीं माने। ऐसे में काजल पिटाई का वीडियो बनाने लगी। इससे नाराज होकर विजय से काजल को गोली मार दी थी। बाद में लखनऊ में इलाज के दौरान काजल की मौत हो गई थी। पुलिस विजय की तलाश में जुटी थी।

रात करीब तीन बजे पुलिस को जानकारी हुई कि विजय गगहा थाने के रकहट मोड़ स्थित गोबरहिया पुलिस के पास मौजूद है।

ऐसे हुई मुठभेड़- पुलिस ने सूचना को गंभीरता से लेते हुए आनन फानन में स्वाट, सर्विलांस, एसओजी व गगहा थाने की एक टीम गठित करके मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखते ही विजय ने फायर झोंक दिया। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। इससे एक गोली विजय को लगी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस उसे इलाज के लिए सीएचसी गगहा लेकर गई। वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में घटना की जानकारी पाकर एसएसपी डॉ विपिन कुमार ताडा, एसपी साउथ एके सिंह भी मौके पर पहुंच गए। एसएसपी डॉ विपिन कुमार ताडा ने बताया कि विजय प्रजापति पर एक लाख रुपये का इनाम था। वह काजल हत्याकांड में वांक्षित था। रात में गोबरहिया पुलिया के पास उसके होने की सूचना मिली। पुलिस टीम में मौके पर दबिश दिया तो मौके पर दो व्यक्ति थे। एक ने पुलिस पर फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की । इसमें वह घायल हो गया। उसे इलाज के लिए लाया गया, लेकिन चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसकी पहचान विजय के रूप में हुई है। विजय पर हत्या, लूट के करीब दर्जन भर मुकदमे दर्ज हैं। वह गोरखपुर के अलावा एनसीआर क्षेत्र में भी सक्रिय था। वहां अपराध की अधिकांश घटनाओं को उसने अंजाम दिया है। पुलिस विजय के साथी की तलाश में जुटी है।

बागपत में भाजपा के वरिष्ठ नेता आत्माराम तोमर की गला दबाकर हत्या, सीसीटीवी में कैद हुए हत्यारे

बागपत। बड़ौत के बिजरौल रोड पर रहने वाले 75 साल के भाजपा के वरिष्ठ नेता व उत्तर प्रदेश किसान संस्थान के पूर्व उपाध्यक्ष की उनके ही आवास पर हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम गला व मुंह दबाकर दिया है। घटना के बाद हत्यारोपित उनकी स्कार्पियो, मोबाइल और इनोवा कार की चाबी भी ले गए हैं। पुलिस ने देर रात उनके शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। वारदात में शामिल रहे दो आरोपित सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए हैं। दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

जनता वैदिक इंटर कालेज के पूर्व प्रधानाचार्य डाक्टर आत्माराम तोमर मूल रूप से बड़ौत कोतवाली क्षेत्र के ही बिजरौल गांव के रहने वाले थे, जो काफी समय से शहर में बिजरौल रोड पर मकान लेकर अकेले ही रहते थे। उनका चालक विजय भी बिजरौल रोड पर ही रहता था। मेरठ में रहने वाले उनके बड़े बेटे डाक्टर प्रताप ने बताया कि गुरुवार की सुबह उन्होंने अपने पिता को फोन किया था, लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हुआ। शक होने पर रात लगभग साढ़े नौ बजे उन्होंने विजय को फोन कर अपने पिता को देखकर बात कराने के लिए कहा, जिसके बाद विजय उनके आवास पर पहुंचा, लेकिन वहां से स्कार्पियो गायब थी और कमरे के दरवाजे पर ताला लगा हुआ था। विजय ने यह जानकारी उन्हें दी तो उन्होंने विजय को ताला तोड़कर कमरा देखने को कहा, जिस पर विजय ने आवास के ऊपरी हिस्से में किराए पर रहने वाले तीन छात्रों की मदद से रात लगभग 11 बजे कमरे का ताला तोड़ दिया।

विजय ने बताया कि कमरे में डाक्टर आत्मराम का शव बेड पर पड़ा था और चेहरे पर तौलिया लिपटा था और उनके ऊपर कंबल ढका हुआ था। उनके कान से खून निकल रहा था और चेहरे और हाथ पर चोट के निशान थे। कमरे से उनका

एक मोबाइल, इनोवा कार की चाबी भी गायब थी। उसने घटना की जानकारी डाक्टर प्रताप को देने के साथ-साथ पुलिस और भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष डाक्टर कुलप्रकाश को भी दी। कुछ ही देर में कोतवाली प्रभारी रवि रतन सिंह पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसके बाद रात एक बजे मेरठ से उनके बेटे प्रताप अपनी पत्नी नेहा और बच्चों के साथ आवास पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

एसपी नीरज कुमार जादौन ने बताया कि डाक्टर आत्माराम के छोटे बेटे अरविंद की पत्नी विनीता का सगा चाचा प्रवीण निवासी सौंटा, मुजफ्फरनगर ने अपने दोस्त बलराम निवासी सांकलपूट्ठी थाना चांदीनगर के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया है चूंकि प्रवीण डाक्टर आत्माराम की गैस एजेंसी के गोदाम पर रहता था और कुछ समय पहले उन्होंने उसका चलन देखते हुए हटा दिया था, जिसके बाद प्रवीण उनसे नाराज हो गया था, लेकिन कई माह से डाक्टर आत्माराम ने उसे दोबारा फिर गोदाम पर रख लिया था। प्रवीण डाक्टर आत्माराम के आवास पर भी आता जाता रहता है। डाक्टर प्रताप की तहरीर पर प्रवीण और बलराम के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। घटना के बाद उनके आवास पर भाजपा नेताओं का आना जाना लगा हुआ है।

भाजपा से जुड़े रहे हैं डाक्टर आत्माराम तोमर- डाक्टर आत्माराम तोमर एक लंबे समय से भाजपा से जुड़े रहे हैं। उन्होंने 1996 में छपरौली विधानसभा से चुनाव भी लड़ा था, लेकिन वह हार गए थे। उसके बाद वर्ष 1997 से 2002 तक उत्तर प्रदेश किसान संस्थान के उपाध्यक्ष भी रहे हैं। वह अभी तक पार्टी में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। डाक्टर आत्मराम तोमर के आवास पर गुरुवार की सुबह लगभग 6.42 मिनट पर दो युवक बाइक पर आए और बाहर का दरवाजा खोलकर बाइक लेकर अंदर चले गए। एक युवक हेलमेट लगाए तो दूसरे ने सफेद गमछा अपने चेहरे पर लपेट रखा था। उसके बाद सुबह ही 7.26 मिनट पर दोनों युवकों ने अंदर से दरवाजा खोला और एक उनकी स्कार्पियो लेकर चला गया जबकि दूसरा दरवाजा बंद कर बाइक पर चला गया। दोनों युवक आवास के सामने सड़क पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए।

सुबह पहुंचे पुलिस के अधिकारी- घटना के बाद रात के समय कोतवाली प्रभारी रवि रतन सिंह व सीओ आलोक सिंह मौके पर पहुंचे तो सुबह एसपी नीरज कुमार जौदान पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्वजन से बातचीत कर घटना का राजफाश कर आरोपितों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया।

भाजपा नेता भी पहुंचे- भाजपा जिलाध्यक्ष सूरजपाल सिंह, नगर पालिका चेयरमैन अमित राणा, सरिता चौधरी, पूर्व जिलाध्यक्ष डाक्टर कुलप्रकाश, पूर्व जिलाध्यक्ष सतेंद्र पंवार, डाक्टर नीरज कौशिक, योगेश तोमर सभासद, वीरेंद्र राणा, बिजेंद्र शर्मा आदि उनके घर पहुंचे।

ममता बनर्जी व नीतीश को एक मंच पर लाने की तैयारी, लालू और तेजस्वी का पत्ता कटा

पटना। देश की राजनीति में एक बार फिर तीसरे मोर्चे की संभावनाओं पर चर्चा होने लगी है। किसान आंदोलन और जाति आधारित जनगणना सहित अन्य मसलों को लेकर गैर कांग्रेसी विपक्षी दल एक मंच पर आने की कोशिश में जुटे हैं। जाहिर है इससे बिहार की राजनीति भी अछूती नहीं रह सकती है। संभावित तीसरे मोर्चे के एक बड़े आयोजन में एनडीए सरकार की प्रबल विरोधी ममता बनर्जी, राकांपा चीफ शरद पवार , शिरोमणि अकाली दल से पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा जैसे चेहरों को एक साथ आने की तैयारी है।

इसमें मजेदार बात यह है कि कार्यक्रम के लिए भाजपा के अनन्य सहयोगी जदयू के नेता और बिहार में एनडीए सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी बुलावा मिला है।

यह कार्यक्रम हरियाणा के जींद में पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की जयंती पर आयोजित किया जा रहा है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला इसकी अगुवाई कर रहे हैं।

इस आयोजन से जुड़ी कुछ और भी खास बातें हैं। गौर करने वाला एक मसला यह भी है कि नीतीश कुमार हाल में ही चौटाला से मिलने पहुंचे थे और दोनों नेताओं ने अपनी नजदीकी का जिक्र किया था। अब अपनी दोस्ती निभाते हुए नीतीश कुमार इस कार्यक्रम में भाजपा के तमाम बड़े विरोधियों के साथ मंच शेयर करते हैं या नहीं, यह वक्त बताएगा। यह कार्यक्रम 25 सितंबर को होना है और जदयू के कुछ नेताओं की मानें तो नीतीश इसमें नहीं जाएंगे।

अब तक जो जानकारी मिल रही है, उसमें भाजपा विरोधी दलों के इतने बड़े आयोजन में बिहार के प्रमुख दल राजद को न्यौता नहीं मिला है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी को इस आयोजन के लिए बुलावा मिलने की कोई जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। जबकि ऊपर हमने जितने भी नेताओं के नाम गिनाए हैं, उन सभी को आमंत्रण भेजने का दावा खुद आयोजकों ने किया है।

लालू की पार्टी का भाजपा विरोध किसी से छिपा नहीं है। उल्टे यह वैसी पार्टी है, जिसने अब तक कभी भाजपा से समझौता नहीं किया। इसके बावजूद चौटाला के मंच पर इनको न्यौता नहीं मिलना, कई तरह की चर्चाओं को जन्म दे रहा है।

लखनऊ से शिक्षकों को लेकर आ रही वैन सीतापुर में ट्रक से टकराई, सात घायल; दो गंभीर

सीतापुर । लखनऊ से पहला क्षेत्र के जसमंडा और भगवंतपुर गांव के प्राथमिक विद्यालय में तैनात शिक्षिकाओं को ले जा रही वैन की टक्कर सामने से आ रहे ट्रक से हो गई। हादसे में वैन का अगला हिस्?सा बुरी तरह से पिचक गया। हादसा महमूदाबाद बिसवां मार्ग स्थित पचदेवरा गांव के पास हुआ। इस दुर्घटना में ड्राइवर और एक शिक्षिका को गंभीर चोटें आईं, जिन्हें इलाज के बाद लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। वहीं वैन सवार पांच अन्य शिक्षिकाओं का प्राथमिक उपचार किया गया।

यह है घटना- शुक्रवार की सुबह प्राथमिक विद्यालय जसमंडा और भगवंतपुर में तैनात शिक्षिकाएं नीतू गुप्ता पत्नी शेखर गुप्ता निवासी जानकीपुरम लखनऊ, प्रीति यादव पुत्री रामविलास निवासी विकास नगर लखनऊ, निहारिका सोनकर पत्नी निमेष गुप्ता निवासी अलीगंज लखनऊ, एतिशा यादव पुत्री चन्द्र शेखर निवासी गुडंबा लखनऊ, रचना पत्नी अशोक कुमार निवासी इंदिरा नगर लखनऊ, शालू अग्रवाल पत्नी राहुल अग्रवाल निवासी तालकटोरा लखनऊ वैन से अपने तैनाती के विद्यालय जा रहीं थीं। महमूदाबाद बिसवां मार्ग पर पचदेवरा गांव के समीप एक ट्रक से वैन की आमने सामने की टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन के परखच्चे उड़ गए। वहीं आसपास से गुजर रहे लोगों ने आनन फानन में इमरजेंसी सेवा 112 और 108 पर कॉल किया। करीब आधे घंटे बाद मौके पर 112 का वाहन पहुंचा और घायल शिक्षिकाओं को लेकर सीएचसी महमूदाबाद आया। वहीं वैन में ड्राइवर शिवकुमार पुत्र पूर्वीदीन निवासी निरालानगर करीब एक घण्टे तक घायल अवस्था मे अंदर फंसा रहा जिसे लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। काफी देर बाद पहुंची एंबुलेंस ने घायल ड्राइवर को अस्पताल पहुंचाया।

जहां सभी के प्राथमिक उपचार के बाद ड्राइवर शिवकुमार और शिक्षिका शालू अग्रवाल को लखनऊ के ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। सूचना पाकर कोतवाल उमाकांत दीपक घटना स्थल पहुंचे। खंड शिक्षा अधिकारी पहला अजय विक्रम ने भी अस्पताल पहुंच घायलों का हाल जाना।

सिबगतुल्लाह अंसारी के बाद अन्य अंसारी बंधु भी थाम सकते हैं समाजवादी पार्टी का हाथ

लखनऊ । मऊ से विधायक माफिया मुख्तार अंसारी का बहुजन समाज पार्टी से टिकट कटने के बाद अब गाजीपुर से बहुजन समाज पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी और मुख्तार अंसारी के करीबी जेल में बंद घोसी से सांसद अतुल राय को भी अब बसपा में खतरा है। माना जा रहा है कि पार्टी से बाहर होने से पहले अंसारी परिवार के साथ ही अतुल राय भी समाजवादी पार्टी का दामन थाम सकता है।

अंसारी परिवार में सबसे बड़े भाई सिबगतुल्लाह अंसारी के समाजवादी पार्टी का दामन थामने के बाद अब बसपा से टिकट न मिलने के बाद बांदा जेल में बंद मुख्तार अंसारी और गाजीपुर से सांसद अफजाल अंसारी भी अपने भाई के साथ हो सकते हैं। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव से पहले मुख्तार अंसारी और उनका परिवार भी समाजवादी पार्टी का दामन थाम सकता है। यह कोई पहली बार नहीं होगा, जब मुख्तार अंसारी को बहुजन समाज पार्टी से टिकट नहीं दिया गया है। जरायम के बाद खादी का दामन थामने वाले मुख्तार अंसारी ने 1996 में हाथी की सवारी की थी और वह पहली बार विधानसभा पहुंचा था। मुख्तार को इसके कुछ दिन बाद ही बसपा मुखिया मायावती ने पार्टी से बाहर रास्ता दिखा दिया था।

मऊ के अंसारी बंधुओं में सबसे बडे सिबगतुल्लाह अंसारी के चंद राजे पहले ही अखिलेश यादव की मौजूदगी में बेटे के साथ समाजवादी पार्टी (एसपी) में शामिल होने के बाद उनके विधायक भाई मुख्तार अंसारी का भी नया ठिकाना समाजवादी पार्टी हो सकता है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने पिछले दिनों सिबगतुल्लाह अंसारी के बसपा छोड़ समाजवादी पार्टी में जाने के बाद से ही बांदा जेल में बंद आपराधिक छवि के मुख्तार अंसार से किनारा करने का संकेत दे दिया था। मुख्तार अंसारी के साथ ही अब बसपा से सांसद उनके भाई अफजाल अंसारी की भी छुट्टी तय मानी जा रही है।

बसपा विधायक मुख्तार अंसारी के बड़े भाई सिबगतुल्लाह अंसारी के साथ उनके बेटे मन्नू अंसारी ने सपा का दामन थाम लिया है। गाजीपुर जिले की मुहम्मदाबाद विधानसभा सीट से दो बार विधायक रहे चुके मुख्तार के बड़े भाई सिबगतुल्लाह को लखनऊ में सपा मुख्यालय पर अखिलेश यादव ने सदस्यता दिलाई थी। अंसारी परिवार पहले भी सपा का हिस्सा रह चुका है। सिबगतुल्लाह अंसारी को 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की अलका राय से हार का सामना करना पड़ा था। अब एक बार फिर उनके सपा में आने पर गाजीपुर की सियासत दिलचस्प होने जा रही है।

आजादी के अमृत महोत्सव पर जबलपुर में होगा बहुआयामी समारोह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह होंगे कार्यक्रम में शामिल

भोपाल (एजेंसी)। आजादी के अमृत महोत्सव पर 18 सितंबर को जबलपुर में बहुआयामी समारोह हो रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह विशेष रूप से इस कार्यक्रम में आ रहे हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रालय में हुई एक बैठक में समारोह की तैयारियों की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के तहत जनजाति नायकों का यह गौरव समारोह पूरी गरिमा और व्यवस्थित रूप से सम्पन्न करवाने की व्यवस्था की जाए। जबलपुर में इस समारोह में आदिवासी जननायक शंकरशाह और रघुनाथ शाह के बलिदान का स्मरण किया जाएगा। उनके बलिदान की गाथा की गीत-संगीतमय प्रस्तुति की तैयारी की जा रही है। समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री और अन्य अतिथियों द्वारा शहीद शंकरशाह और रघुनाथ शाह की मूर्तियों पर माल्यार्पण भी किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रख्यात कवयित्री स्व. सुभद्रा कुमारी चौहान की ओजस्वी कविताओं की प्रस्तुति भी होगी। आजादी के 75वें अमृत महोत्सव में जनजाति नायकों के इस गौरव समारोह में प्रदर्शनी, पुस्तक लोकार्पण, फिल्म प्रदर्शन और ई-एलबम के लोकार्पण की गतिविधियां भी होंगी। केंद्रीय गृह मंत्री स्वाधीनता आंदोलन पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। विभिन्न ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों के चित्रों की प्रदर्शनी के माध्यम से उनके राष्ट्र को दिए गए अमिट योगदान का स्मरण किया जाएगा। समारोह में अमर शहीद राजा शंकरशाह एवं रघुनाथ शाह के काव्य सृजन को ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा अपराध मानकर दोनों को तोप के मुंह से बांधकर मौत के घाट उतार देने के प्रसंग को कविता के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। लोक कलाकारों द्वारा यह प्रस्तुति होगी। समारोह से संबंधित की जा रही तैयारियों की विस्तृत जानकारी प्रमुख सचिव संस्कृति, जनसंपर्क और पर्यटन शिवशेखर शुक्ला और प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग पल्लवी जैन गोविल ने प्रदान की। मुख्यमंत्री ने जबलपुर जिला प्रशासन को इस संबंध में आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए हैं। कार्यक्रम में जनजाति समुदाय के मुखियाओं को भी आमंत्रित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने स्व सहायता समूहों की सदस्य बहनों की भागीदारी और उससे संबंधित आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

सीएम शिवराज ने की तैयारियों की समीक्षा

तीनों कंपनियों में खरीदी विद्युत सामग्री की गुणवत्ता की अब समय पर होगी जांच

प्रदेश में दस एनएबीएल मान्यता प्राप्त लैब की स्थापना : तोमर

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश की तीनों विद्युत वितरण कंपनियों में खरीदी जा रही विद्युत सामग्री जैसे ट्रांसफ र्मर, कंडक्टर, केबिल, बिजली मीटर की गुणवत्ता की जांच अब समय पर हो सकेगी। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि इस कार्य के लिए प्रदेश में 10 एनएबीएल मान्यता प्राप्त लेब की स्थापना की जा रही है। उन्होंने बताया है कि देश में पहली बार विद्युत वितरण कंपनी द्वारा पूर्णतः ऑटोमेटिक परीक्षण प्रयोगशाला मप्र में स्थापित की जा रही हैं। यह कार्य आत्म-निर्भर मप्र योजना में शामिल है।

तीनों विद्युत वितरण कंपनियों के सभी क्षेत्रीय भंडारों में यह लेब स्थापित की जा रही हैं। मध्य क्षेत्र में भोपाल, गुना एवं ग्वालियर, पूर्व क्षेत्र में जबलपुर, सागर, सतना, छिंदवाड़ा, छतरपुर और पश्चिम क्षेत्र में इंदौर तथा उज्जैन में लेब स्थापित की जा रही है। इन प्रयोगशालाओं के शुरू होने से जहां एक ओर वितरण कंपनियों द्वारा विद्युत सामग्री के परीक्षण के लिए सीपीआरआई एवं एरडा सहित अन्य प्रयोगशालाओं में दिए जा रहे शुल्क की बचत होगी, वहीं दूसरी ओर समय पर शत-प्रतिशत ऑटोमेटिक परीक्षण होने से विद्युत सामग्री एवं उपकरणों की गुणवत्ता में सुधार होगा। इससे फीडर ट्रिपिंग और विद्युत सामग्री खराब होने के कारण हो रहे विद्युत अवरोध में कमी आएगी।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री ने पं. गोविंद वल्लभ पंत की जयंती पर किया नमन

भोपाल(एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वतंत्रता सेनानी और वरिष्ठ भारतीय राजनेता पं. गोविंद बल्लभ पंत की जयंती पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मुख्यमंत्री निवास के सभागार में पं. गोविंद बल्लभ पंत के चित्र पर माल्यार्पण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अपने ट्वीट संदेश में कहा कि स्वतंत्रता सेनानी, भारत के पूर्व गृह मंत्री, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे, भारत रत्न श्रद्धेय स्व. पं. गोविंद बल्लभ पंत के राष्ट्र एवं समाज की उन्नति के लिए किए गए कार्य सदैव हम सबको देश की सेवा, गरीबों एवं असमर्थों के उत्थान के लिए प्रेरित करते रहेंगे। पं. गोविंद बल्लभ पंत स्वतंत्रता सेनानी और वरिष्ठ भारतीय राजनेता थे। वे भारत के चौथे गृहमंत्री थे। सन् 1957 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। गृहमंत्री के रूप में उनका मुख्य योगदान भारत को भाषा के अनुसार राज्यों में विभक्त करना तथा हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में प्रतिष्ठित करना था। उनका जन्म 10 सितंबर 1887 को अल्मोड़ा जिले के श्यामली पर्वतीय क्षेत्र स्थित गांव खूंट में हुआ, 7 मार्च 1961 को हृदयाघात से जूझते हुए उनका अवसान हुआ।

केंद्रीय मंत्री गडकरी से मिले प्रदेश के श्रम मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह

भोपाल । श्रम एवं खनिज साधन मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से सौजन्य भेंट की। मंत्री सिंह ने पन्ना विधानसभा के तहत पन्ना - पहाड़ीखेरा मुख्य मार्ग का उन्नयन एवं चौड़ाई बढ़ाई जाने के लिए बजट उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पन्ना-पहाड़ीखेरा मुख्य मार्ग को शीघ्र सीआरआईएफमद में शामिल कर स्वीकृ त कर बजट उपलब्ध कराए जाने का आश्वासन दिया है।

चौबे सामान्य निर्धन वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष नियुक्त, मंत्री का दर्जा मिला

भोपाल । राज्य सरकार ने शिव कुमार चौबे को सामान्य निर्धन वर्ग कल्याण आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति के बाद उन्हें मंत्री का दर्जा भी दे दिया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। चौबे मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के भरोसमंद नेताओं में शुमार किए जाते हैं। भाजपा सरकार के पिछले कार्यकाल के दौरान भी चौबे को खनिज विकास निगम का अध्यक्ष के साथ ही गौ संवर्धन आयोग का अध्यक्ष भी बनाया जा चुका है।

एनएएस की तैयारी के लिए कलेक्टर छतरपुर की पहल सराहनीय : धनराजू

भोपाल । संचालक राज्य शिक्षा केंद्र धनराजू एस ने बताया कि स्कूली विद्यार्थियों को राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे (एनएएस) 2021 की तैयारी कराने के लिए छतरपुर जिला कलेक्टर शैलेंद्र सिंह ने एक नवीन पहल की है। जिले में शिक्षा विभाग के साथ ही अन्य विभागों के अधिकारियों को भी दो-दो क्लस्टर का जिला स्तरीय नोडल नियुक्त कर विद्यार्थियों की तैयारी बेहतर कराने की जिम्मेदारी सौपी गई है। श्री धनराजू ने कलेक्टर छतरपुर की पहल की सराहना की और कहा कि सभी के समेकित प्रयासों से छतरपुर जिले के विद्यार्थी राष्ट्र-व्यापी सर्वे में सर्वोत्तम प्रदर्शित करेंगे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे 2021 का राष्ट्र-व्यापी आयोजन 12 नवंबर 2021 को किया जा रहा है। इसमें कक्षा तीसरी, पांचवी और आठवीं के विद्यार्थियों की शैक्षणिक योग्यताओं को परखा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के कम वैक्सीनेशन वाले जिलों के कलेक्टरों के साथ की वीसी

टीकाकरण सुनिश्चित करने के लिए अब वोटर लिस्ट बनेगी आधार

30 की बजाय 26 तक प्रथम डोज शत प्रतिशत लगाने का नया लक्ष्य तय

कलेक्टरों ने कम वैक्सीनेशन के लिए त्यौहार, बारिश और सिरींज की कमी को बताया जिम्मेदार

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कम वैक्सीनेशन एवं डेंगू प्रभावित जिलों के कलेक्टर्स के साथ समीक्षा की। इस दौरान मंत्री विश्वास सारंग और प्रभुराम चौधरी भी उपस्थित थे।

भोपाल (एजेंसी)। मप्र में अब 30 के बजाय 26 सितंबर तक प्रथम डोज के वैक्सीनेशन का कार्य पूरा किया जाएगा। इस लक्ष्य को अब चार दिन पहले हासिल करना होगा। इधर अब सभी पात्र व्यक्तियों का टीकाकरण सुनिश्चित करने के लिए वोटर लिस्ट का सहारा लेने की व्यवस्था तय कर दी गई है।

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने शुक्रवार को इस संबंध में निर्देश दिए हैं। उन्होंने वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग से कम वैक्सीनेशन और डेंगू प्रभावित जिलों के कलेक्टरों से वर्चुअली चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश में 26 सितम्बर तक प्रथम डोज का शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन पूर्ण किया जाए। सभी पात्र व्यक्तियों के टीकाकरण के लिए वोटर लिस्ट को आधार बनाया जाए। गांव तथा वार्डों से जो व्यक्ति रोजगार के सिलसिले में बाहर गए हैं उनकी जानकारी दर्ज कर शेष सभी व्यक्तियों को वैक्सीन की प्रथम डोज लगाना सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डेंगू से बचाव के उपायों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री चौहान स्वयं 15 सितंबर को सुबह 10 से 10.30 बजे के बीच डेंगू के विरूद्ध इस अभियान में फॉगिंग, लारवा नष्ट करने, जल जमाव को खाली करने जैसी डेंगू से बचाव और नियंत्रण संबंधी गतिविधियों में भाग लेंगे। चौहान ने 70 प्रतिशत से कम वैक्सीनेशन वाले जिलों सतना, श्योपुर, भिण्ड, धार, रीवा, सीधी, खरगौन मंडला, मुरैना, कटनी, बालाघाट, छिंदवाड़ा, शिवपुरी, सिंगरोली, बड़वानी, अलीराजपुर और बैतूल के कलेक्टरों से टीकाकरण में कमी के कारणों पर चर्चा की।

सतना कलेक्टर ने कहा कि टीके की डोज पर्याप्त है पर सिरींज कम मिल पाने के कारण टीकाकरण प्रभावित हुआ है। छिंदवाड़ा कलेक्टर ने बताया कि पोला, तीजा आदि त्यौहारों से टीकाकरण की गति प्रभावित हुई है। बैतूल कलेक्टर ने कहा कि त्यौहारों के साथ अधिक वर्षा ने टीकाकरण को प्रभावित किया है। साथ ही डेंगू तथा अन्य मौसमी बुखार के कारण कुछ प्रकरणों में टीकाकरण को लंबित किया गया है। मंडला कलेक्टर ने बताया कि टीकाकरण अभियान को गति देने के लिए वन विभाग की टीमों को भी लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में अब तक 75 प्रतिशत पात्र नागरिकों को प्रथम डोज तथा 17 प्रतिशत नागरिकों को वैक्सीन का द्वितीय डोज लग चुका है।

डोज और सिरींज की समान उपलब्धता सुनिश्चित करें

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म-दिवस 17 सितंबर को पूरे प्रदेश में वैक्सीनेशन महाअभियान संचालित किया जाए। प्रयास यह हो कि प्रदेश के शत-प्रतिशत पात्र नागरिकों को वैक्सीन का प्रथम डोज 17 सितंबर को लग जाए। जो व्यक्ति शेष रहें उनका भी वैक्सीनेशन 26 सितंबर तक अनिवार्यतः सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांग और वरिष्ठ जन का वैक्सीनेशन उनके घरों पर करने के लिए जिला कलेक्टर ग्राम और वार्ड स्तर तक आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें। सभी जिलों में आवश्यकतानुसार वैक्सीन उपलब्ध कराई जाए और वैक्सीन की डोज के अनुपात में ही जिलों को सिरींज प्राप्त हो। डोज और सिरींज की उपलब्धता के मिस मैच के कारण टीकाकरण प्रभावित नहीं होना चाहिए।

प्रदेश में डेंगू के 2200 केस

मुख्यमंत्री ने डेंगू से सर्वाधिक प्रभावित जिलों मंदसौर, जबलपुर, रतलाम, आगर- मालवा, भोपाल, छिंदवाड़ा और इंदौर के कलेक्टरों से भी चर्चा की। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश में डेंगू के 2200 केस विद्यमान हैं। भोपाल कलेक्टर ने बताया कि शहर के 11 वार्डों में डेंगू के प्रकरण हैं। नियंत्रण के लिए सघन फॉगिंग और लारवा नष्ट करने का कार्य जारी है। घरों में जल भराव मिलने पर जुर्माना भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डेंगू होने के कारणों की जड़ पर प्रहार आवश्यक है। बैठक में जानकारी दी गई कि डेंगू के रोगियों के उपचार के लिए सभी जिला चिकित्सालयों में 10 बिस्तर का आइसोलेशन वार्ड भी संचालित किया जा रहा है।

सिद्धि-विनायक का आशीर्वाद पूरे प्रदेश और देश की जनता पर बरसे : सीएम

शिवराज ने प्रदेशवासियों को दीं गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेशवासियों को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों के मंगल की कामना की है। साथ ही कोरोना की तीसरी लहर से बचने के लिए आवश्यक सावधानियों का पालन करने का अनुरोध भी किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास से मीडिया के माध्यम से दिए गए अपने संदेश में कहा कि प्रथम पूज्य भगवान गणेश सब पर कृपा की वर्षा करें। सिद्धि-विनायक का आशीर्वाद पूरे प्रदेश और देश की जनता पर बरसे। सब सुखी हों, सब निरोग हों, सब का मंगल हो, सब का कल्याण हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक और अपील करना चाहता हूं, गणेश जी हम सब पर आशीर्वाद की वर्षा करते हैं और गणेश उत्सव हम बहुत धूमधाम से बनाते रहे हैं, लेकिन अभी कोरोना की तीसरी लहर आने का संकट बरकरार है। देश के कई प्रदेशों में बड़ी संख्या में कोरोना के पॉजिटिव केस मिल रहे हैं। इसके कारण कुछ मृत्यु भी हो रही हैं। इसलिए हम कोविड के संक्रमण को रोकने के नियमों का पालन करते हुए ही गणेंश उत्सव मनाएं। मास्क लगाए रहें, ज्यादा भीड़ एकत्रित न हो, जो गाइड लाइन है उसका पूरा पालन करें, ताकि आनंद के साथ हम गणेश जी की पूजा और अर्चना कर सकें। इसके साथ ही गणेश जी से प्रार्थना कर अपने और अपने प्रदेश के मंगल की कामना भी कर सकें और कोविड को फैलने से रोकने में भी हम सफल हों। गणेश जी से यह प्रार्थना है कि तीसरी लहर न आए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भगवान भी हमारी मदद तब करते हैं जब हम अपनी मदद स्वयं करते हैं। हमें मर्यादाओं का पालन करना होगा जिससे कोविड नहीं फैले।

बांस के समग्र विकास का पांच वर्षीय रोड-मैप तैयार

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में एक जिला-एक उत्पाद योजना में देवास और हरदा जिले में बांस क्षेत्र के समग्र विकास का 5 वर्षीय रोड मेप तैयार किया गया है। इन दोनों जिले में 3800 हेक्टेयर क्षेत्र में बांस रोपण के साथ 2500 किसान और बांस शिल्पियों को कौशल उन्नयन का प्रशिक्षण दिलाया जाएगा।

देवास और हरदा जिले के 3800 हेक्टेयर क्षेत्र में होगा बांस रोपण

वन विभाग के अधीन राज्य बांस मिशन द्वारा इन जिलों में बांस प्र-संस्करण की 6 इकाइयां भी स्थापित की जाकर बांस विपणन में सहयोग प्रदान करेगा। बांस मिशन देवास और हरदा जिले के किसानों को प्रोत्साहित कर 1400 हेक्टेयर अनुपजाऊ निजी भूमि पर बांस रोपण कराकर अनुदान उपलब्ध कराएगा। इसके अलावा विभागीय रोपण और मनरेगा में 2250 हेक्टेयर क्षेत्र में बांस-रोपण कराएगा। बांस मिशन की इस महत्वाकांक्षी योजना में किसानों और बांस शिल्पियों को तकनीकी मार्गदर्शन और कौशल उन्नयन का प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाकर किसानों और स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर के साथ ही उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। इसी तरह प्राथमिक प्र-संस्करण और मूल्य वर्धन इकाइयों की स्थापना के साथ ही बांस कटाई के बाद के बुनियादी ढांचे का विकास किया जा सकेगा। बांस उत्पादों को बेहतर कीमत दिलाने के लिए बांस बाजार और एम्पोरियम का सहयोग लिया जाएगा।

पिछड़े वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण पर कांग्रेस ने निकाली आभार यात्रा

पीसीसी चीफ कमलनाथ ने झंडी दिखाकर किया रवाना

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में पिछड़े वर्ग को 27 फीसदी एवं सामान्य वर्ग को 10 फीसदी आरक्षण मिलने पर प्रदेश कांग्रेस पिछड़ा वर्ग ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के प्रति आभार व्यक्त करने शुक्रवार को आभार यात्रा निकाली, जो प्रदेश के विभिन्न जिलों में जाकर भाजपा सरकार की पोल खोलने के साथ कमलनाथ का आभार व्यक्त करेगी। यात्रा को कमलनाथ ने शुक्रवार को हरी झड़ी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर मीडिया से चर्चा में कमलनाथ ने कहा कि शिवराज कहते है मैं किसान का बेटा हूं और आज कृषि क्षेत्र का क्या हाल है पूरा प्रदेश जानता है 18 सालो से शिवराज सिंह कहते है में आप का मामा हूं आज महिलाओं पर जो अत्याचार हो रहे हैं, मध्य प्रदेश नंबर एक पर है। 28 साल से शिवराज सिंह कहते रहे में ओबीसी का रक्षक हूं और आज तक पिछ्ड़ी ओबीसी जाति क ा आरक्षण नहीं हुआ, जब से हम लोग लगे हैं हमारी सरकार आई हम ने ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण लागू किया। इसमें भाजपा सरकार श्रेय लेना चाह रही है, जनता इसका फैसला करे इसमें भावनाओं की बात होती है, मुंह चलाने से नहीं होता है। ये दिल की बात है, ये हमारी नियत थी इसलिए हमने 27 फीसदी आरक्षण लागू किया, मुझे श्रेय की आवश्यकता नहीं, सच्चाई की आवश्यकता है मैं उम्मीद करता हूं मध्य प्रदेश के हर ओबीसी से आप सच्चाई की बात कीजिए । यात्रा के प्रभारी पवन कुमार पटेल महासचिव प्रदेश कांग्रेस ने कहा की इस यात्रा के माध्यम से हम पूरे प्रदेश में जा जा कर आम जनता से संवाद स्थापित कर भाजपा के चाल, चरित्र और चेहरे को उजागर करेंगे, यदि भाजपा सरकार पिछड़े वर्ग की हितैषी होती तो जब इतने दिनों तक भाजपा की सरकार थी, तब पिछड़े वर्ग को आरक्षण क्यों नहीं दिया इस बात से यही सिद्ध होता है की भाजपा केवल पूंजीपतियो के लिए काम करती है, आम जनता, गरीब पिछड़ा किसान से सरकार का कोई सरोकार नहीं है।

आगे श्री पटेल ने कहा की हम सारे प्रदेश में जाकर संविधान और देश बचाने के लिए सभी से एकजुट होकर भाजपा जैसी फिरकापरस्त ताकतों को उखड फेंकने की अपील करेंगे। यात्रा इस चरण में सागर, दमोह, पन्ना, छतरपुर, निमाड़ी, टीकमगढ़, दतिया, ग्वालियर, भिंड, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदिशा आदि जिलो में जाएगी ।

भाजपा का झूठ-फरेब, भ्रष्टाचार एवं जनविरोधी नीतियों को उजागर करें

भोपाल । भाजपा के खिलाफपूरी ताकत के साथ आक्रमक होकर जनता के समक्ष भाजपा का झूठ, फरेब, भ्रष्टाचार एवं जनविरोधी नीतियों को उजागर करें। साथ ही कांग्रेस सरकार के दौरान लिए गए निर्णय और जनहितैषी कार्यों की सच्चाई जनता को बताए। यह बात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस के प्रकोष्ठों के अध्यक्षों और समन्वयकों की बैठक में कही। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह भी उपस्थित थे। बैठक में श्री नाथ ने प्रकोष्ठों के प्रमुख और समन्वयकों से प्रदेश स्तर पर की जा रही गतिविधियों की विस्तृत जानकारी ली एवं भविष्य की कार्ययोजनाए पार्टी की मजबूती और प्रकोष्ठों के विस्तार पर चर्चा की। साथ ही जिला एवं ब्लाक स्तर तक प्रकोष्ठ की गतिविधियों में तेजी लाने के लिए निदेर्शित किया। बैठक में प्रकोष्ठों के अध्यक्षों एवं समन्वयकों ने भी अपने सुझाव दिए। बैठक में प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्षद्वय चंद्रप्रभाष शेखर, प्रकाश जैन, कांग्रेस के विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्षगण एवं समन्वयगण भगवान सिंह यादव, जेपी धनोपिया, अभय तिवारी, सै. साजिद अली, अजय शाह, आरडी त्रिपाठी, आभा सिंह, विभा पटेल, अजीता वाजपेयी पांडे, अजय सिंह यादव, जितेन्द्र मिश्रा, नरेन्द्र सिंह पांधे, डीएस राय, वीरेन्द्र खोंगल, सजी इब्राहिम, हरिशंकर शुक्ला, मो. सगीर, राम नरेश त्रिपाठी, प्रशांत मिश्रा सहित लगभग 20 से अधिक प्रकोष्ठों के अध्यक्ष एवं समन्वयक आदि उपस्थित थे।

कमलनाथ ने प्रकोष्ठों के अध्यक्षों और समन्वयकों की ली बैठक

केंद्रीय खान मंत्रालय के कार्यक्रम को बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने किया संबोधित, कहा

हीरा, तांबा, कोयला उत्पादन में मप्र एक अग्रणी राज्य

भोपाल (एजेंसी)। खनिज साधन मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि खनिज संपदा की दृष्टि से मप्र एक खनिज बाहुल्य प्रदेश है। उन्होंने कहा कि राज्य में लगभग सभी प्रकार के मुख्य एवं गौण खनिज पाए जाते हैं। वर्तमान में प्रदेश हीरा, तांबा, कोयला, चूना पत्थर, मैग्नीज, बाक्साइट, रॉक फ ास्फेट, लेटेराइट, डोलोमाइट आदि के उत्पादन में एक अग्रणी राज्य है। केंद्रीय खान मंत्रालय द्वारा मप्र राज्य को जी-4 स्तर के 21 खनिज ब्लॉक नीलामी के लिए उपलब्ध कराने के संबंध में आयोजित कार्यक्रम में खनिज मंत्री सिंह ने यह बात कही।

मंत्री सिंह कहा कि भारत सरकार द्वारा विभिन्न राज्यों को जी-4 श्रेणी के 100 ब्लॉक नीलामी के लिए प्रदाय किए जा रहे हैं, उनमें से सबसे ज्यादा खनिज ब्लॉक मप्र राज्य को प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि उक्त ब्लॉकों को नीलामी में रखे जाने की कार्रवाई तीव्र गति से होगी, जिससे भारत सरकार की मंशा अनुसार मप्र राज्य में खनिज विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा मुख्य खनिजों के निवर्तन को नीलामी प्रक्रिया से देने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि मप्र राज्य द्वारा अभी तक पांच चरण नीलामी के फ लस्वरूप 26 खनिज ब्लॉकों की एनआईटी जारी की गई है, जिसमें से 14 खनिज ब्लॉक आवंटित हो चुके हैं। इससे प्रदेश को खनिपट्टा अवधि में कुल 36739 करोड़ राजस्व के रूप में प्राप्त होना संभावित है। मंत्री सिंह ने कहा कि आगामी चरणों की नीलामी के लिए 85 ब्लॉक चिन्हित किए गए हैं, जिनमें से माह अक्टूबर 2021 में 20 ब्लॉक एवं मार्च 2022 तक 25 बलॉक की एनआईटी जारी किया जाना प्रस्तावित है। मंत्री ने कहा कि खनिज विभाग द्वारा गौण खनिजों के 82 क्षेत्र चिन्हित किए गए हैं, जिनमें नीलामी की प्रारंभिक प्रक्रिया प्रचलन में है। उन्होंने कहा कि राज्य के कुल राजस्व में खनिज राजस्व का महत्वपूर्ण योगदान है। विगत वर्षान्त में प्रदेश का खनिज राजस्व 5185 करोड़ रूपए रहा है। मंत्री सिंह ने भारत सरकार से आग्रह किया कि 5 हेक्टेयर से कम क्षेत्र के खनिज ब्लॉकों को भी नीलामी में शामिल करने के लिए नियमों में संशोधन किए जाएं। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त ग्लोकोनाइट खनिज की सेल वेल्यू निर्धारित की जाए, जिससे प्रदेश के जिला सिंगरौली में उपलब्ध ग्लोकोनाइट खनिज ब्लॉक को नीलाम किया जा सकें । इससे प्रदेश के खनिज राजस्व में वृद्धि होगी। खनिज साधन मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने विशेष रूप से सहयोग के लिए केंद्रीय खान मंत्रालय का आभार व्यक्त किया।

पुलिस अकादमी में दो इंडक्शन कोर्स का समापन

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश पुलिस अकेडमी में नव पदोन्नत उप पुलिस अधीक्षक के दो इंडक्शन कोर्स तथा एक एसटीएफ के अधिकारियों के लिए ऑर्गेनाइज क्राइम कोर्स का आयोजन किया गया । दोनों कोर्स का समापन हो गया है। समापन कार्यक्रम में अरुणा मोहन राव स्पेशल डीजी (प्रशिक्षण) सहित अन्य आधिकारी मौजूद थे ।

समापन कार्यक्रम के प्रारंभ में पुलिस अकादमी के निदेशक राजेश चावला द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया। उसके बाद अकादमी के उपनिदेशक डॉ. विनीत कपूर ने कोर्स के संबंध में जानकारी दी और किस तरह कोर्स का शॉर्ट एनालिसिस किया गया उसके बारे में पीपीटी के जरिए समझाया। कार्यक्रम में स्पेशल डीजी अरुणा मोहन राव ने संबोधित किया। उन्होंने नवनियुक्त अतिरिक्त प्रभार उप पुलिस अधीक्षकों को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में नीरज पांडे पुलिस अधीक्षक पीटीसी भौरी, रश्मि पांडे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश पाठक, उप पुलिस अधीक्षक तथा एकेडमी के समस्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। गौरतलब है कि इन कोर्सों में से एक कोर्स अतिरिक्त प्रभार उप पुलिस अधीक्षक जिला बल एवं ऑर्गेनाइज्ड क्राइम पर एसटीएफ का संयुक्त रूप से तीन दिवसीय कोर्स का आयोजन 24 अगस्त को राजीव टंडन विशेष पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त द्वारा शुभारंभ किया गया था।

सिद्धार्थ शुक्ला के अंतिम संस्कार की मीडिया कवरेज को कृति सेनन ने बताया शर्मनाक

बिग बॉस विनर और एक्टर सिद्धार्थ शुक्ला की मौत से हर कोई सदमे में हैं। सिद्धार्थ शुक्ला का अंतिम संस्कार 3 सितंबर को ओशिवारा श्मशान घाट पर किया गया। सिद्धार्थ के अंतिम दर्शक करने के लिए कई लोग श्मशान घाट के बाहर जुटे हुए थे। साथ ही कवरेज के लिए बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी भी वहां मौजूद थे। सिद्धार्थ शुक्ला के अंतिम संस्कार के सभी कार्यक्रम को कुछ मीडिया हाउसेस ने जिस असंवेदनशीलता के साथ दिखाया उस पर सेलेब्स ने नाराजगी जताई है। एक्ट्रेस कृति सेनन ने भी सिद्धार्थ की पर चल रही मीडिया कवरेज पर अपना गुस्सा जाहिर किया है। कृति सेनन ने लिखा, ये देखकर मेरा दिल टूट रहा है कि हमारी मीडिया, फोटोग्राफर्स यहां तक कि ऑनलाइन पोर्ट्ल्स ने भी सिद्धार्थ शुक्ला के अंतिम संस्कार की खबरों को बहुत खराब तरीके से पेश किया। ये कोई खबर नहीं है ना ही ये कोई एंटरटेनमेंट है। कुछ हदें बनाइए। थोड़ा होश में आएं। उन्होंने कहा, ये पहले भी कहा गया है और अब भी कहा जा रहा है कि अंतिम संस्कार की कवरेज करना बंद कीजिए। उन लोगों के चेहरे पर कैमरा ले जाकर उन्हें परेशान ना करें जिन्होंने अपने को खोया है। और ये सब क्यों.कुछ पोस्ट्स के लिए? ऑनलाइन पोर्टल्स और चैनल्स की भी उतनी ही गलती है। एक स्टैंड लीजिए और उनकी फोटोज और वीडियोज लेना बंद करें। सिर्फ हार्टब्रेकिंग लिखकर फेक सेंसिटिवी मत दिखाइए। बता दें कि कृति सेनन से पहले अनुष्का शर्मा, गौहर खान, राहुल वैद्य जैसे कई सितारों ने भी सिद्धार्थ के अंतिम संस्कार पर की गई मीडिया कवरेज पर नाराजगी जाहिर की है।

भांजे कृष्णा अभिषेक ने बनाई शो से दूरी

'द कपिल शर्मा शो' में नजर आएंगे गोविंदा

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा और उनके भांजे कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक का विवाद अक्सर सुर्खियों में रहता है। दोनों मामा-भांजे एक-दूसरे के सामने नहीं आते हैं। ताजा खबरों के अनुसार कृष्णा अभिषेक ने एक बार फिर गोविंदा के संग शूट करने से मना कर दिया है। गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहुजा जल्द ही 'द कपिल शर्मा शो' में नजर आने वाले हैं। इस एपिसोड से कृष्णा अभिषेक गायब रहेंगे। कृष्णा ने बताया कि वह अपनी अपकमिंग फिल्म और शो की शूटिंग के बीच डेट्स एडजस्ट कर रहे हैं और जैसे ही उन्हें पता चला कि शो में गोविंदा आने वाले हैं तो उन्होंने इस एपिसोड से गायब रहना ही बेहतर समझा। यह दूसरी बार है जब उन्होंने अपने मामा के साथ 'द कपिल शर्मा शो' का शूट करने से मना किया है। खबरों के अनुसार कृष्णा ने एक इंटरव्यू में कहा, लास्ट 15 दिनों से मैं अपनी फिल्म और कपिल के शो के लिए रायपुर और मुंबई के बीच खूब चक्कर लगा रहा हूं। शो के लिए मैं अपनी डेट्स एडजस्ट कर सकता हूं, लेकिन जैसे ही मुझे पता चला कि शो में वो (गोविंदा) आ रहे हैं तो मैं फिर उस एपिसोड का हिस्सा नहीं बनना चाहता हूं। उन्होंने कहा, मैंने उस एपिसोड के लिए डेट भी एडजस्ट नहीं की। मुझे लगता है कि दोनों पार्टी साथ में स्टेज शेयर नहीं करेगी। ये मेरी तरफ से भी होगा और उनकी तरफ से भी होगा। अब ये कॉमेडी शो है तो पता नहीं कौनसी बात बाद में बड़ी बन जाए और फिर वही सब होगा कि ऐसा बोल दिया, वैसा बोल दिया। कृष्णा ने कहा, मैं कोई मुद्दा नहीं बनाना चाहता हूं। मुझे पता है कि ऑडिशयंस चाहती होगी कि जब गोविंदा जी शो में आएं तो मैं भी मस्ती करूं, लेकिन मुझे लगता है कि परफॉर्म ना करना ही अच्छा है। भले ही उनके और गोविंदा के बीच का रिलेशन खराब हो, लेकिन वह नहीं चाहते कि कपिल शर्मा और शो की क्रिएटिव टीम का गोविंदा के साथ रिलेशन खराब हो। बता दें कि पिछली बार भी जब गोविंदा अपनी पत्नी और बेटी के साथ 'द कपिल शर्मा के सेट पर पहुंचे थे, तब भी कृष्णा ने इस एपिसोड़ से दूरी बना ली थी।

सिद्धार्थ की मौत के बहाने कई लोग लाइमलाइट बटोरने की कर रहे कोशिश-अर्शी खान

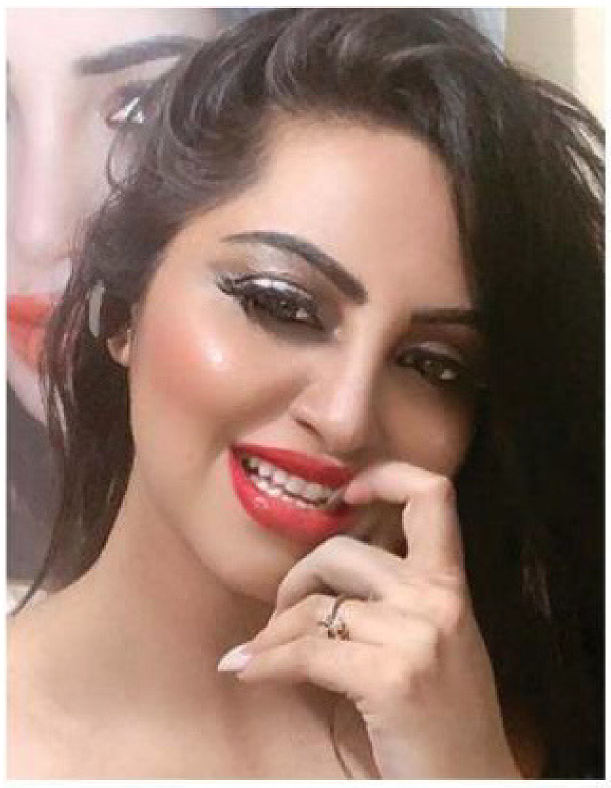

अभिनेत्री अर्शी खान इस बात से हैरान हैं कि कितने लोग अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला की मौत पर सुर्खियों में आने की कोशिश कर रहे हैं। वह इस व्यवहार को 'घृणित' कहती हैं। अर्शी ने आईएएनएस को बताया कि यह घृणित है कि जब भी कोई लोकप्रिय हस्ती मर जाता है तो लोग स्वयं के लाभ की तलाश करते हैं। मैं बहुत से लोगों से निराश हूं, जो सिद्धार्थ शुक्ला की मौत पर लाइमलाइट बटोरने की कोशिश कर रहे हैं। मीडिया में उनकी कार्रवाई और बयान ओवरएक्टिंग और नकली लग रहे हैं। 'बिग बॉस 14' से लोकप्रियता हासिल करने वाली अभिनेत्री का सुझाव है कि ऐसे लोगों को यो सब करने के बजाय खुद पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोग दावा कर रहे हैं कि वे 'सुन्न' हैं, और इससे बाहर आने में असमर्थ हैं। वह सिड की आत्मा की शांति के लिए दुआ करें, ये बाइट देने में खुद को शामिल करने से अधिक सहायक होगा। वे कुछ भी कर सकते हैं अच्छे कारण जैसे कम भाग्यशाली लोगों को खाना खिलाना या सिद्धार्थ के नाम पर दान करना आदि। सिद्धार्थ शुक्ला का 2 सितंबर को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था।

म्यूजिक वीडियो 'दो घूंट' में जलवा दिखाएंगी निया शर्मा

टीवी एक्ट्रेस निया शर्मा सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। वह फैंस के साथ अक्सर अपनी हॉट एंड बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। निया शर्मा जल्द ही म्यूजिक वीडियो 'दो घूंट' में नजर आने वाली हैं। निया शर्मा का यह म्यूजिक वीडियो 6 सितंबर को रिलीज होने वाला है। हाल ही में निया ने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए इस बात की जानकारी दी है। इन तस्वीरों में निया व्हाइट कलर की ड्रेस में नजर आ रही है। उन्होंने अपने लुक को खूबसूरत बनाने के लिए हैवी मेकअप के संग एक चेन वाली नथ पहनी हुई है। हाल ही में निया शर्मा का जलवा बिग बॉस ओटीटी में देखने को मिला था। जहां पर वह बतौर मेहमान बन कर घर में पहुंची थीं। इस दौरान निया ने सभी को खूब एंटरटेन किया।

किम शर्मा ने लिएंडर पेस संग अपने रिश्ते पर लगाई मुहर!

बॉलीवुड एक्ट्रेस किम शर्मा और टेनिस प्लेयर लिएंडर पेस के अफेयर की खबरें बीते काफी दिनों से सुर्खियों में हैं। दोनों अक्सर साथ में कई बार साथ में टाइम स्पेंड करते नजर आते है। हालांकि, दोनों ने पहले कभी अपने रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की थी। लेकिन अब किम शर्मा का हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट उनके और लिएंडर पेस के रिश्ते पर मुहर लगा रहा है। किम शर्मा और लिएंडर पेस ने एक जैसी तस्वीर अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है, जिसमें किम व्हाइट ड्रेस में नजर आ रही हैं, तो वहीं लिएंडर पेस ब्लू टी और डेनिम में नजर आए। दोनों तस्वीर में मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। इसके कैप्शन में उन्होंने कुछ नहीं लिखा लेकिन लड़का और लड़की के बीच प्यार को दर्शाते सिंबल का इस्तेमाल किया है। बता दें कि किम शर्मा का नाम कई लोगों के साथ जुड़ चुका है। किम युवराज सिंह के साथ शादी करने वाली थीं। लेकिन युवी की मां को किम पसंद नहीं आई। इसके बाद किम ने केन्या के बिजनेस मैन अर्जुन पुंजानी से शादी कर सभी को चौंका दिया। लेकिन यह शादी ज्यादा दिन नहीं टिकी। इसके बाद किम का नाम फैशन डिजाइनर अर्जुन खन्ना के साथ जोड़ा गया। दोनों को कई बार साथ देखा गया, जिससे अनुमान लगाया गया कि दोनों के बीच कुछ पक रहा है। अर्जुन और किम का साथ लंबा नहीं चल पाया और यह 'दोस्ती' टूट गई।

200 करोड़ रुपए ठगी मामले में एक्ट्रेस लीना मारिया पॉल गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा जालसाजी और रंगदारी के आरोपी सुकेश से लगातार पूछताछ कर रही है। जेल में बंद सुकेश ने तिहाड़ जेल से रंगदारी मांगी थी। वहीं अब 200 करोड़ की रंगदारी के मामले में फंसे सुकेश चंद्रशेखर के बाद अब उनकी पत्नी फिल्म एक्ट्रेस लीना मारिया पॉल को गिरफ्तार किया गया है ।दिल्ली पुलिस ने मकोका एक्ट में लीना की गिरफ्तारी की है। सुकेश व उसके अन्य साथियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। सुकेश चंद्रशेखर ने जेल के अंदर से ही 2 बिजनेसमैन और उनकी फैमिली से स्पूफ कॉल के जरिए जेल से बाहर निकलवाने के नाम पर करोड़ो रुपये की ठगी की है। इस मामले में एक्ट्रेस लीना के खिलाफ मिले साक्ष्य के बाद पुलिस ने यह कारवाई की। पुलिस ने लीना से घंटों पूछताछ की। लीना ने तेलुगु और तमिल की कई फिल्मों में छोटे-मोटे रोल किए हैं। हाल ही में जब इनफोर्समेंट डायरेक्टरेट ने सुकेश के चेन्नई? स्थित बंगले में रेड मारी तो उस दौरान 16 कीमती गाड़ियां समेत टॉप इंटरनेशनल ब्रैंड्स के महंगे फैशनेबल कपड़े भी मिले थे, जिनकी कीमत करोड़ों में है। ईडी ने अपनी तहकीकात में पाया कि एक्ट्रेस लीना अपने पति के बेईमानी से मिले हुए रुपयों से ऐश-ओ-आराम की जिंदगी जी रही थीं। बता दें कि लीना जॉन अब्राहम की फिल्म 'मद्रास कैफे' में नजर आई थीं। इसके अलावा वह बिरयानी, हसबेंड इन गोवा और कोबरा जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।

किम शर्मा ने लिएंडर पेस संग अपने रिश्ते पर लगाई मुहर!

बॉलीवुड एक्ट्रेस किम शर्मा और टेनिस प्लेयर लिएंडर पेस के अफेयर की खबरें बीते काफी दिनों से सुर्खियों में हैं। दोनों अक्सर साथ में कई बार साथ में टाइम स्पेंड करते नजर आते है। हालांकि, दोनों ने पहले कभी अपने रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की थी। लेकिन अब किम शर्मा का हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट उनके और लिएंडर पेस के रिश्ते पर मुहर लगा रहा है। किम शर्मा और लिएंडर पेस ने एक जैसी तस्वीर अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है, जिसमें किम व्हाइट ड्रेस में नजर आ रही हैं, तो वहीं लिएंडर पेस ब्लू टी और डेनिम में नजर आए। दोनों तस्वीर में मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। इसके कैप्शन में उन्होंने कुछ नहीं लिखा लेकिन लड़का और लड़की के बीच प्यार को दर्शाते सिंबल का इस्तेमाल किया है। बता दें कि किम शर्मा का नाम कई लोगों के साथ जुड़ चुका है। किम युवराज सिंह के साथ शादी करने वाली थीं। लेकिन युवी की मां को किम पसं नहीं आई। इसके बाद किम ने केन्या के बिजनेस मैन अर्जुन पुंजानी र शादी कर सभी को चौंका दिया। लेकिन यह शादी ज्यादा दिन नहीं टिकी। इसके बाद किम का नाम फैशन डिजाइनर अर्जुन खन्ना के साथ जोड़ा गया। दोनों को कई बार साथ देखा गया, जिससे अनुमान लगाया गया कि दोनों के बीच कुछ पक रहा है। अर्जुन और किम का साथ लंबा नहीं चल पाया और यह 'दोस्ती' टूट गई। इसके बाद किम शर्मा का नाम एक्टर हर्षवर्धन राणे संग जुड़ा। दोनों को कई बार साथ में क्वालिटी टाइम स्पेंड करते हुए देखा जाता था। हालांकि यह रिश्त भी शादी तक पहुंचने से पहले ही खत्म हो गया।

कभी रहते थे एक कमरे के घर में

अब इतने करोड़ की संपत्ति के मालिक हैं पंकज त्रिपाठी

पंकज ने अपने शानदार अभिनय से फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। पंकज त्रिपाठी ने बिहार के गोपालगंज जिले में स्थित एक गांव से निकलकर अपनी एक्टिंग से सबका दिल जीत लिया है। पंकज त्रिपाठी ने मनोरंजन जगत में इस मुकाम को हासिल करने के लिए काफी मुश्किलों का सामना किया है। वह न सिर्फ एक कमरे के मकान में रहे बल्कि उन्होंने गुजारे के लिए कई छोटे मोटे काम भी किए। पंकज त्रिपाठी ने एक होटल में बतौर कुक भी काम किया। खबरों के अनुसार पंकज त्रिपाठी की नेट वर्थ की 40 करोड़ रुपए है। पंकज त्रिपाठी एक महीने में 30 लाख रुपए से ज्यादा कमाते हैं। उनकी कमाई मेन सोर्स फिल्में और ब्रांड एंडोर्समेंट है। पंकज त्रिपाठी एक फिल्म के लिए 3-4 करोड़ रुपए लेते हैं। वहीं ब्रांड एंडोर्समेंट के लिए पंकज त्रिपाठी 1-2 करोड़ लेते हैं। पंकज त्रिपाठी मुंबई के मड आइलैंड में आलीशान घर में रहते हैं। साथ ही बेलसंद में भी उनके पास घर है। पंकज के पास कई रियल एस्टेट प्रॉपर्टीज भी है। पंकज त्रिपाठी की गाड़ियों की बात करें तो उनके पास मर्सिडीज बेन्ज क200, टोयोटा फॉर्च्यूनर, मर्सिडीज एमएल 500 जैसी लग्जरी कारें हैं। पंकज त्रिपाठी ने साल 2003 में कन्नड़ फिल्म से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद साल 2004 में उन्होंने हिन्दी फिल्म 'रन' में काम किया.पंकज ने इसके बाद कई फिल्मों में काम किया।

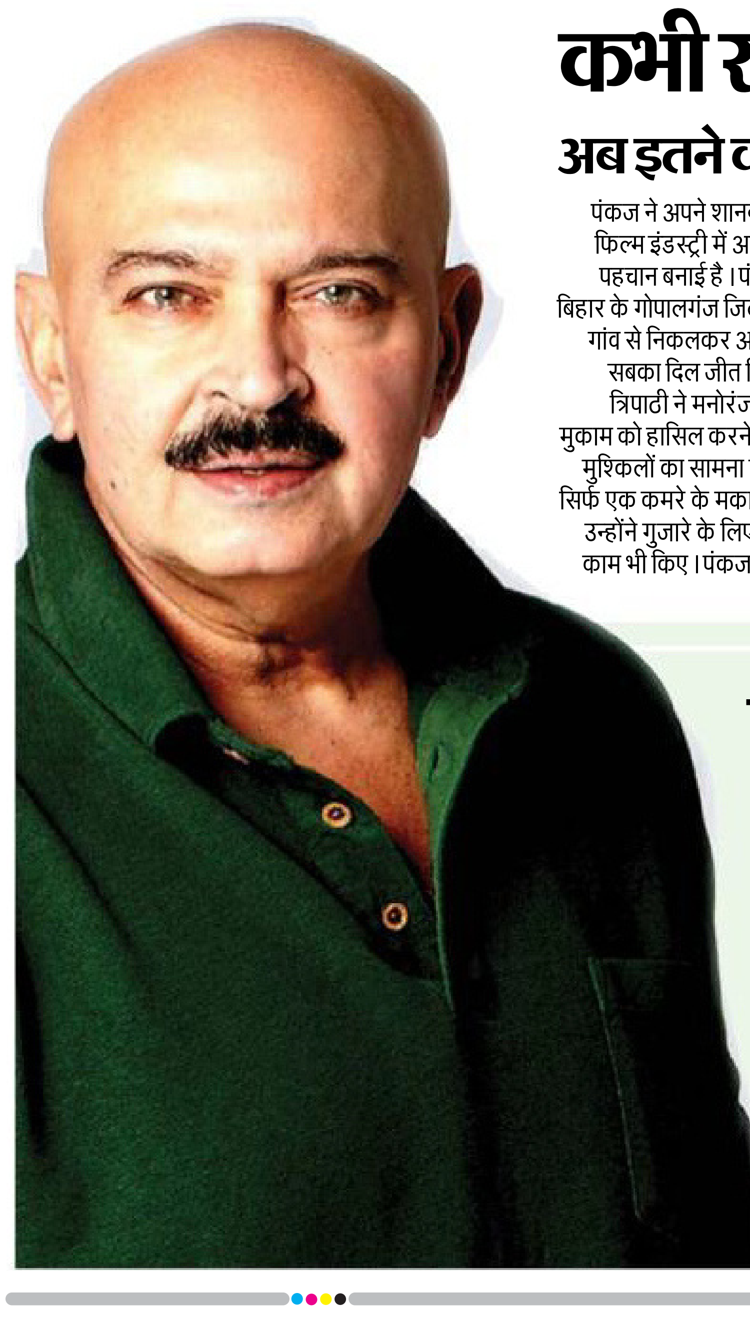

इस वजह से अमिताभ बच्चन के साथ काम नहीं करते राकेश रोशन

राकेश रोशन ने अपने करियर की शुरुआत साल 1970 में फिल्म 'कहानी घर घर की' से की थी। राकेश रोशन ने इंडस्ट्री के लगभग सभी सुपरस्टार संग काम किया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि राकेश रोशन ने कभी अमिताभ बच्चन के साथ काम नहीं किया है। एक इंटरव्यू के दौरान राकेश रोशन ने बिग बी के साथ काम नहीं करने की वजह बताई थी। राकेश रोशन ने बताया था कि फिल्म किंग अंकल में वो अमिताभ बच्चन के साथ काम करने वाले थे। 'किंग अंकल' उन्हीं के लिए लिखी गई थी। अमिताभ ने इस फिल्म के हामी भर दी थी। पूरा स्क्रीन प्ले उनके लिए तैयार कर लिया गया था। मगर ऐन वक्त पर अमिताभ कुछ निजी समस्याओं से घिर गए। फिर उन्होंने तीन-चार साल ब्रेक लेने का तय किया। तब से राकेश ने भी उनके साथ कोई फिल्म साइन नहीं की। लेकिन ऐसा नहीं कि अमिताभ और राकेश रोशन के बीच मनमुटाव है। वो आज भी एक दूसरे का सम्मान करते हैं। राकेश रोशन ने 70 के दशक के लेकर 80 तक कई फिल्मों में अभिनय किया। वह करीब 84 फिल्मों में अभिनय कर चुके हैं। वहीं 1987 में फिल्म 'खुदगर्ज' के साथ राकेश रोशन ने निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा। राकेश रोशन की ज्यादातर फिल्मों का नाम 'ख' शुरू होता है।

अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक गोल करने वाले दक्षिण अमेरिकी खिलाड़ी बने मेसी

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी अपने जमाने के दिग्गज पेले का 50 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़कर अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक गोल करने वाले दक्षिण अमेरिकी खिलाड़ी बन गए हैं। चौतीस वर्षीय मेसी ने अर्जेंटीना की विश्व कप क्वॉलीफाईंग मैच में बोलिविया पर 3-0 की जीत के दौरान यह उपलब्धि हासिल की।

अर्जेंटीना ने बोलिविया को 3-0 से हराया

मेसी ने मैच में हैट्रिक बनाई और अब उनके अंतरराष्ट्रीय गोल की संख्या 79 पर पहुंच गई है जो पेले से दो अधिक है। मेसी ने अर्जेंटीना की तरफ से 153 मैच खेले हैं जबकि पेले ने ब्राजील के लिए 92 मैचों में 77 गोल दागे थे। पेले ने अपना आखिरी मैच जुलाई 1971 में खेला था। वह आंत में ट्यूमर का आपरेशन करवाने के बाद अभी अस्पताल में हैं। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक गोल करने का रिकार्ड पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम पर है। उन्होंने अब तक 180 मैचों में 111 गोल दागे हैं। वहीं नेमार के दूसरे हाफ में शानदार गोल की बदौलत ब्राजील ने पेरू को 2-0 से धूल चटाई।

फीफा विश्व कप क्वॉलीफायर

कोलंबिया ने चिली को हराया

बैरेंक्विला। स्ट्राइकर मिगुएल बोरजा के पहले हाफ में दो शानदार गोल की बदौलत कोलंबिया ने यहां शुक्रवार को 2022 फीफा विश्व कप के क्वॉलीफायर मुकाबले में चिली को 3-1 से हरा दिया। मैच में कोलंबिया ने 19वें मिनट में 1-0 से बढ़त बनाई, जब चिली के पाउलो डियाज द्वारा कोलंबिया के लुइस डियाज को गिराए जाने के बाद मिली पेनल्टी को बोरजा ने गोल में तब्दील किया। बोरजा यहीं नहीं रुके अगले ही मिनट में उन्होंने एक और गोल दागा और टीम को 2-0 से बढ़त दिला दी। चिली ने हालांकि मैच का एक घंटा पूरे होने से पहले एक गोल दाग कर स्कोर को 2-1 किया। एरिक पुल्गर द्वारा मौका बनाए जाने के बाद स्ट्राइकर जीन मेनिस ने 56वें मिनट में यह गोल किया।

भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवां टेस्ट कोरोना के कारण रद्द

परमार के संक्रमित पाए जाने के बाद ईसीबी और बीसीसीआई ने किया फैसला

मैनचेस्टर। भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच टीम इंडिया में कोरोना मामलों के चलते रद्द करना पड़ा है। इंग्लैंड एन्ड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा, भारतीय शिविर में कोरोना मामलों की संख्या बढ़ने की आशंका के कारण, भारत मैदान में एक टीम उतारने की स्थिति में नहीं है। हम इस खबर के लिए प्रशंसकों और पार्टनर्स से माफी मांगते हैं क्योंकि इससे कईयों को भारी निराशा हुई होगी।

ईसीबी ने ट्विटर पर कहा, बीसीसीआई के साथ बातचीत के बाद ईसीबी इस बात की पुष्टि करता है कि शुक्रवार से शुरू होने वाला पांचवां टेस्ट रद्द कर दिया गया है। भारत के सहायक फिजियो थेरेपिस्ट योगेश परमार के कोरोना से संक्रमित पाए जाने के बाद बीसीसीआई और ईसीबी के बीच गंभीर बातचीत के बाद यह परिणाम सामने आया है। एक भारतीय खिलाड़ी ने दोनों बोर्डों के बीच पिछले दो दिनों से चल रही बातचीत के दौरान मैदान में उतारने को लेकर चिंता जताई। हालांकि पूरी भारतीय टीम का आरटी-पीसीआर टेस्ट का परिणाम नेगेटिव

आया था लेकिन गुरूवार को की गयी टेस्टिंग के दूसरे राउंड के परिणाम की अभी प्रतीक्षा है। ईसीबी ने पहले कहा था कि भारत मैच को छोड़ सकता है लेकिन फिर इसे हटा लिया गया।

नई विंडो की तलाश में भारत और इंग्लैंड

भारत और इंग्लैंड के बीच भारतीय टीम में कोरोना की आशंका के चलते रद्द किए गए पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच को बाद में कराने का प्रयास किया जाएगा। बीसीसीआई ने कहा कि वह वह मैच को बाद की किसी तारीख में आयोजित कराने के लिए ईसीबी से बात कर रहा है। बीसीसीआई और ईसीबी ने टेस्ट मैच खेलने के लिए कई राउंड की बातचीत की लेकिन भारतीय टीम में कोविड 19 फैलने की आशंका के चलते उन्हें यह मैच रद्द करने के लिए मजबूर होना पड़ा। बीसीसीआई ने कहा, बीसीसीआई और ईसीबी के बीच मजबूत संबंधों के चलते बीसीसीआई ने ईसीबी के सामने रद्द हुए मैच को फिर से खेलने की पेशकश रखी है।

दोनों बोर्डों को टेस्टिंग के बाद और मामले सामने आने की आशंका

समझा जाता है कि खिलाड़ियों और दोनों बोर्डों को आशंका थी टेस्टिंग के इस राउंड में एक और मामला निकल सकता है और बीसीसीआई ने ईसीबी से कहा कि भारत को पांचवें टेस्ट के लिए अंतिम एकादश उतारने में परेशानी होगी। पिछले दो दिनों में भारतीय शिविर में आशंका फैली हुई थी जबकि दोनों बोर्ड चर्चा में लगे हुए थे कि यह टेस्ट खेला जाए या इसे रद्द कर दिया जाए। चर्चा गुरूवार रात तक चली लेकिन भारतीय दाल को यह जानकारी नहीं थी कि बीसीसीआई क्या फैसला लेने जा रहा है। हालांकि बीसीसीआई ने खिलाड़ियों से कहा था कि वे आईपीएल के लिए यूएई की उड़ान पकड़ने को तैयार रहे।

प्रस्तावित टेस्ट सीरीज का निर्णायक नहीं होगा: ईसीबी सीईओ हैरीसन

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉम हैरीसन ने कहा कि रद्द हुए पांचवें टेस्ट के बदले बीसीसीआई द्वारा प्रस्तावित टेस्ट इस श्रृंखला से इतर एक अलग मैच होगा । हैरीसन ने कहा, मुझे लगता है कि यह अलग हालात है। हमें कुछ और विकल्प दिये गए हैं जिन पर गौर करना होगा। उनसे पूछा गया था कि यह एक अलग मैच होगा या श्रृंखला का निर्णायक मैच होगा। यदि यह एक अलग मैच होगा तो भारत को विजयी घोषित किया जायेगा लेकिन अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। यह मैच अगले साल जुलाई में हो सकता है जब भारतीय टीम सीमित ओवरों के दौरे पर इंग्लैंड आयेगी। बोर्ड अध्यक्ष सौरव गांगुली निजी यात्रा पर इंग्लैंड जा रहे हैं और उनकी हैरीसन से मुलाकात 22 या 23 सितंबर को हो सकती है। इसमें अगले साल इस मैच के आयोजन पर भी बात हो सकती है।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए विंडीज टीम घोषित

2016 विश्वकप में आखिरी ओवर में लगातार चार छक्के लगाकर खिताब दिलाने वाले ब्रेथवेट बाहर

सेंट जोन्स (एंटीगा)। मौजूदा चैंपियन वेस्टइंडीज ने रवि रामपॉल को 2015 के बाद पहली बार टी20 विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम में चुना है लेकिन छक्के जमाने में माहिर कार्लोस ब्रेथवेट को इसमें जगह नहीं दी गयी है।

छत्तीस वर्षीय रामपॉल की छह साल में पहली बार वेस्टइंडीज टी20 टीम में वापसी हुई है। मुख्य चयनकर्ता रोजर हार्पर ने कहा, राम की मौजूदगी से टीम की पावरप्ले और बीच के ओवरों में विकेट लेने की क्षमता बढ़ेगी तथा इससे डेथ ओवरों में भी एक अन्य विकल्प उपलब्ध रहेगा। ब्रेथवेट ने टी20 विश्वकप 2016 में बेन स्टोक्स के आखिरी ओवर में लगातार चार छक्के लगाकर वेस्टइंडीज को खिताब दिलाया था। कैरेबियाई टीम ने कोलकाता के ईडन गार्डंस में खेले गए फाइनल में दो गेंद शेष रहते हुए चार विकेट से जीत दर्ज की थी। रोस्टन चेज को कैरेबियाई प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन के कारण पहली बार टी20 टीम में शामिल किया गया है। वेस्टइंडीज अपना पहला मैच 23 अक्टूबर को अबुधाबी में इंग्लैंड के खिलाफ खेलेगा। ग्रुप एक में इन दोनों टीमों के अलावा दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और दो क्वॉलीफायर शामिल हैं। टी20 विश्वकप 17 अक्टूबर से 14 नवंबर के बीच संयुक्त अरब अमीरात और ओमान में खेला जाएगा।

वेस्टइंडीज की टीम

कायरन पोलार्ड (कप्तान), निकोलस पूरन, फैबियन एलेन, ड्वेन ब्रावो, रोस्टन चेज, आंद्रे फ्लेचर, क्रिस गेल, शिमरन हेटमायर, एविन लुईस, ओबेद मैककॉय, लेंडल सिमंस, रवि रामपॉल, आंद्रे रसल, ओशाने थॉमस, हेडन वॉल्श जूनियर

रिजर्व: डैरेन ब्रावो, शेल्डन कॉटरेल, जेसन होल्डर, अकील होसेन।

थाम्पसन ने जीता डायमंड लीग का खिताब

100 मी. दौड़ 10.65 सेकेंड में पूरी की

ज्यूरिख। ओलंपिक चैंपियन ऐलेन थाम्पसन हेरा ने डायमंड लीग फाइनल में महिलाओं की 100 मीटर दौड़ 10.65 सेकेंड के मीट रिकॉर्ड में पूरी करके एक और खिताब के साथ सत्र का अंत किया। जमैका की इस धाविका ने गुरुवार को अपना तीसरा डायमंड लीग खिताब जीता।

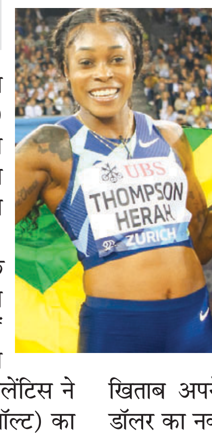

उन्होंने ब्रिटेन की डीना एशेर स्मिथ को पीछे छोड़ा जिन्होंने 10.83 सेकेंड के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। वह उन ओलंपिक चैंपियन में शामिल रही जिन्होंने डायमंड लीग के सत्र की आखिरी प्रतियोगिता में जीत दर्ज की। आर्मंड डुपलेंटिस ने 6.06 मीटर के साथ पुरुषों की बांसकूद (पोल वॉल्ट) का खिताब जीता। नार्वे के विश्व रिकॉर्ड धारक कार्सटन वॉरहोम ने पुरुषों की 400 मीटर दौड़ 47.35 सेकेंड में पूरी करके अपने खिताब का बचाव किया। महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में फेथ किपियेगोन चैंपियन बनी। उन्होंने तीन मिनट 58.33 सेकेंड में दौड़ पूरी की। टोक्यो में संयुक्त विजेता रहे इटली के जियानमार्को ताम्बेरी ने पुरुषों की ऊंची कूद में 2.34 मीटर के साथ खिताब जीता। तोक्यो में रजत पदक विजेता रहे अमेरिका के फ्रेड केरले ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ 9.87 सेकेंड में पूरी करके खिताब अपने नाम किया। प्रत्येक विजेता को 30,000 डॉलर का नकद पुरस्कार मिला।

मोहम्मद नबी होंगे अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के नए कप्तान

कहा, हम आगामी टी20 विश्वकप में राष्ट्र की शानदार छवि पेश करेंगे

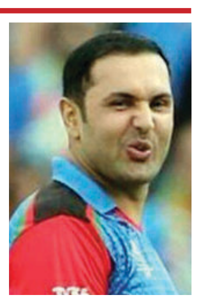

नई दिल्ली। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड पहले से ही कई परेशानियों का सामना कर रहा है। ऐसे में 9 सितंबर को एक नई समस्या पैदा हो गई। दरअसल एसीबी ने गुरुवार को टी-20 विश्वकप के लिए टीम का एलान किया। बोर्ड ने जैसे ही टीम की घोषणा की उसके तुरंत बाद राशिद खान ने कप्तानी से इस्तीफा दे दिया।

इस स्थिति में एसीबी ने मोहम्मद नबी को टीम का कप्तान बनाया है। टी-20 विश्वकप के लिए अफगानिस्तान ने जो टीम चुनी है उसमें विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद शहजाद को शामिल किया गया है। इसके अलावा टीम में ज्यादातर उन्हीं खिलाड़ियों को मौका दिया गया है जो पिछले कुछ समय से टीम के लिए खेल रहे हैं। टीम घोषणा के बाद राशिद खान ने ट्विटर पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा था, कप्तान और देश के जिम्मेदार व्यक्ति होने के नाते मैं टीम चयन का हिस्सा बनने का अधिकार रखता हूं, चयन समिति और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड में उस टीम के लिए मेरी सहमति नहीं ली, जिसका एलान एसीबी मीडिया ने किया है, मैं अफगानिस्तान टी-20 टीम की कप्तानी छोड़ रहा हूं, देश के लिए खेलना हमारे लिए हमेशा गर्व की बात रही है नबी ने ट्वीट किया, इस महत्वपूर्ण दौर मैं टी20 प्रारूप में राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की अगुवाई करने की एसीबी की घोषणा की प्रशंसा करता हूं। हम आगामी टी20 विश्वकप में राष्ट्र की शानदार छवि पेश करेंगे।

द. अफ्रीका टी20 वर्ल्ड कप टीम में जगह ना मिलने से निराश हुए इमरान ताहिर

दुबई। दक्षिण अफ्रीका के लेग स्पिनर इमरान ताहिर का मानना है कि वह टीम मैनजमेंट से थोड़े बहुत सम्मान के हकदार हैं जो उन्हें बेकार मानता है। उन्होंने यह भी कहा कि जब से मार्क बाउचर मुख्य कोच बने हैं, टी20 विश्वकप की योजनाओं पर उनके साथ कोई संवाद नहीं हुआ है।

ताहिर 17 अक्टूबर से 14 नवंबर तक ओमान और यूएई में होने वाले टी 20 विश्वकप के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम में शामिल नहीं है। ताहिर ने 2019 विश्व कप के बाद वनडे से संन्यास ले लिया था। लेकिन उन्होंने खुद को टी20 के लिए उपलब्ध रखा था। ताहिर ने कहा, मुझे अच्छा नहीं लग रहा है कि मैं टीम में नहीं हूं। पिछले साल ग्रीम स्मिथ ने मुझसे बात की थी और कहा था कि मैं चाहता हूं कि आप विश्व कप खेलें, जो ऑस्ट्रेलिया में था। मैंने स्पष्ट रूप से कहा कि मैं उपलब्ध और उत्साहित तथा सम्मानित हूं क्योंकि आप मुझे सम्मान देते हैं। मैं तेयार हूं। उन्होंने कहा, मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं और आप इन सभी लीगों में मेरा प्रदर्शन देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए वह मुझे चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह एबी डिविलियर्स और फाफ डू प्लेसिस जैसे कुछ अन्य लोगों से बात करने जा रहे हैं।

आईपीएल 2021 के शेष सत्र पर कोरोना का खतरा

भारत- इंग्लैंड सीरीज के चार खिलाड़ी आईपीएल टीम के कप्तान

नई दिल्ली। आईपीएल 2021 पर फिर कोविड-19 का साया मंडराने लगा है। आईपीएल 2021 के यूएई लेग का आयोजन 19 सितंबर से यूएई में होना है। इंग्लैंड दौरे पर भारतीय स्क्वॉड में कोरोना के केस आने से आईपीएल फ्रैंचाइजी के माथे पर चिंता का लकीरे खींचने लगी हैं।

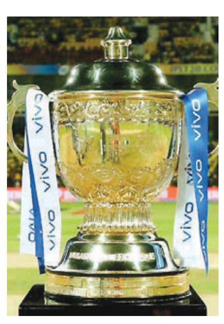

इस समय आईपीएल की टीमें दुबई और अबुधाबी में अपना बेस बना रखी हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज में कई खिलाड़ी दोनों टीमों के आईपीएल में खेलने वाले हैं। आईपीएल फ्रैंचाइजी को अब इस बात का डर सता रहा है कि यदि इंग्लैंड से आए कोई खिलाड़ी कोरोना संक्रमित होगा तो इससे उनका पूरा बबल खराब हो जाएगा। इनमें से 4 तो आईपीएल टीम के कप्तान भी हैं। आईपीएल फ्रैंचाइजी लगभग 3 सप्ताह से यूएई में अपना डेरा जमाए हुए हैं। टीमों ने बीसीसीआई के कोविड-19 प्रोटोकॉल के तहत अपना कड़ा बायो बल तैयार किया हुआ है जिसके अंदर खिलाड़ी रह रहे हैं। भारत और इंग्लैंड के अलावा विश्व के अन्य कई खिलाड़ी इस बायो बबल में प्रवेश करने वाले हैं। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के कप्तान विराट कोहली, मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा, दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत और पंजाब किंग्स के कप्तान केएल राहुल इंग्लैंड में मेजबान टीम के खिलाफ टेस्ट सीरीज का का हिस्सा हैं। इनको मिलाकर कुल 20 खिलाड़ी आईपीएल में अलग अलग फ्रैंचाइजी से जुड़ने वाले हैं। ये सभी खिलाड़ी टेस्ट सीरीज के बाद यूएई में आईपीएल के लिए अपनी फ्रैंचाइजी टीमों से जुड़ने वाले थे। तय समय के मुताबिक 5वां टेस्ट 14 सितंबर को खत्म होता। लेकिन अब वह अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया है।

चंडीगढ़ के मल्होत्रा ने छह गेंदों में जड़े 6 छक्के

अमेरिका की ओर से 173 रन की तूफानी पारी खेली

नई दिल्ली। भारतीय मूल के अमेरिकी क्रिकेटर जसकरन मल्होत्रा ने इतिहास रच दिया हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में चौथी बार किसी क्रिकेटर ने छह गेंद में लगातार छह छक्के लगाए हैं। दक्षिण अफ्रीका के हर्षल गिब्स, भारत के युवराज सिंह और वेस्टइंडीज के कायरन पोलार्ड वाले क्लब में अब जसकरन मल्होत्रा की एंट्री हुई है। चंडीगढ़ में पैदा हुए जसकरन अब अमेरिका की ओर से क्रिकेट खेलते हैं।

पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ दूसरे वनडे में उन्होंने यह कमाल किया। 102 गेंदों में खेली 173 रन की पारी के बूते ही अब वह यूएसए के लिए शतक ठोकने वाले पहले बल्लेबाज भी बन गए। इस मैच में यूएसए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कोरबोर्ड पर 270 रन टांगे। जवाब में पापुआ न्यू गिनी की पूरी टीम 137 रनों पर ढेर हो गई। इस तरह अमेरिका ने 134 रनों से मैच जीत लिया। 31 वर्षीय जसकरन मल्होत्रा ने विरोधी गेंदबाज गॉडी तोका के ओवर में धमाल मचाया।

आस्ट्रेलिया की टीम के टेस्ट कप्तान बोले- अफगानिस्तान को टी20 वर्ल्ड कप में टीम करें बायकाट

नई दिल्ली । आस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान टिम पेन ने कहा कि अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच के आगे बढ़ने की संभावना दिखाई नहीं दे रही है, क्योंकि तालिबान महिलाओं को क्रिकेट खेलने के लिए अनुमति नहीं दे रहा है। कंगारू टीम के टेस्ट कैप्टन ने ये भी सवाल किया कि खेल का शासी निकाय इस मुद्दे पर चुप क्यों है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने भी स्पष्ट कर दिया है कि अगर अफगानिस्तान की महिला क्रिकेटरों को खेलने की अनुमति नहीं मिलती है तो हम अफगानिस्तान की पुरुष टीम की मेजबानी नहीं करेंगे।

आस्ट्रेलिया 27 नवंबर से होबार्ट में अफगानिस्तान की पुरुष टीम के खिलाफ टेस्ट मैच खेलने की तैयारी में थी, लेकिन लेकिन क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने गुरुवार को कहा कि अगर अफगानिस्तान में महिला क्रिकेट का समर्थन नहीं किया जाएगा तो वह अफगानिस्तान की पुरुष टीम की मेजबानी नहीं करेंगे। वहीं, टेस्ट कप्तान टिम पेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद यानी आइसीसी की निरंतर चुप्पी पर भी प्रकाश डाला, क्योंकि अफगानिस्तान को टी20 विश्व कप में भाग लेना है, जो संयुक्त अरब अमीरात और ओमान में 17 अक्टूबर से शुरू हो रहा है। टिम पेन ने सेन रेडियो से बात करते हुए कहा, अच्छा नहीं लग रहा है, इसमें कोई संदेह नहीं है कि हम मुसीबत की दुनिया में हैं, लेकिन इसके आसपास का तर्क शायद काफी उचित है। इसके शायद दो स्तर हैं। आइसीसी के दृष्टिकोण से इसका क्रिकेट पहलू है कि एक टेस्ट खेलने वाला देश होने के लिए आपके पास एक अंतरराष्ट्रीय महिला टीम होनी चाहिए, जाहिर तौर पर तालिबान के साथ इस समय महिलाओं को किसी भी खेल में खेलने से प्रतिबंधित किया गया है और इसका आइसीसी स्तर पर प्रभाव पड़ता है। . उन्होंने आगे कहा, दूसरा एक महिला की दृष्टि से मानवाधिकार की दृष्टि से अपनी आधी आबादी को कुछ करने की कोशिश से बाहर करना सही नहीं है। मुझे नहीं लगता कि हम उन देशों के साथ जुड़ना चाहते हैं जो अपनी आधी आबादी से चीजों या अवसरों को छीन रहे हैं।

पेन ने कहा कि वह नहीं देख सकते कि मौजूदा परिस्थितियों में अफगानिस्तान को आइसीसी के किसी टूर्नामेंट में कैसे खेलने दिया जा सकता है। उनका कहना है, इस स्तर पर हमने क्रिकेट आस्ट्रेलिया से सुना है, हमने आस्ट्रेलियाई सरकार से सुना है, हमने आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स एसोसिएशन से सुना है, लेकिन अभी तक हमने आइसीसी से कुछ नहीं सुना है, जो मुझे लगता है कि एक महीने के समय में एक टी20 विश्व कप है।

बांग्लादेशी अंपायर नादिर शाह का कैंसर से निधन

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अंपायर नादिर शाह का यहां शुक्रवार को निधन हो गया। वह 57 वर्ष के थे और लंबे अरसे से कैंसर से लड़ाई लड़ रहे थे। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। बीसीबी के मुख्य कार्यकारी निजामुद्दीन चौधरी ने कहा, नादिर शाह मिलनसार व्यक्ति थे, जिन्हें क्रिकेट बिरादरी में सभी से प्यार और सम्मान मिला। उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। वह क्रिकेट के लिए जीते थे और उन्होंने हमेशा एक अंपायर के रूप में अपनी जिम्मेदारी को निष्पक्षता के साथ निभाया था। हम उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं। आईसीसी से मान्यता मिलने के बाद उन्होंने मार्च 2006 में पहली बार अंतरराष्ट्रीय मैच में अंपायरिंग की। अपने करियर में 40 वनडे, तीन टी-20 और तीन महिला वनडे मैचों में अंपायर रहे। उन्होंने छह टेस्ट मैचों और 23 वनडे मैचों में थर्ड अंपायर की भूमिका भी निभाई।

फर्नांडीज और राडुकानू में होगी खिताबी भिड़ंत

यूएस ओपनः फर्नांडीज ने आर्यना सबालेंका को हराकर फाइनल में जगह बनाई

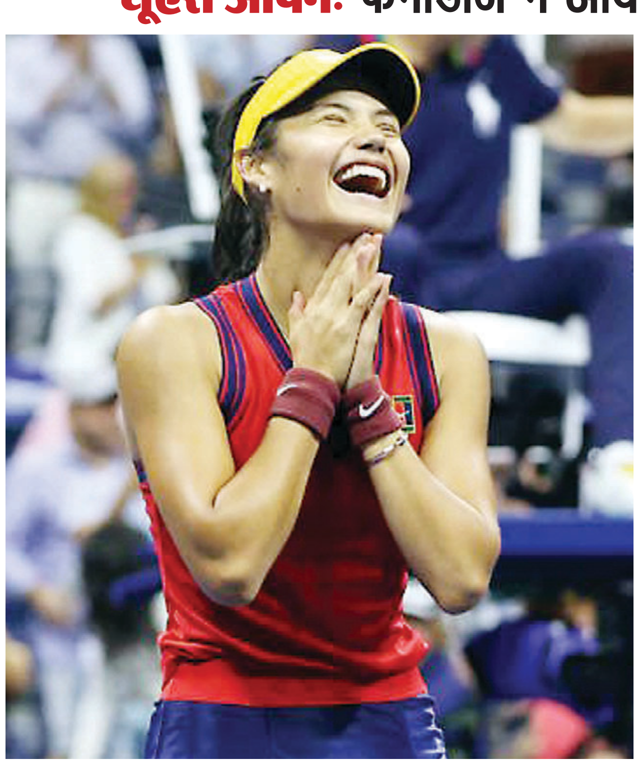

न्यूयॉर्क। युवा कनाडाई टेनिस खिलाड़ी लैला फर्नांडीज महिला एकल सेमीफाइनल मुकाबले में विश्व की नंबर दो टेनिस खिलाड़ी बेलारूस की आर्यना सबालेंका को हरा कर वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लेम यूएस ओपन के फाइनल में पहुंच गईं।

दुनिया की 73वें नंबर की टेनिस खिलाड़ी लैला ने यूएस ओपन में अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखते हुए सेमीफाइनल मैच में आर्यना को 7-6, 4-6, 6-4 से हराया। उन्होंने अब चैंपियन खिताब की दावेदार शीर्ष पांच खिलाड़ियों को हरा दिया है, जिसमें गत चैंपियन जापान की नाओमी ओसाका और पांचवें नंबर की खिलाड़ी यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना शामिल हैं। उनका अब ग्रैंड स्लैम फाइनल में 18 वर्षीय ब्रिटिश टेनिस खिलाड़ी एमा राडुकानू से मुकाबला होगा। राडुकानू ने अन्य सेमीफाइनल में 17 वीं वरीयता प्राप्त यूनान की मरिया सकारी को एकतरफा अंदाज में 6-1, 6-4 से पराजित किया। अब से 38 महीने पहले दोनों खिलाड़ियों के बीच विम्बलडन में लड़कियों के एकल में दूसरे दौर में मुकाबला हुआ था लेकिन अब दोनों यूएस ओपन के फाइनल में आमने- सामने होंगी। यूएस ओपन का फाइनल 7वीं रैंकिंग की लैला और 150 वीं रैंकिंग की राडुकानू के बीच होगा। राडुकानू इस जीत के साथ ओपन युग में किसी ग्रैंड स्लेम के फाइनल में पहुंचने वाली पहली क्वॉलीफायर बन गई हैं। वह वर्जीनिया वेड के बाद यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचने वाली पहली ब्रिटश खिलाड़ी और ओवरऑल चौथी ब्रिटिश खिलाड़ी बन गई हैं। वेड इन मुकाबलों को प्रेसिडेंट बॉक्स से देख रही थीं और उनके सामने राडुकानू ने नया इतिहास रच दिया।

कोर्ट और कोर्ट के बाहर काफी वर्षों की कड़ी मेहनत व त्याग का नतीजाः लैला

लैला ने मैच जीतने के बाद कहा, वह कोर्ट और कोर्ट के बाहर काफी वर्षों की कड़ी मेहनत और त्याग का नतीजा है। मैं किसी भी हाल में फाइनल में आना चाहती थी। मैंने हर अंक के लिए लड़ाई लड़ी। आर्यना ने भी इसी चीज के लिए कड़ा संघर्ष किया। मुझे नहीं पता कि मुझे वह आखिरी अंक कैसे मिला, लेकिन मुझे खुशी है कि मैंने फाइनल में प्रवेश किया। लैला ने अपना 19 वां जन्मदिन पिछले सोमवार को मनाया था जबकि राडुकानू केंट की 18 वर्षीय खिलाड़ी हैं। 1999 के बाद यह पहला मौका है जब फाइनल दो युवा खिलाड़ियों के बीच खेला जाएगा। 1999 में अमेरिका की सेरेना विलियम्स ने मार्टिना हिंगिस को हराकर अपने 23 ग्रैंड स्लेम खिताबों में से पहला खिताब जीता था।